हिंदी दैनिक

नागपुर मेट्रो समाचार

BCN GROUP

RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 | P.NO : NPCITY/516/2021-2023

नागपुर, शनिवार, 30 नवंबर 2024

अंक 48 / वर्ष 6 / पृष्ठ 8+4 / कीमत 3/-

शिवशंकर आयुर्वेदिक

क्या आप जोडे के दर्द से परेशान हो ?

• जोडों का दर्द • गठियावात • सन्धिशोध • सरवाइकल पेन पर Dr. B.A.M.S., M.D. अनुभवी चिकित्सक द्वारा चिकित्सा उपचार किया जाता है।

तथा दमा, अस्थमा, एलर्जी / सभी प्रकार के वात रोग/ लखवा/ स्त्रिरोग/ पुरूष के शुक्राणू दोष/ निसंतान/ किडनी स्टोन/ डायबिटीज से परेशान/ वेट लॉस/ वेट गेन/पिंपल्स/ फ्रेअरनेस/ स्किन प्रॉब्लेम/ पाईल्स/ एवं अन्य बिमारीयों पर भी उपचार किया जाता है।

नागपूर का भव्य शोरूम महाजन मार्केट के पास, टेम्पल बाजार, सिताबर्डी, नागपूर.

फोन 9112079000 / 8605245080

आयुर्वेदिक दवाईया तथा जडीबुटीयों का विशाल भंडार

मुंबई में महायुति की बैठक टली

> अब दो दिन बाद होगी बैठक
> अमित शाह की बैठक के बाद भी फंसा पेंच?
> शिंदे अचानक अपने गांव हुए रवाना

मुंबई।

महाराष्ट्र में नई सरकार बनाने को लेकर पेच फंस गया है। सूत्रों के मुताबिक, शिवसेना मुख्यमंत्री पद के बदले गृह और वित्त मंत्रालय मांग रही है। इसलिए मुंबई में शुक्रवार को होने वाली महायुति (भाजपा+शिवसेना शिंदे गुट+एनसीपी अजित पवार) की अहम बैठक टाल दी गई। सूत्रों के मुताबिक कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे अचानक सातारा चले गए हैं।

अब महायुति की बैठक 1 दिसंबर रविवार को होने के आसार हैं। रविवार सुबह तक भाजपा के 2 पर्यवेक्षक दिल्ली से मुंबई आएंगे। इनकी मौजूदगी में भाजपा विधायक दल की मीटिंग होगी। इसमें 2 ऑब्जर्वर्स की मौजूदगी में मुख्यमंत्री के नाम का ऐलान किया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, उसके बाद 5 दिसंबर को मुंबई के आजाद मैदान में शपथ ग्रहण समारोह हो सकता है। सूत्रों के मुताबिक, शिंदे पोर्टफोलियो बंटवारे की लिस्ट अमित शाह को सौंप चुके हैं। अब शिंदे भाजपा को फैसला लेने के लिए वक्त देना चाहते हैं इसीलिए वे गांव रवाना हुए हैं। उधर, शिवसेना नेता संजय शिरसाट ने कहा कि अगर एकनाथ शिंदे डिप्टी सीएम का पद स्वीकार नहीं करते हैं तो पार्टी से ही दूसरा चेहरा ये पद संभालेगा।

सरकार के गठन पर क्यों फंसा पेंच ?

महाराष्ट्र में महायुति गठबंधन की महाविजय के बाद आखिरी क्यों नई सरकार के गठन पर पेंच फंसा हुआ है, यह बड़ा सवाल बना हुआ है। ऐसा तब है महाराष्ट्र के कार्यवाही मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पहले ही साफ कर चुके है कि उनकी पार्टी शिवसेना सरकार गठन में बाधा नहीं बनेगी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमित शाह के हर फैसले का वह करेंगे। एकनाथ शिंदे के इस ऐलान के बाद यह तय हो गया है कि महाराष्ट्र में नई सरकार का नेतृत्व भाजपा करेगी और मुख्यमंत्री भाजपा का ही बनेगा।

बीजेपी अपने पास रखना चाहती है गृह मंत्रालय

सूत्रों के मुताबिक महायुति की आज की बैठक में कैबिनेट में बंटवारे पर भी फैसला होना था. राज्य में अधिकतम 42 मंत्री हो सकते हैं. इसमें से 22 मंत्री बीजेपी के हो सकते हैं, जबकि शिवसेना के पास 12 और अजित पवार की एनसीपी के पास 10 मंत्री पद आ सकते हैं. वित्त मंत्रालय जहां अजित पवार को दिया जा सकता है. एकनाथ शिंदे को शहरी आवास, लोक निर्माण और जल संसाधन समेत अन्य मंत्रालय दिए जा सकते हैं. हालांकि शिंदे कैंप की तरफ से गृह मंत्रालय की मांग भी की जा रही है, जिसे बीजेपी अपने पास रखना चाहती है.

भाजपा मराठा नेताओं पर भी विचार कर रही

माना जा रहा है कि सीएम चुनने में जातीय गणित की बड़ी भूमिका हो सकती है, क्योंकि 288 सीटों की विधानसभा में मराठा समुदाय के विधायक बड़ी संख्या में हैं। देवेंद्र फडणवीस ब्राह्मण हैं। ऐसे में भाजपा नेतृत्व सीएम के लिए कुछ मराठा नेताओं पर भी विचार कर रहा है। हालांकि, सूत्रों की मानें तो आरएसएस ने दबाव बढ़ाया तो फडणवीस के सीएम बनने की संभावना ज्यादा है।

मुझे नहीं लगता कि वे डिप्टी सीएम का पद स्वीकार करेंगे। एकनाथ शिंदे, देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार ने गुरुवार की रात दिल्ली में करीब ढाई घंटे तक गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ मीटिंग की। शिंदे ने आधे घंटे तक शाह से अकेले मुलाकात की। हाईकमान ने शिंदे को डिप्टी सीएम या केंद्र में मंत्री पद का ऑफर किया है। शिंदे केंद्रीय मंत्री बनने का मन बनाते हैं तो उनके गुट से किसी अन्य नेता को डिप्टी सीएम बनाया जा सकता है।

खबरें! एक नजर में!!

पीएम मोदी 3 दिन के ओडिशा दौरे पर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 3 दिन के ओडिशा दौरे पर हैं। शुक्रवार को भुवनेश्वर में उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया और हालिया विधानसभा चुनावों और उपचुनाव में भाजपा की जीत का श्रेय उन्हें दिया। यह पहला मौका है जब कोई पीएम राज्य में 3 दिन तक रुकेगा। पीएम मोदी भुवनेश्वर के लोकसेवा भवन कन्वेंशन सेंटर में आज और कल होने वाली डीजीपी-आईजी कॉन्फ्रेंस में शामिल होंगे।

मोदी को धमकी केस में महिला गिरफ्तार

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी को गुरुवार को जान से मारने की धमकी दी गई। मुंबई पुलिस के कंट्रोल रूम में फोन कर कहा गया कि पीएम मोदी को जान से मारने का पूरा प्लान तैयार है। एसपीजी अलर्ट हो गई और पुलिस छानबीन में जुट गई। थोड़ी देर बाद पुलिस ने अंबोली थाना क्षेत्र में रहने वाली 34 साल की महिला को हिरासत में ले लिया। पूछताछ में पता चला कि महिला मानसिक रूप से अस्थिर है।

एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी के घर ईडी की रेड

मुंबई। शुक्रवार सुबह मनी लॉन्ड्रिंग मामले में शिल्पा शेट्टी-राज कुंद्रा के घर ईडी ने छापा मारा। शिल्पा के पति के आवास सहित कई लोकेशन पर सर्च ऑपरेशन की कार्रवाई की गई। जांच एजेंसी द्वारा 15 लोकेशन पर सर्च ऑपरेशन किया गया। यह रेड मोबाइल ऐप के जरिए अश्लील कंटेंट बनाने और उसके डिस्ट्रीब्यूशन पर बैन लगने वाले मामले से भी जुड़ी है। इस मामले में मुंबई पुलिस ने पहले राज कुंद्रा को गिरफ्तार भी किया था।

चीफ जस्टिस मनमोहन बनेंगे सुको के जज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने दिल्ली हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस मनमोहन के प्रमोशन की सिफारिश की है। जस्टिस दिल्ली हाईकोर्ट के सबसे सीनियर जज हैं। कॉलेजियम ने इस पर विचार किया कि मौजूदा समय में सुप्रीम कोर्ट में इस समय जजों के कुल 34 पदों में से 2 पद खाली हैं। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव खन्ना की पहली कॉलेजियम बैठक में यह फैसला लिया गया है।

ईडी अधिकारी तिवारी को सुको से राहत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारी अंकित तिवारी की जमानत राहत को बरकरार रखी है। कोर्ट ने अंकित तिवारी की जमानत शर्त में छूट बरकरार रखी। ईडी अधिकारी अंकित तिवारी पर तमिलनाडु में कथित रिश्वत लेने का आरोप है। इस मामले में अंकित तिवारी को पिछले साल दिसंबर में गिरफ्तार किया गया था। तिवारी को इसी साल मार्च में सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिली थी।

बिरसा मुंडा के पड़पोते मंगल मुंडा का निधन

रांची। झारखंड में भगवान बिरसा मुंडा के वंशज पड़पोते मंगल मुंडा का गुरुवार रात को आकस्मिक निधन हो गया। सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल होने के बाद उनका रिम्स में इलाज चल रहा था। मंगल मुंडा ने राज्य के राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान में रात 12.30 बजे अंतिम सांस ली। मंगल मुंडा 25 नवंबर को झारखंड के खूंटी जिले में एक गाड़ी की छत से गिर गए थे, जिसके बाद उनके सिर में गंभीर चोटें आई थीं।

दिल्ली में 1.3 करोड़ की नकदी बरामद

नई दिल्ली. प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने दिल्ली और एनसीआर में कार्रवाई करते हुए एक करोड़ रुपये से ज्यादा की नकदी और कुछ आपत्तिजनक साक्ष्य बरामद किए हैं। बताया गया कि टीम ने तत्कालीन क्वालिटी लिमिटेड और तत्कालीन प्रमोटर/निदेशक संजय ढींगरा, सिद्धांत गुप्ता और उनसे संबंधित व फर्जी कंपनियों से संबंधित 15 स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया।

भारत-ब्रिटेन के बीच सबसे बड़ी डील

बुलेट ट्रेन की रफ्तार से दौड़ेंगे जंगी जहाज!

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना को लेकर बड़ा अपडेट आया है। भारत ब्रिटेन के बीच अबतक की सबसे बड़ी डील हुई है। इस समझौते के तहत ब्रिटेन भारत को ऐसा पावरफुल सिस्टम देगा, जिससे भारतीय जंगी जहाज समंदर में बुलेट ट्रेन की रफ्तार से दौड़ेंगे। ऐसा होते ही भारतीय नौसेना को युद्ध के दौरान जबरदस्त रणनीतिक बढ़त मिलेगी, जिससे वो पलभर में ही दुश्मन के खेमे में हाहाकार मचा देगी। भारत को इस बात का लंबे समय से इंतजार था कि कैसे भारतीय जंगी जहाजों की रफ्तार को बढ़ाया जाए। मोदी सरकार ने वक्त की जरूरत को समझा और ये डील फाइनल करने में जरा भी देर नहीं लगाई। यही प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार की ताकत है। इस डील के भारत को ब्रिटेन से इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन सिस्टम देगा। भारत के जंगी जहाज तेजी के साथ दुश्मन पर अटैक कर पाएंगे। इससे भारतीय नौसेना को दुश्मन के खिलाफ रणनीतिक बढ़त मिल पाएगा। किसी भी युद्ध को जितने में रफ्तार की बड़ी भूमिका होती है।

संभल मस्जिद की सर्वे रिपोर्ट नहीं खुलेगी

सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई ने बोलती बंद कर दी

नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट ने यूपी के संभल की ट्रायल कोर्ट को कहा है कि वह मुगलकालीन मस्जिद के सर्वेक्षण से संबंधित मामले में कोई आदेश पारित न करें और उत्तर प्रदेश सरकार को हिंसा-प्रभावित क्षेत्र में शांति और सौहार्द बनाए रखने का निर्देश दिया है।सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव खन्ना की अगुवाई वाली बेंच ने कहा है कि इलाहाबाद हाई कोर्ट मुस्लिम पक्ष की याचिका दायर होने के तीन तीनों (वर्किंग डे) के भीतर सुनवाई करें। हमें उम्मीद और भरोसा है कि निचली अदालत इस मामले में तब तक आगे की कार्रवाई के लिए न बढ़ें जब तक कि हाई कोर्ट मामले में सुनवाई कर आदेश पारित नहीं लेता।

सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को संभल में शांति और सद्भाव बनाए रखने तथा दोनों समुदायों के सदस्यों को शामिल कर एक शांति समिति गठित करने का निर्देश दिया है। चीफ जस्टिस संजीव खन्ना की अगुवाई वाली बेंच ने संभल की निचली अदालत से कहा कि वह उसके सामने पेश जाने वाली किसी भी सीलबंद रिपोर्ट को तब तक न खोले जब तक कि हाई कोर्ट मामले की सुनवाई न कर ले और याचिका पर आदेश पारित न कर दे। सुप्रीम कोर्ट ने निचली अदालत के फैसले को चुनौती देने के लिए मुस्लिम पक्ष से कहा है कि वह इलाहाबाद हाई कोर्ट जा सकते हैं और मामले को पेंडिंग रखा है और कहा है कि अब मामले की सुनवाई के लिए इसे छह जननरी से शुरू होने वाले सप्ताह में लिस्ट किया जाए। इस बीच शुक्रवार को जामा मस्जिद में सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क के पिता ममलूकुर्रहमान बर्क नमाज पढ़ने पहुंचे।

संभल हिंसा की जांच सीबीआई से कराने की मांग

इसी मामले पर इलाहाबाद हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई है. इस याचिका में हाई कोर्ट के रिटायर्ड जस्टिस की अध्यक्षता में सीबीआई जांच कराने की मांग की गई है. इसके साथ ही याचिका में कलेक्टर और एसपी के साथ-साथ संबंधित अधिकारियों की भूमिका की भी जांच की मांग की गई है. आनंद प्रकाश तिवारी नाम के व्यक्ति द्वारा अधिवक्ता इमरान उल्लाह और विनीत विक्रम के जरिए दायर इस याचिका में यह मांग भी की गई है, कि संभल की जामा मस्जिद के सर्वे से लेकर अब तक पूरी जांच कराई जाए.

बांग्लादेश में बड़े हिन्दुओं पर हमले

नई दिल्ली। बांग्लादेश में लगातार हिंदू अल्पसंख्यकों पर अत्याचार के मामले बढ़ रहे हैं। हाल ही में इस्कॉन से जुड़े चिन्मय दास को वहां की सरकार ने देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया। भारत ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की स्थिति पर चिंता जताई है। विदेश मंत्रालय ने बांग्लादेश को सख्त संदेश भी दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा है कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार को अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। उन्होंने चिन्मय दास की गिरफ्तारी का भी मुद्दा उठाया। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की स्थिति पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए कहा, 'जहां तक बांग्लादेश में हिंदुओं और अल्पसंख्यकों की स्थिति का सवाल है.

बाइक को बचाने में शिवशाही बस पलटी

गोंदिया में हुआ भीषण हादसा, 15 यात्रियों की मौत, कई घायल

नागपुर।

महाराष्ट्र के गोंदिया में भीषण बस दुर्घटना हुई है। इस हादसे में 15 लोगों की मौत हो चुकी है। घायलों में कुछ की हालत बेहद गंभीर है। मृतकों की संख्या बढ़ने की संभावना है। घटना के पीछे की वजह बाइक को बचाने के चक्कर में बस का अनियंत्रित होना बताया गया है। दरअसल, गोंदिया-कोहमारा स्टेट हाई-वे पर खजरी गांव के करीब बाइक को बचाने के चक्कर में शिवशाही बस अनियंत्रित हो गई और पलट गई। बस के पलटने से कुछ लोग उसके नीचे दब गए, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। शुक्रवार की दोपहर 12 बजे से 12:30 बजे के बीच हुए इस हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई।

हादसे में पलटने वाली बस महाराष्ट्र सड़क परिवहन निगम (एनएसआरटीसी) की थी. ये बस भंडारा से साकोली-लेखनी होते हुए गोंदिया की ओर जा रही थी। इस बस का नंबर एमएच 09 /ईएम 1273 बताया गया है। बस के सामने टर्निंग सड़क थी और अचानक सामने से बाइक आ गई। बाइक चालक को बचाने के चक्कर में बस ड्राइवर ने कट मारा, जिससे बस अनियंत्रित हो गई और पलट गई।

हादसे के वक्त बस में 35 से अधिक यात्री सवार थे, जिनमें से 15 की मौत हो गई है. मौत का आंकड़ा बढ़ भी सकता है. चश्मदीदों के मुताबिक, बस ड्राइवर हादसे के बाद घटनास्थल से फरार हो गया। राहगीरों के सूचना पर एंबुलेंस और पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। हादसे के बाद बस का अगला हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुका है। एक अधिकारी ने बताया कि मृतकों के परिजन को सूचना भेज दी गई है. सभी शवों का पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

अधिकारियों ने घायलों को इलाज के लिए गोंदिया के जिला शासकीय अस्पताल (केटीएस) में भर्ती कराया. हादसे का शिकार हो चुकी बस को उठाने के लिए क्रेन की मदद ली गई और उसे वहां से हटाया गया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है। फरार ड्राइवर को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

कार्यवाहक मुख्यमंत्री ने 10 लाख की घोषणा की

अधिकारिक तौर पर अब तक 15 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। करीब 30 लोग घायल हैं और घायलों को गोंदिया जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों की संख्या बढ़ने की संभावनाएं जताई जा रही है। इस पर कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने पीड़ितों को 10 लाख रुपये की तत्काल मदद देने की घोषणा कर दी है। पीएम मोदी ने गोंदिया बस हादसे पर दुख जताया। मृतकों के परिवार को पीएम राष्ट्रीय राहत कोष से 2 लाख रुपए के आर्थिक मदद का ऐलान किया गया। घायलों को 50 हजार रुपए की मदद दी जाएगी।

अब इसरो का प्रोबा-3 मिशन

सूरज के अनसुलझे रहस्य से उठेगा पर्दा

नई दिल्ली। अतंरिक्ष में अभी बहुत कुछ खोजना बाकी है। अब वैज्ञानिक असंभव को संभव करने जा रहे हैं। वे सूरज के कई रहस्य से पर्दा उठाएंगे। यूरोपीय स्पेस एजेंसी (ईएसए) ने प्रोबा-3 मिशन बनाया है, जिसे भारतीय स्पेस एजेंसी इसरो पीएसएलवी के जरिए 4 दिसंबर को श्रीहरीकोटा से लॉन्च करने जा रहा है। ये अबतक लॉन्च किए गए स्पेस मिशनों से बेहद अलग है, क्योंकि इसमें एक साथ दो सैटेलाइट (जुडवां सैटेलाइट) लॉन्च किए गए जाएंगे। ये सैटेलाइट एक-दूसरे के तालमेल से काम करेंगे। प्रोबा-3 मिशन कई देशों के वैज्ञानिकों की एक साथ मिलकर की कड़ी मेहनत का नतीजा है। प्रोबा का मतलब 'प्रोजेक्ट फॉर ऑनबोर्ड ऑटोनॉमी' है। यह एक लैटिन वर्ड है, जिसका अर्थ 'आओ कोशिश करें' है। इस मिशन में एक नहीं बल्कि दो उपग्रह लॉन्च किए जाएंगे। ये दुनिया पहला सैटेलाइट एक खास स्थिति में उड़ान भरेंगे। इस मिशन में स्पेन, पोलैंड, बेल्जियम, इटली, और स्वीट्जरलैंड के वैज्ञानिक शामिल है। प्रोबा-3 मिशन अगले दो सालों तक संचालित होगा। बता दें कि इससे पहले इसरो प्रोबा-1 और प्रोबा-2 की लॉन्चिंग में बड़ी भूमिका निभा चुका है। प्रोबा-3 मिशन में लॉन्च सैटेलाइट आर्टिफिशियल सूर्यग्रहण बनाएंगे ताकि सूर्य के कोरोना का अध्ययन किया जा सके। इन जुड़वां सैटेलाइट में से एक पर कोरोनाग्राफ होगा जबकि दूसरे पर ऑल्टर होगा। इनमें एक सैटेलाइट सूर्य को छिपाएगा जबकि दूसरा सैटेलाइट सूर्य के कोरोना का निरीक्षण करेगा। ऐसा साल में 50 बार किया जाएगा और हर राउंड की अवधि 6 घंटे की होगी। इस तरह सूरज के उस हिस्से यानी कोरोना की स्टडी कर पाएंगे जो आसानी से नहीं दिखाता है और उसके बारे में ज्यादा कुछ पता भी नहीं है।

प्रोबा-3 मिशन का मकसद

सूर्य के वायुमंडल की बाहरी परत यानी कोरोना का अध्ययन करना है। कोरोना के बारे में कहा जाता है कि ये सूर्य की सतह की तुलना में कई गुना अधिक गर्म है। इससे निकलने वाली सौर हवाएं उपग्रहों और पृथ्वी को प्रभावित करती है। हालांकि, इंसानों को ये तभी दिखाई देती है, जब पूर्ण सूर्यग्रहण होता है।

जेपीसी से जांच की मांग पर अड़ा विपक्ष

हंगामे के चलते लोस और रास सोमवार तक स्थगित

नई दिल्ली। संसद का शीतकालीन सत्र जारी है लेकिन सदन में विपक्ष के हंगामे की वजह से सदन के पिछले तीन सत्रों की कार्यवाही को स्थगित करना पड़ा. शुक्रवार को शीतकालीन सत्र के चौथे दिन भी विपक्ष ने जमकर हंगामा किया. इसके बाद लोकसभा की कार्यवाही को 12 बजे तक के लिए स्थगित करना पड़ा.

उधर संसद के उच्च सदन राज्यसभा में भी विपक्ष के सदस्यों ने जमकर हंगामा किया. हंगामे के चलते राज्यसभा सभापति ने सदन की कार्यवाही को सोमवार 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया. वर्तमान संसद सत्र अब तक जबरदस्त हंगामेदार रहा है। प्रियंका गांधी के शपथ ग्रहण जैसे कुछ अवसरों को छोड़ दें तो बाकी पूरे समय में सदन में केवल हंगामा होता रहा है। विपक्ष अमेरिका में उद्योगपति गौतम अदाणी पर लगे आरोपों की जांच के लिए जेपीसी गठित करने और इसके जरिए देश में पूरे मामले की जांच कराने की मांग को लेकर हंगामा कर रहा है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने साफ कर दिया है कि इस मामले में जेपीसी की जांच से कम कुछ भी स्वीकार नहीं किया जाएगा। उसे विपक्ष के सभी दलों का समर्थन हासिल है।

कांग्रेस के इस तेवर से अनुमान लगाया जा रहा है कि आगे भी सरकार की राह आसान नहीं होने वाली है। संभल और अजमेर शरीफ जैसे विवादों ने विपक्ष को और हथियार उपलब्ध करा दिए हैं। आम आदमी पार्टी ने संसद परिसर में ही दिल्ली में सुरक्षा के मुद्दे पर प्रदर्शन कर भी विपक्ष के तेवर दिखा दिए हैं। राजनीतिक गलियारों में अब यह संभावना जताई जाने लगी है कि यदि विपक्ष इसी तरह अड़ा रहा तो पूरा संसद सत्र इस विवाद की भेंट चढ़ सकता है। इसके पहले हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के सामने आने के समय भी ऐसा हो चुका है।

सरकार के पास जिस तरह लोकसभा और राज्यसभा में संख्या बल है, उसे देखते हुए यह अनुमान लगाया जा सकता है कि वह बेहतर सामंजस्य बिठाते हुए महत्त्वपूर्ण विधेयकों को पास कराने में सफल रहेगी। लेकिन इस तरह के हंगामे के कारण महत्वपूर्ण विधेयकों पर चर्चा से वंचित रहना पड़ सकता है। इससे देशवासियों को महत्त्वपूर्ण विषयों पर विभिन्न दलों की राय जानने का अवसर नहीं मिलेगा।

अडानी मामले को लेकर हंगामा जारी

बता दें कि संसद सदस्य मणिकम टैगोर ने अपने प्रस्ताव में कहा कि, 'मैं तत्काल महत्वपूर्ण अदाणी मामले पर चर्चा की मांग करता हूं. अडानी ग्रुप पर भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी और प्रतिभूति धोखाधड़ी के हालिया आरोपों पर चर्चा करने के लिए स्थगन प्रस्ताव पेश करने की अनुमति चाहता हूं.'

टीएनसी नेता के घर से मिला खतरनाक परमाणु रसायन

डीआरडीओ के कुछ गोपनीय दस्तावेज भी पाए गए

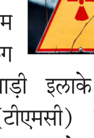

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले के नक्सलबाड़ी इलाके में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता फ्रांसिस एक्का के घर से एक खतरनाक और बहुमूल्य परमाणु रसायन 'कैलिफोर्नियम' बरामद किया गया है। इस रसायन की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 17 करोड़ रुपये प्रति ग्राम बताई जा रही है। इसे मुख्यतः परमाणु संयंत्रों में उपयोग किया जाता है। रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की संयुक्त कार्रवाई में यह रसायन नेता के घर से बरामद हुआ। इसके साथ ही, रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) के कुछ गोपनीय दस्तावेज भी पाए गए। इस घटना ने सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क कर दिया है। जांच में यह भी पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि कहीं कोई बड़ी साजिश तो नहीं रची जा रही थी।

सूत्रों के अनुसार, फ्रांसिस एक्का की नजदीकी नेपाल से थी और हाल के दिनों में उनकी जीवनशैली में काफी बदलाव देखा गया था। पड़ोसियों का कहना है कि उनके रहन-सहन और व्यवहार में अचानक आए बदलाव ने संदेह पैदा किया, लेकिन उनकी राजनीतिक ताकत के चलते किसी ने सवाल उठाने की हिम्मत नहीं की। नेता को फिलहाल मिरिक थाने में हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

CMYK

नहीं महंगी होगी आपकी थाली की रोटी

> भारत ब्रांड के बैनर तले सरकार कर रही काम

नई दिल्ली.

भारत सरकार ने महंगाई कंट्रोल करने के लिए शानदार प्लान तैयार कर लिया है. अब आम जनता को महंगी थाली को लेकर परेशान नहीं होना पड़ेगा. सरकार ने खाद्य वस्तुओं की कीमतों पर लगाम लगाने घोषणा की है. इसके लिए वह मार्च 2025 तक 25 लाख टन एफसीआई गेहूं बेचने जा रही है. अगर महंगाई कम नहीं होती है तो आम जनता की थाली अभी की तुलना में एक्सपेंसिव हो जाएगी.

गेहूं की बिक्री सरकार की खुला बाजार बिक्री योजना (ओएमएसएस) पहल के तहत की जाएगी. इसका प्रबंधन सरकारी स्वामित्व वाली भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) द्वारा, आपूर्ति और कीमतों को नियंत्रित करने के लिए किया जाता है. खाद्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि ओएमएसएस के तहत गेहूं के लिए आरक्षित मूल्य उचित एवं औसत गुणवत्ता (एफएक्यू) अनाज के लिए 2,325 रुपए प्रति क्विंटल और यूआरएस (थोड़ी कम गुणवत्ता वाले) अनाज के लिए 2,300 रुपए प्रति क्विंटल तय किया गया है.

31 मार्च, 2025 तक ई-नीलामी के माध्यम से निजी पक्षकारों को गेहूं बेचा जाएगा, जिसमें आटा मिलें, गेहूं उत्पाद बनाने वाले, प्रसंस्करणकर्ता और अंतिम उपयोगकर्ता शामिल हैं. हालांकि, सरकार ने थोक उपयोगकर्ताओं को एफसीआई गेहूं की बिक्री शुरू करने की तारीख के बारे में जानकारी नहीं दी. पिछले साल, एफसीआई ने ओएमएसएस के तहत थोक उपयोगकर्ताओं को 10 लाख टन से अधिक गेहूं बेचा था.

सरकार ने देश में महंगाई को नियंत्रित रखने के लिए मूल्य स्थिरीकरण कोष के अंतर्गत भारत ब्रांड के लिए दूसरा चरण शुरू किया है. इसके तहत आटे के लिए भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) से 3.69 लाख टन गेहूं और 2.91 लाख टन चावल आवंटित किया है. प्रल्हाद जोशी ने कहा कि भारत ब्रांड के तहत सामान तब तक मिलता रहेगा, जब तक आवंटित किया गया भंडार समाप्त नहीं हो जाता. अगर और अधिक राशन की जरूरत पड़ी तो सरकार के पास पर्याप्त भंडार है. सरकार दोबारा राशन आवंटित कर देगी.

ग्राहकों को राहत देना है सरकार का उद्देश्य

पहले चरण में चावल की कम बिक्री पर मंत्री ने कहा कि सरकार का मकसद कारोबार करना नहीं है. बल्कि सरकार का उद्देश्य ग्राहकों को राहत देना और बाजार में कीमतों को नियंत्रित करना है. अगर बाजार में मांग देखी गई तो सरकार छोटे आकार के पैकट लाने पर विचार करेगी.

हर घर-हर जेब पर दिखेगा असर!

नई दिल्ली. नवंबर का महीना खत्म होने वाला है और साल 2024 का आखिरी महीना दिसंबर अपने साथ कई बड़े बदलाव लेकर आने वाला है. इन फाइनेंशियल बदलावों का सीधा असर हर घर और हर जेब पर देखने को मिल सकता है. नए महीने की पहली तारीख के साथ देश में लागू होने वाले इन बड़े बदलावों में एलपीजी गैस सिलेंडर के दाम में संशोधन से लेकर देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई के क्रेडिट कार्ड के जुड़े चेंज शामिल हैं.

हर महीने की तरह इस महीने की पहली तारीख को यानी 1 दिसंबर 2024 से कई नियमों में बदलाव होने जा रहा है, जिसका सीधा असर आम लोगों की जेब पर पड़ने वाला है. नवंबर महीने की पहली तारीख को 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर के दाम में इजाफा देखने को मिली थी. बता दें ऑयल एंड गैस वितरण कंपनियां हर महीने के पहले दिन कीमतों में संशोधन करती हैं और इस बार भी ऐसा देखने को मिल सकता है. ऐसी उम्मीद है कि लंबे समय से स्थिर 14 किलोग्राम वाले घरेलू गैस सिलेंडर में संशोधन किया जा सकता है.

छात्रों और शिक्षकों को आपातकालीन तैयारी पर प्रशिक्षण सत्र आयोजित

नई दिल्ली.

भवन्स कोराडी में शिक्षकों और छात्रों के लिए दो दिवसीय सीपीआर प्रशिक्षण का आयोजन व्यापक प्राथमिक चिकित्सा कार्यक्रम के लिए भवन्स कोराडीने शालिनीताई मेघे हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के साथ साझेदारी की भारतीय विद्या भवन्स भगवानदास पुरोहित विद्या मंदिर, कोराडी ने हाल ही में शालिनीताई मेघे हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, वानाडोंगरी, नागपुर के सहयोग से सुरक्षा और आपातकालीन तैयारी को बढ़ावा देने के लिए एक दो दिवसीय प्राथमिक चिकित्सा और सीपीआर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। दत्ता मेघे मेडिकल कॉलेज (डीएमएमसी) की विशेषज्ञ टीम डॉ. अंजली मोडक बोरकर, डॉ. अदीबा सिद्दीकी, डॉ. कीर्ति गुजरकर और डॉ. वृंदा सोरते ने यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कक्षा 6 से 10 तक के शिक्षकों और छात्रों को आवश्यक प्राथमिक चिकित्सा और सीपीआर कौशल सिखाना था, जो स्कूल के अंदर और बाहर मेडिकल आपातकालीन स्थितियों का सामना करने के लिए महत्वपूर्ण हैं, जिससे जान बचाई जा सकती है।भवन्स कोराडी और शालिनीताई मेघे हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर की पहल ने छात्रों और कर्मचारियों को जीवन रक्षक कौशल सिखाने वाले एक प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया। यह सत्र संकटपूर्ण परिस्थितियों में महत्वपूर्ण बदलाव लाने में सक्षम होगा। स्कूल प्रशासन ने भविष्य में इस तरह के प्रशिक्षण सत्र आयोजित करने की प्रतिबद्धता जताई है, जिससे और अधिक छात्रों और कर्मचारियों को लाभ मिल सके।

यह पहल शैक्षणिक संस्थानों में आपातकालीन तैयारी के महत्व को उजागर करती है और छात्रों एवं स्टाफ की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाए जा रहे कदमों को रेखांकित करती है।इसके अलावा, दत्ता मेघे मेडिकल कॉलेज के सिमुलेशन लैब को चिकित्सा समुदाय से प्रशंसा प्राप्त हुई है।

अत्याधुनिक उपकरणों और मेयो क्लिनिक-प्रशिक्षित प्रशिक्षकों के साथ लैब का सक्रिय रूप से उपयोग किया जा रहा है, जिसका श्रेय मेघे ग्रुप के दूरदर्शी प्रयासों को जाता है।

शिक्षकों को विशेषज्ञ मार्गदर्शन में मैनिक्विन्स (पुतलों) पर सीपीआर का अभ्यास करने का अवसर मिला, जिससे उन्हें वास्तविक जीवन की आपातकालीन स्थितियों में इन कौशलों को लागू करने में आत्मविश्वास पैदा करने के लिए मूल्यवान व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ।

विदेश में शिक्षा प्राप्त करने छात्र स्टेट बोर्ड से प्रेरित

> लीप स्कॉलर सर्वे:

नई दिल्ली .

नवंबर.लीप स्कॉलर, दक्षिण एशिया के सबसे बड़े एंड-टू-एंड स्टडी अब्रॉड प्लेटफॉर्म ने अपना "एप्लीकेशन-बेस्ड सर्वे 2024"जारी किया है, जिसमें यह निष्कर्ष सामने आया है कि 57% छात्र स्टेट बोर्ड से विदेश में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक हैं। यह आंकड़ा इस लोकप्रिय धारणा को खारिज करता है कि केवल अंतर्राष्ट्रीय,आईसीएससी,और सीबीएससी बोर्ड के छात्र ही विदेश में शिक्षा प्राप्त करने के लिए अग्रसर होते हैं।

सर्वे से यह भी पता चला कि इंदौर जैसे शहरों में विदेश में उच्च शिक्षा की आकांक्षाओं में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। बैंगलोर, मुंबई, हैदराबाद, पुणे, विशाखपट्नम और लखनऊ जैसे शहर भी इस सूची में शामिल हैं। इस प्रवृत्ति में महिलाओं का 34% योगदान देखा गया है।

लीप के सह-संस्थापक अर्नव कुमार ने कहा कि इंदौर में विदेश में अध्ययन की आकांक्षाएं तेजी से बढ़ी हैं, जो भारतीय छात्रों की वैश्विक महत्वाकांक्षाओं को दर्शाता है। 2024 में, 13.3 लाख भारतीय छात्र विदेश में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं, जबकि 2022 में यह संख्या 7.5 लाख थी।

सर्वे के अनुसार,कनाडा,यूके,और यूएस जैसे पारंपरिक गंतव्यों के अलावा, जापान और नीदरलैंड जैसे नए गंतव्य भी छात्रों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। इसके अलावा, छात्रों के बीच एसटीईएम के अलावा मनोविज्ञान,लॉ, खेल विज्ञान, वास्तुकला और सामाजिक विज्ञान जैसे विषय भी आकर्षण का केंद्र बन रहे हैं। विदेश में पोस्ट ग्रेजुएट करने वाले छात्रों की संख्या अंडर-ग्रेजुएट छात्रों से अधिक है। भारतीय छात्रों के लिए सांस्कृतिक अंतर, एक नए देश में समायोजन की सबसे बड़ी चुनौती बनकर उभरी है।

लीप स्कॉलर दक्षिण एशिया का सबसे बड़ा स्टडी अब्रॉड प्लेटफॉर्म है, जो छात्रों को विदेश में शिक्षा प्राप्त करने के लिए व्यक्तिगत परामर्श, परीक्षा तैयारी, आवेदन सहायता, शिक्षा ऋण और आवास सेवाएं प्रदान करता है।

केंद्र दे रहा स्टार्टअप को प्रोत्साहन

नई दिल्ली.

देश में अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने के लिए छोटे व्यवसायों की जरूरत बढ़ गई है. ऐसे में स्टार्टअप्स की भूमिका बहुत अहम हो जाती है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं. आज के तमाम युवा स्टार्टअप्स लाना चाहते हैं लेकिन उनके सामने पूंजी एक बड़ी समस्या होती है. ऐसे में केंद्र सरकार की योजना के माध्यम से स्टार्टअप्स के लिए आसान प्रक्रिया से सीड फंडिंग हासिल की जा सकती है. प्रीतेश लखानी नाम के एक कारोबारी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्प एक्स पर इस संबंध में विस्तार से जानकारी पोस्ट की है. उन्होंने अपनी पोस्ट में बताया है कि उन्हें स्टार्टअप के लिए सरकार से लोन कैसे मिला? उन्हें 5 फीसदी की सालाना ब्याज दर पर 30 लाख रुपये का लोन मिला. यानी हर माह करीब आधा फीसदी से भी कम ब्याज दर पर लोन मिला.युवाओं के रोजगार के लिए स्टार्टअप इंडिया सबसे खास मिशन है. स्टार्टअप्स के लिए कोई भी युवा उद्यमी सरकार से 50 लाख रुपये तक की शुरुआती फंडिंग हासिल कर सकता है. स्टार्टअप इंडिया योजना में सरकार से सीड फंडिंग के तौर पर शुरुआती पूंजी दी जाती है. 50 लाख रुपये तक का लोन मिलता है. लोन महज 5 फीसदी सालाना ब्याज पर मिलता है. यानी 50 लाख रुपये के लोन पर आप एक साल में सिर्फ ढाई लाख रुपये ही ब्याज चुकाते हैं.स्टार्टअप्स के लिए सीड फंडिंग प्राप्त करने के लिए उसका डीपीआइआइटी प्रमाणित होना जरूरी है.

साइबर अपराधियों पर शिकंजा

> 6.69 लाख सिम कार्ड,1.32 लाख आईएमईआई नंबर ब्लॉक

नई दिल्ली.

देश में बढ़ते डिजिटल अरेस्ट स्कैम और अन्य साइबर अपराधों के बीच केंद्र सरकार ने अपराधियों पर नकेल कसने के लिए सख्त कदम उठाए हैं। गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार ने राज्यसभा में लिखित उत्तर के जरिए बताया कि सरकार ने अब तक 6.69 लाख से अधिक सिम कार्ड और 1.32 लाख आईएमईआई नंबर ब्लॉक कर दिए हैं। सरकार की इन कार्रवाइयों का उद्देश्य फर्जी कॉल और साइबर अपराधों के मामलों को रोकना है। इन अपराधों में फर्जी डिजिटल अरेस्ट स्कैम, फेडएक्स स्कैम, और सरकारी अधिकारियों के नाम पर की जाने वाली ठगी जैसी घटनाएं शामिल हैं।

गृह मंत्रालय ने साइबर अपराधों से निपटने के लिए इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर (I4C) की स्थापना की है। I4C के तहत 2021 में शुरू किए गए 'सिटिजन फाइनेंशियल साइबर फ्रॉड रिपोर्टिंग एंड मैनेजमेंट सिस्टम' ने बड़ी सफलता हासिल की है। इसके जरिए अब तक 9.94 लाख से अधिक शिकायतें प्राप्त हुई हैं और 3,431 करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय राशि बचाई गई है। I4C के तहत साइबर फ्रॉड मिटिगेशन सेंटर स्थापित किया गया है। इसमें प्रमुख बैंकों, वित्तीय संस्थानों, भुगतान एग्रीगेटर्स और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ तालमेल बैठाकर साइबर अपराधों पर नियंत्रण किया जा रहा है।

'बिग बुल',उतार-चढ़ाव में भी कमा लेते हैं करोड़ों

नई दिल्ली.

शेयर बाजार में कुछ निवेशकों को बिग बुल के नाम से पुकारा जाता है. ये निवेशक ऐसे हैं जिन्होंने अपनी सूझबूझ,धैर्य,और सही समय पर सही फैसले की बदौलत बीते तीन में महीने में शेयर बाजार के उतार-चढ़ाव के बाद भी करोड़ों रुपए कमा लिए हैं.आज हम आपके लिए शेयर बाजार के तीन बिग बुल की जानकारी लेकर आए हैं, जिन्होंने बीते तीन महीने में अपनी नेटवर्थ में 10 से 36 फीसदी तक की ग्रोथ की है.

राकेश झुनझुनवाला एंड एसोसिएट्स को रेखा झुनझुनवाला चलाती हैं, ये कुल 30 कंपनियों में निवेश करती है और इनकी कुल नेटवर्थ 46,676.9 करोड़ रुपए है. बीते तीन महीने में इनकी नेटवर्थ में 9.39 फीसदी की ग्रोथ हुई है. राकेश झुनझुनवाला एंड एसोसिएट्स को बीते तीन महीने में सबसे ज्यादा रिटर्न इनोवासिन्थ इंवेस्टमेंट्स लिमिटेड कंपनी ने दिया है जो कि 64.91 प्रतिशत है.वहीं रेखा झुनझुनवाला ने एविएशन सेक्टर में भी इंवेस्ट किया हुआ है, उनके पास अकासा air के 46 फीसदी शेयर हैं. अकासा एयर, भारत की एक अल्ट्रा-लो-कॉस्ट एयरलाइन है. इसकी स्थापना अरबपति और स्टॉक ट्रेडर राकेश झुनझुनवाला और जेट एयरवेज़ के पूर्व सीईओ विनय दुबे ने की थी. अकासा एयर ने 22 जुलाई, 2022 को अपनी वेबसाइट पर फ़्लाइट बुकिंग शुरू की थी.ये होल्डिंग हाउस 68 कंपनियों में निवेश करता है और इनकी कुल नेटवर्थ 34,818.2 करोड़ रुपए है. बीते तीन महीने में अमल पार्रिक एंड एसोसिएट्स की नेटवर्थ में कुल 24.20 फीसदी की ग्रोथ हुई है. इस होल्डिंग हाउस को बीते तीन महीने में नर्मदा मैप्लास्ट कंपनी ने 249.96 फीसदी का रिटर्न दिया है.

घरों की कीमतों में आएगी और तेजी

नई दिल्ली. घरों की कीमतों में आने वाले दिनों में और भी उछाल आने की संभावना है, हालांकि कीमतों में उछाल के बावजूद सेल्स में तेजी बनी रहेगी और सेल्स पर कोई असर नहीं पड़ेगा. साल 2024 की तीसरी तिमाही जुलाई-सितंबर के लिए नाईट फ्रैंक इंडिया-नारेडको रियल एस्टेट सेंटीमेंट इंडेक्स जारी किया गया है जिसमें कहा गया है कि अगले छह महीने तक रियल एस्टेट सेक्टर के ग्रोथ में तेजी बनी रहेगी.

नाईट फ्रैंक इंडिया-नारेडको रियल एस्टेट सेंटीमेंट इंडेक्स जो 2024 की तीसरी तिमाही जुलाई से सितंबर के लिए जारी किया गया है उसमें रियल एस्टेट सेक्टर में तेजी बने रहने की उम्मीद जाहिर की गई है. हालांकि तीसरी तिमाही के लिए सेंटीमेंट स्कोर घटकर 64 पर आ गया है जो दूसरी तिमाही में 65 था. लेकिन फ्यूचर सेंटीमेट स्कोर बढ़कर 67 हो गया है जो रियल एस्टेट सेक्टर में जोरदार तेजी के संकेत दे रहा है.नाईट फ्रैंक इंडिया-नारेडको रियल एस्टेट सेंटीमेंट इंडेक्स में सप्लाई-साइज स्टेकहोल्डर्स और फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन से रियल एस्टेट सेक्टर को लेकर बात करने के दौरान 62 फीसदी लोगों ने बताया कि रेसिडेंशियल प्राइसेज में उछाल देखने को मिल सकता है. खासतौर से 1 करोड़ से ज्यादा कीमत वाले घरों की ज्यादा डिमांड के चलते कीमतों में इजाफा आ सकता है.

भारी गिरावट के बाद सेंसेक्स में आई 700 अंकों से तेजी

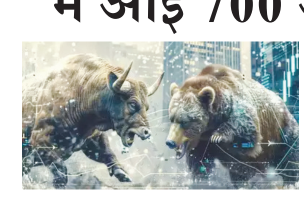

नई दिल्ली.

शेयर बाजार में एक फीसदी की भारी गिरावट के बाद सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में बंपर रैली देखने को मिल रही है. कल आईटी इंडेक्स में आई बिकवाली ने बाजार को नीचे धकेल दिया था. अब आज शुरुआती कारोबार में बाजार में शानदार तेजी आई है. सेंसेक्स732 अंक मजबूत होकर 79,776 पर कारोबार कर रहा है.वहीं निफ्टी 205 अंक चढ़कर 24,119 पर चला गया है. यह रिपोर्ट सुबह 11 बजे तक की है.

शेयर बाजार में आज लौटी रैली के पीछे एक बड़ा कारण इंटरनेशनल बाजार से मिल रहे पॉजिटिव संकेत हैं. सेंसेक्स के शेयरों में सन फार्मा और भारती एयरटेल में 3 फीसदी की तेजी आई, जबकि एमएंडएम, रिलायंस, एलएंडटी, अडानी पोर्ट्स और जेएसडब्ल्यू स्टील में करीब 2 फीसदी की तेजी आई. दूसरी तरफ, पावर ग्रिड, इंडसइंड बैंक और एसबीआई में गिरावट के साथ कारोबार हुआ. बीएसई में सूचीबद्ध सभी कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 2.27 लाख करोड़ रुपए बढ़कर 445.54 लाख करोड़ रुपए हो गया.

भारतीय शेयर बाजार में 28 नवंबर के दिन आई गिरावट के पीछे एक बड़ा कारण आईटी स्टॉक्स में आई कमजोरी है. क्योंकि अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों को लेकर चिंताएं अभी भी हैं और अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती के बारे में अनिश्चितता फिर से बढ़ गई है. अमेरिकी महंगाई के आंकड़ों से पता चला है कि अक्टूबर में उपभोक्ता खर्च में वृद्धि हुई, जिससे यह चिंता पैदा हुई कि भविष्य में ब्याज दरों में कटौती की गति अपेक्षा से धीमी रहने वाली है. अमेरिकी ब्याज दरों में कटौती में मंदी का सीधा असर खर्च के माहौल पर पड़ेगा और भारत में आईटी और फार्मा जैसे सेक्टर्स पर भी असर पड़ेगा, जिनका अमेरिकी बाजार से काफी जुड़ाव है.इतना ही नहीं अमेरिका ने जब चीन पर टेरिफ चार्ज लगा दिया तो इससे चीन के आईटी स्टॉक पर असर देखने को मिला, जिसका असर इंडियन शेयर बाजार पर भी दिखा. एक्सपर्ट का मानना है कि इंडियन आईटी स्टॉक में इसलिए गिरावट आ गई कि जब इस खबर के बारे में पूरा आदेश आएगा तो क्या पता इंडियन कंपनीज का भी नाम आ जाए. निफ्टी आईटी इंडेक्स में 2 फीसदी से अधिक की गिरावट दर्ज की गई.

नौकरियों की आएगी बहार

> सरकार विंटर सेशन में करेगी पेश

नई दिल्ली.

संसद का शीतकालीन सत्र चल रहा है, सरकार इस सेशन में कई महत्वपूर्ण बिल पास कराना चाहती है, जिससे देश की इकोनॉमी को रफ्तार मिले और नई नौकरी के अवसर जनरेट हो. सरकारी सूत्रों के अनुसार शीतकालीन सत्र में सरकार तेल क्षेत्र, शिपिंग, रेलवे, विमानन और आपदा प्रबंधन से जुड़े बिल पेश किए हैं, जिनके जरिए देश की इकोनॉमी को तेज रफ्तार मिलेगी और नए नौकरियों के अवसर पैदा होंगे.

सरकार ने रेलवे (संशोधन) विधेयक पेश किया है, इससे कानूनी बाधाओं को कम किया जाएगा और रेलवे के परिचालन को सहूलियत मिलेगी. इसके साथ ही बुनियादी ढांचे और रखरखाव में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे. तटीय नौवहन विधेयक से निर्यात लागत को कम किया जाएगा, जिससे आने वाले दिनों में समुद्री रास्तों के जरिए ज्यादा व्यापार हो सके. इन दोनों ही विधेयक से नई नौकरियों के अवसर पैदा होंगे.

सरकार ने शीतकालीन सत्र में आपदा प्रबंधन विधेयक पेश किया है, जिसमें शहरी आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों को शामिल किया है. इसके जरिए प्रक्रिया प्रणालियों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा. जिससे सुरक्षा बढ़ेगी और इमरजेंसी सेवाओं में रोजगार पैदा होंगे. साथ ही सरकार भारतीय वायुयान विधेयक पेश करेगी, जिसका उद्देश्य भारत को एयरोस्पेस हब के रूप में स्थापित करना है.

शीलतालीन सत्र में सरकार मर्चेंट शिपिंग बिल 2024 लैडिंग बिल 2024 को पास कराके समुद्री कानूनों को सुव्यवस्थित करने, उन्हें अधिक कुशल बनाने और अंतरराष्ट्रीय मानदंडों के अनुरूप बनाना चाहती है. मर्चेंट शिपिंग बिल मामूली उल्लंघनों के लिए आपराधिक दंड को हटाता है, जो कम दंडात्मक, अधिक सहायक नियामक ढांचे की ओर बढ़ने का संकेत देता है. इससे समुद्री क्षेत्र को बढ़ावा मिलना चाहिए और भारत की वैश्विक व्यापार क्षमताओं में वृद्धि होनी चाहिए.

एनर्जी सेक्टर में बनेंगे आत्मनिर्भर

सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी एनर्जी सेक्टर को पुराने औपनिवेशिक कानूनों से मुक्त करना चाहते हैं और देश को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना चाहते हैं. आपको बता दें संसद के शीतकालीन सत्र के पहले हफ्ते में विपक्ष के विरोध के चलते कोई काम नहीं हुआ, लेकिन सरकार अगले सप्ताह से संसद को सुचारू रूप से चलने को लेकर आशावादी है.

निकाल
महाराष्ट्र राज्य लॉटरी
महाराष्ट्र गजलक्ष्मी गुरु विकली लॉटरी
सोडत संध्या. 4:45 वाजता
सोडत दर गुरुवार • सोडत क्रमांक 48 • तिकीट किं. रु. 20/- • सोडत दिनांक 28/11/2024

मालिका	GL-00	GL-01	GL-02	GL-03	GL-04
पहिले बक्षिस रु. 10,000/-	0761	9527	1796	9694	2996

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES

दुसरे बक्षिस रु. 5000/-	6714	8153

तिसरे बक्षिस रु. 2000/-	1825	3171 अंबिका एजन्सी, दादर, मुंबई	3540 महावीर लॉटरी सेंटर, कोल्हापूर	6956	8295

चौथे बक्षिस रु. 1000/-	0190	3349	3746	3807	4876	4948	5323	6355	6775	9501
पाचवे बक्षिस रु. 500/-	0938	2424	4539	4639	7245	7892	8131	8483	8835	9963

सहावे बक्षिस रु. 300/- — सहावे बक्षीस रु. 300/- (सर्व मालिकांसाठी)

	0674	1741	2435	3235	4023	4769	5879	7201	7777	8856
	0789	1804	2589	3330	4104	4846	5884	7212	7805	8858
0004	0880	1887	2652	3340	4132	4847	6046	7220	7844	8938
0017	0908	1914	2662	3352	4149	4899	6149	7229	7947	8986
0027	0914	1917	2663	3357	4175	4962	6189	7247	7962	9019
0040	0948	1940	2702	3385	4214	5009	6356	7277	7964	9175
0080	0959	1950	2705	3406	4217	5120	6468	7337	7965	9213
0084	1024	1951	2723	3426	4281	5145	6545	7372	8125	9298
0172	1104	2021	2726	3443	4289	5162	6562	7429	8158	9461
0225	1281	2057	2744	3464	4326	5394	6602	7436	8213	9467
0248	1418	2064	2781	3490	4344	5455	6657	7464	8249	9505
0286	1434	2068	2819	3607	4430	5515	6738	7472	8292	9743
0320	1570	2132	2889	3638	4460	5550	6863	7572	8315	9777
0443	1610	2199	2928	3653	4485	5555	6962	7610	8378	9805
0452	1612	2208	3030	3808	4489	5565	7013	7672	8577	9897
0571	1627	2238	3037	3835	4584	5656	7099	7685	8698	9950
0592	1670	2264	3163	3921	4602	5769	7167	7750	8702	9965
0624	1681	2270	3173	3933	4677	5802	7171	7765	8726	9967
0656	1710	2275	3233	3943	4747	5865	7180	7776	8848	9997

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी MAHARASHTRA STATE LOTTERY
महाराष्ट्र सह्याद्री मासिक सोडत तिकीट किंमत रु.50/- सोडत दिनांक 10-12-2024
जिंका फक्त 5 अंकावर पहिले सामाईक बक्षिस रु. 22 लाख (रु. 11 लाखाची x 2 बक्षिसे)
दुसरे बक्षिस रु. 2 लाख (रु. 10 हजाराची X 20 बक्षिसे)
सातवे बक्षिस रु. 12 लाख (रु. 150 ची x 8000 बक्षिसे)
महाराष्ट्र गजलक्ष्मी गुरु विकली लॉटरी सोडत दिनांक 28/11/2024
छपाईतील कोणत्याही चुकीबद्दल आम्ही जबाबदार नाही. अचूक निकालासाठी अधिकृत गॅझेट पहावे. प्रस्तुतकर्ता : महाराष्ट्र राज्य लॉटरी
ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : : /princeagency : /princeagencypl : /princeagencymah

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी
आकर्षक पुष्कराज विकली लॉटरी सोडत दर गुरुवारी तिकीट किंमत रु. 50/- सोडत क्र. 48 सोडत दिनांक 28/11/2024

पहिले सामाईक बक्षिस रु. 7 लाख	AP-03 : 1643	श्री गणेश एन्टरप्रायझेस - दादर, मुंबई प्रिन्स एजन्सी - मुंबई यांचा मार्फत
उत्तेजनार्थ बक्षिस रु. 5000/-	पहिल्या बक्षीसाची विजेता मालिका सोडून इतर सर्व मालिकांसाठी 1643	रुखमणी एन्टरप्रायझेस - औरंगाबाद

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES • सर्व मालिकांसाठी

दुसरे बक्षिस रु. 2000/-	2566	3826	4034	4300	4483	6239
तिसरे बक्षिस रु. 1000/-	1642	2730	3874	5940	6522	6912
चौथे बक्षिस रु. 500/-	1083	1854	2999	5279	5567	5995
पाचवे बक्षिस रु. 200/-	1097	1557	3789	3888	6085	6793

रु.100/- (सर्व मालिकांसाठी) — सहावे बक्षिस रु. 100/- (सर्व मालिकांसाठी)

		1699	2195	2711	3255	3686	4019	4484	4940	5281	5791	6220	6658
		1701	2201	2724	3261	3694	4030	4486	4942	5292	5795	6222	6659
1002	1341	1711	2211	2727	3262	3699	4034	4487	4945	5294	5796	6234	6661
1016	1342	1716	2223	2728	3272	3703	4035	4488	4946	5300	5816	6242	6663
1017	1359	1741	2229	2787	3275	3715	4041	4509	4948	5320	5823	6249	6666
1019	1368	1761	2232	2817	3300	3720	4044	4512	4949	5326	5850	6264	6670
1041	1377	1767	2263	2818	3302	3731	4049	4527	4966	5334	5855	6303	6679
1057	1382	1781	2266	2828	3305	3732	4079	4546	4974	5363	5858	6305	6686
1061	1408	1847	2287	2832	3307	3734	4084	4564	4982	5364	5870	6316	6689
1072	1409	1853	2306	2837	3311	3743	4092	4599	4984	5436	5890	6327	6697
1077	1412	1871	2324	2861	3325	3768	4094	4603	4990	5446	5911	6347	6704
1080	1413	1907	2332	2868	3326	3778	4142	4604	4994	5460	5954	6368	6716
1101	1457	1915	2352	2882	3330	3787	4162	4624	5000	5492	5955	6372	6718
1103	1463	1925	2359	2927	3355	3802	4171	4637	5002	5495	5965	6396	6724
1107	1485	1958	2365	2940	3359	3807	4188	4641	5005	5504	5975	6435	6736
1112	1498	1959	2395	2953	3369	3832	4189	4646	5045	5520	5985	6456	6746
1113	1500	2003	2400	2988	3371	3833	4194	4685	5047	5532	5995	6468	6756
1115	1512	2007	2413	3032	3376	3837	4222	4693	5052	5533	6037	6476	6767
1120	1515	2014	2421	3033	3381	3842	4224	4718	5063	5540	6038	6493	6769
1124	1523	2020	2424	3035	3395	3867	4241	4729	5067	5552	6047	6496	6776
1133	1525	2023	2438	3042	3398	3878	4294	4732	5075	5556	6056	6502	6789
1151	1531	2025	2439	3075	3434	3883	4316	4748	5077	5557	6060	6511	6806
1154	1536	2072	2449	3083	3461	3922	4324	4778	5080	5559	6062	6525	6840
1157	1579	2100	2453	3125	3477	3930	4344	4784	5088	5566	6063	6527	6849
1161	1599	2103	2467	3151	3480	3934	4349	4794	5091	5577	6066	6536	6859
1162	1603	2107	2488	3168	3508	3935	4405	4798	5095	5579	6068	6553	6863
1170	1610	2112	2517	3190	3513	3938	4431	4799	5118	5581	6069	6586	6866
1193	1613	2118	2582	3203	3526	3939	4432	4830	5180	5596	6070	6606	6876
1199	1635	2121	2585	3210	3533	3973	4441	4846	5196	5621	6076	6607	6899
1202	1643	2122	2591	3212	3541	3978	4442	4870	5200	5641	6118	6618	6913
1220	1648	2132	2607	3224	3558	3980	4444	4880	5225	5648	6146	6623	6935
1267	1659	2144	2637	3231	3609	3984	4446	4892	5245	5652	6154	6633	6937
1286	1660	2152	2667	3233	3630	3988	4448	4909	5248	5678	6156	6635	6939
1311	1681	2173	2687	3241	3631	3993	4467	4926	5252	5729	6161	6639	6945
1317	1696	2190	2691	3243	3633	4004	4469	4930	5260	5741	6162	6647	6955
1327	1698	2192	2708	3250	3656	4008	4473	4934	5270	5756	6188	6653	6976

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी MAHARASHTRA STATE LOTTERY
महाराष्ट्र गणेशलक्ष्मी नाताळ विशेष मासिक सोडत तिकीट किंमत रु.100/- सोडत दिनांक 14-12-2024
जिंका फक्त 4 अंकावर पहिले सामायिक बक्षिस ₹ 22 लाख
दुसरे बक्षीस ₹ 3 लाख (₹ 10 हजारची 30 बक्षिसे)
तिसरे बक्षीस ₹ 5 लाख (₹ 5 हजारची 100 बक्षिसे)
आकर्षक पुष्कराज सोडत दिनांक 28/11/2024 छपाईतील कोणत्याही चुकीबद्दल आम्ही जबावदार नाही. अचूक निकालासाठी अधिकृत गॅझेट पाहावे. प्रस्तुतकर्ता महाराष्ट्र राज्य लॉटरी
ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : : /princeagency : /princeagencypl : /princeagencymah

१- श्रद्धा सबुरी लॉटरी, साई मंदिर
२- जय भोले लॉटरी, झेरी लॉन
३- न्यू बॉम्बे लॉटरी, लक्ष्मी भवन चौक धरमपेठ
४-साई लॉटरी, पंचशील चौक
५- अनिल बंसोड़ लॉटरी, झासीरानी चौक बर्डी
६- नरेंद्र लॉटरी, शिवम् मॉल के पास सीताबर्डी
७- प्रवीण लॉटरी महाराष्ट्र बैंक मुंजे चौक सीताबर्डी
८-मयूरी लॉटरी, आकाशवाणी चौक
९-माँ आंबे लॉटरी, आगाराम देवी
१०- नितिन लॉटरी, रामबाग कॉलोनी, मेडिकल चौक
११-दिलीप लॉटरी, नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१२ श्री गणेश लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१३-शुभम लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१४ श्री गजानन लॉटरी झेंडा चौक, महाल
१५-आशीष लॉटरी शाहिद चौक, इतवारी
१६- ख्वाजा लॉटरी कमाल टॉकीज़, कमाल चौक
१७- वैभव लॉटरी इंदौरा चौक लष्करी बाग
१८-चिकटे लॉटरी सक्करदरा चौक
१९- ओमसाई लॉटरी,महाकाळकर बिल्डिंग, छोटा ताजबाग
२०- गुरुदेव लॉटरी , गांधीचौक चंद्रपुर
२१-गजानन लॉटरी, अकोला
22- प्रेम लॉंटरी सेंटर, कमाल चौक
23- नारायण लॉटरी, शहीद चौक, इतवारी
24- महावीर लॉटरी, बाजार चौक, कलमेश्वर

विदर्भ स्टॉकिस्ट प्रविण कडू : 9822472123

वक्फ बोर्ड को 10 करोड़ देने का आदेश वापस लिया गया

विपक्ष ने उठाए थे सवाल

मुंबई.

महाराष्ट्र में सियासी हलचल के बीच राज्य वक्फ बोर्ड को 10 करोड़ रुपए के तत्काल आवंटन वाला फैसला वापस ले लिया गया है. कहा जा रहा है किसी त्रुटि के कारण ऐसा आदेश जारी हो गया था. अल्पसंख्यक विकास विभाग ने 28 नवंबर को इसका शासनादेश जारी किया था.

इस आदेश की जानकारी आने के बाद विपक्ष भी हमलावर हो गया था.शिवसेना-यूबीटी की राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा था कि महायुति में खींचतान चल रही है, अभी तक सीएम का नाम नहीं तय हुआ, हर बात के लिए कह रहे कि पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह तय करेंगे. इस दौरान स्टेट वक्फ बोर्ड को 10 करोड़ रुपए दे दिए हैं. जिस पर पूरी राजनीति की है. ये इनकी हिप्पोक्रेसी यानी है. हालांकि, विपक्ष की आलोचनाओं के बीच ये जानकारी आई है कि आवंटन वापस ले लिया गया है.

विश्व हिंदू परिषद ने इसका विरोध किया था. इस कदम का विरोध करते हुए वीएचपी के कोंकण क्षेत्र के सचिव मोहन सालेकर ने कहा था कि राज्य सरकार मुसलमानों के आगे क्यों झुक रही है? वे उनका तुष्टिकरण क्यों कर रहे हैं? इस तरह का तुष्टिकरण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. वीएचपी के विरोध के बाद राज्य बीजेपी अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा था कि राज्य सरकार की ओर से आवंटित धन वक्फ बोर्ड के डिजिटलीकरण के लिए था. गलतियों को ठीक करने के लिए यह प्रक्रिया जरूरी थी. इससे हिंदुओं और आदिवासियों और पिछड़े वर्गों से गलत तरीके से हासिल की गई जमीन की पहचान करने में मदद मिलेगी. बीजेपी या राज्य सरकार की ओर से किसी भी समुदाय का तुष्टीकरण करने का कोई सवाल ही नहीं उठता. राज्य सरकार पर आरोप लगाने वाले सभी लोगों को उद्देश्य और तथ्यों को समझना चाहिए.

बजट में किए थे 20 करोड़ आवंटित

सरकार ने बजट में 20 करोड़ की निधि राज्य वक्फ बोर्ड को आवंटित की थी, जिसमें से 10 करोड़ रुपए शासन से वक्फ बोर्ड को देने का आदेश हुआ था. चुनाव से पहले जून में अल्पसंख्यक कल्याण विभाग ने औरंगाबाद में वक्फ बोर्ड को 2 करोड़ रुपए का भुगतान किया था और घोषणा की थी कि शेष राशि का भुगतान बाद में किया जाएगा.

हत्या के प्रयास में तीन नाबालिगों के खिलाफ मामला दर्ज

पुणे. कोंढवा इलाके में एक घटना घटी जहां नाबालिगों ने अपने रिश्तेदार की बेटी के बारे में अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने पर एक स्कूली छात्र के सिर पर पत्थर मार दिया। इस मामले में कोंढवा पुलिस ने तीन नाबालिगों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया है. बच्चे के पिता ने कोंढवा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है. कोंढवा के तिलेकर नगर इलाके में 15 साल का एक लड़का रहता है. स्कूल में लड़के द्वारा एक लड़की पर अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने से नाबालिग नाराज हो गए। बुधवार सुबह करीब आठ बजे वह स्कूल के लिए निकल रहा था। टाइपकर नगर इलाके में आकृति सोसायटी के पास तीन नाबालिगों ने लड़के को रोक लिया। उनके साथ दुर्व्यवहार और मारपीट की गई. एक स्कूली छात्र के सिर पर किसी ने पत्थर मार दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पिटाई के बाद नाबालिग भाग निकला। गंभीर रूप से घायल बच्चे को अस्पताल में भर्ती कराया गया. उसका गुर्गा गंभीर रूप से घायल हो गया है, पुलिस उपनिरीक्षक पूजा पाटिल जांच कर रही हैं.

नवी मुंबई में 527 खतरनाक इमारतें

मुंबई.

नवी मुंबई नगर निगम के अधिकार क्षेत्र में आने वाली इमारतों का सर्वेक्षण किया गया है और शहर में 527 खतरनाक इमारतें हैं और 31 मार्च, 2025 से पहले संबंधित इमारतों के निवासियों से नवी मुंबई नगर निगम द्वारा सर्वेक्षण करने का अनुरोध किया गया है। इन इमारतों की संरचनात्मक जांच करें और नगर पालिका को एक रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

नवी मुंबई नगर निगम ने इस साल के लिए एक सर्वेक्षण कराया है और सर्वेक्षण के बाद शहर में 527 इमारतों को खतरनाक इमारत घोषित किया गया है। ऐसी इमारतें जो 30 वर्षों से अधिक समय से उपयोग में हैं, नवी मुंबई नगर निगम के साथ पंजीकृत सिविल इंजीनियर या स्ट्रक्चरल इंजीनियर से स्ट्रक्चरल ऑडिट कराना अनिवार्य है।

भवन का 30 वर्ष से अधिक उपयोग अथवा भवन अधिभोग प्रमाण पत्र की गणना भवन के उपयोग प्रारंभ होने की तिथि से की जाएगी। नियुक्त संरचना इंजीनियर द्वारा अनुशंसित मरम्मत कार्य पूरा होने और निर्माण अच्छी स्थिति में होने का प्रमाण पत्र नवी मुंबई नगर निगम को जमा करना होगा। इससे बचने वालों पर 25 हजार रुपये या वार्षिक संपत्ति कर की राशि का जुर्माना लगाया जाएगा उक्त आय में से, जो भी अधिक हो, नियमानुसार। 30 वर्ष से अधिक पुरानी इमारत की संरचनात्मक निरीक्षण रिपोर्ट 31 मार्च 2025 से पहले संबंधित विभाग के सहायक आयुक्त और प्रभागीय अधिकारी या सहायक निदेशक शहरी नियोजन, नवी मुंबई नगर निगम को प्रस्तुत की जानी है। नवी मुंबई नगर निगम ने नागरिकों से अपील की है कि वे खतरनाक इमारतों और घरों में रहना और उनका उपयोग करना तुरंत बंद कर दें क्योंकि खतरनाक इमारतों और घरों के उपयोग के कारण जीवन और धन की हानि हो सकती है। अन्यथा यदि कोई दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना घटित होती है तो सारी जिम्मेदारी संबंधित की होगी।

युवा प्रोफेशनल क्रिकेटर की मौत

पुणे.

महाराष्ट्र के डरा देने वाली खबर सामने आई है। एक 35 वर्षीय प्रफेशनल क्रिकेटर इमरान पटेल की छत्रपति संभाजी नगर में एक मैच के दौरान दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। पटेल लीग मैच के लिए सलामी बल्लेबाज के तौर पर गरवारे स्टेडियम में मैदान पर उतरे थे। कुछ ओवर खेलने के बाद उन्होंने अंपायरों से बाएं हाथ और सीने में दर्द की शिकायत की। यह चर्चा संक्षिप्त थी और जब वह पवेलियन लौट रहे थे, तभी उनकी मौत हो गई। मैच का लाइव प्रसारण होने के दौरान यह घटना कैमरे में कैद हो गई। पटेल को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अंपायर ने बताया कि इमरान पटेल ने उनसे कहा, 'मेरी गर्दन और हाथ में दर्द हो रहा है। मैं बाहर जा कर एक दवा की गोली लेकर आता हूं।' अंपायर ने उन्हें टेक केयर (अपना ध्यान रखें) कहा और इमरान पटेल आगे बढ़ गए।

मैदान छोड़ने के तुरंत बाद पटेल बाउंड्री के पास गिर गए। उनके साथी खिलाड़ी उनकी सहायता के लिए दौड़े और उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टर्स ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

एक अन्य क्रिकेटर नसीर खान ने कहा, 'उनकी पहले से कोई बीमारी नहीं थी। वह अच्छी शारीरिक स्थिति में थे। वास्तव में, वह एक ऑलराउंडर थे और खेल से प्यार करते थे। हम सभी अभी भी सदमे में हैं।' पटेल अपने पीछे पत्नी और तीन बेटियों को छोड़ गए हैं, जिनमें सबसे छोटी बेटी केवल चार महीने की है। बुधवार देर रात मौलाना आजाद कॉलेज के पास उनके अंतिम संस्कार में भारी भीड़ उमड़ी। पटेल एक क्रिकेट टीम के मालिक थे, उनका रियल एस्टेट का कारोबार था और वह जूस की दुकान भी चलाते थे। उनकी मौत क्रिकेटर हबीब शेख की मौत से काफी मिलती-जुलती थी, जिनकी मौत भी 7 सितंबर को पुणे में मैच खेलते समय हुई थी। हबीब मधुमेह के रोगी थे।

14 लाख की मेफेड्रोन वाली पिस्टल जब्त

पुणे. क्राइम ब्रांच की एंटी-नारकोटिक्स टीम ने मेफेड्रोन ले जा रहे सरायटास को पकड़ा. सरायटास से 14 लाख 60 हजार रुपये कीमत का मेफेड्रोन, पिस्तौल और दो कारतूस जब्त किये गये. जांच के दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि सरैत किसी गंभीर अपराध को अंजाम देने की तैयारी में है. गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान बॉबी भागवत सुरवसे (उम्र 28, निवासी गजराज हेल्थ क्लब के पास, लक्ष्मीनगर येरवडा) और तौसीम उर्फ लड्डू रहीम खान (उम्र 32, निवासी 1282, कस्बा पेठ) के रूप में हुई है। इस संबंध में फरासखाना पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है.

क्राइम ब्रांच के एंटी-नारकोटिक्स स्क्वाड टू और एंटी-एक्सटॉर्शन स्क्वाड टू के अधिकारी गश्त कर रहे थे। जांच टीम को जानकारी मिली कि बॉबी सुरवासे और तौसीम खान शुक्रवार को पेठ में मारुति मंदिर के पास रह रहे थे और उनके पास नशीला पदार्थ और एक पिस्तौल थी। इसके बाद क्राइम ब्रांच की टीम ने जाल बिछाकर दोनों को पकड़ लिया. पुलिस ने बॉबी सुरवसे की तलाशी ली तो उसके पास से एक पिस्टल, दो कारतूस बरामद हुए. बाबी और उसके साथी तौसीम के पास से मेफेड्रोन जब्त किया गया था।

चालक को झपकी आने से पलटी मालवाहक गाड़ी

बुलढाणा. ड्राइवर को झपकी आने से एक तेज रफ्तार मालवाहक वाहन पलट गया और कुछ दूर तक घिसटता रहा... हालांकि इस भीषण हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन सुरक्षित दूरी पर रुके कुछ वाहन चालकों और ग्रामीणों की जान हिल गई... शुक्रवार, 29 नवंबर को मेहकर से शेगांव पालखी राजमार्ग पर संगम फाटा गोमेधर में दुर्घटना सुबह हुई।

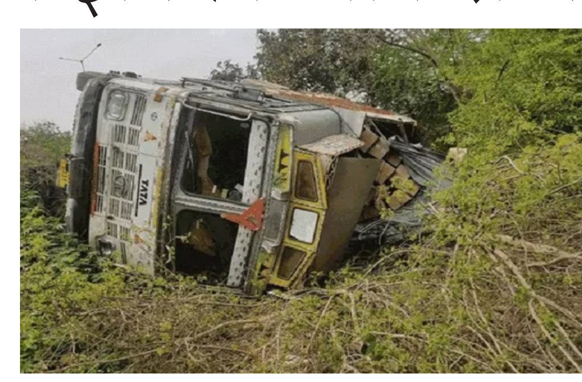

वाहन रुकने पर मौजूद लोगों ने मालवाहक आयशर में फंसे चालक व मालवाहक को बाहर निकाला। सौभाग्य से ये दोनों सुरक्षित बच गये। ड्राइवर को मामूली चोट आई और कैरियर को खरोंच तक नहीं आई! इससे 'देवा तारि आय को मारि' कहावत में सुखद प्रत्यय लग गया है। वे अकोला से वाहन में सामान लोड कर बुलढाणा जिले के मेहकर जा रहे थे . इसी दौरान गोमेधर के पास संगम कांटे पर ड्राइवर को कुछ पल के लिए नींद आ गई। होश में आते ही उसने जोर से ब्रेक लगाया और गाड़ी रोकने की कोशिश की. लेकिन गाड़ी रुकने की बजाय सड़क पर पूरी तरह से तिरछी हो गई और कुछ दूर तक लुढ़क गई. सौभाग्य से, वाहन के आसपास सड़क पर कोई अन्य वाहन नहीं था, इसलिए दुर्घटना टल गई। साथ ही मालवाहक वाहन का चालक और वाहक डेव बलवत्तार सुरक्षित बच गए हैं। मामूली रूप से घायल ड्राइवर को इलाज के लिए जानफल (तालुका मेहकर, जिला बुलढाणा) के एक अस्पताल में ले जाया गया है।

इसी बीच दुर्घटनाग्रस्त वाहन तेज गति से पलट गया और जोरदार आवाज हुई, इससे जंक्शन पर मौजूद यात्री, ग्रामीण, फुटकर विक्रेता वाहन की ओर दौड़े, तभी सामने से आ रहा एक व्यक्ति वाहन के नियंत्रण से बाहर हो गया एक दुपहिया वाहन पर सुरक्षित दूरी पर अपना वाहन रोक दिया। उन्होंने इस अजीब दुर्घटना को प्रत्यक्ष देखा और दुर्घटनास्थल के पास मौजूद ग्रामीणों ने भी इस रोमांच को देखा, जिसके बाद ग्रामीणों को होश आया और उन्होंने चालक और मालवाहक को वाहन से सुरक्षित बाहर निकाला.

215 किलोग्राम गांजे के पौधे जब्त

नासिक.

पुलिस ने 215 किलोग्राम गांजे के पौधे जब्त किये, जिनकी कीमत 20 लाख रुपये है। पुलिस अधीक्षक विक्रम देशमाने ने जिले के ग्रामीण इलाकों में अवैध कारोबार को खत्म करने के लिए थानेवार कार्रवाई करने का आदेश दिया है. इसी के तहत स्थानीय क्राइम ब्रांच और वडनेर भैरव पुलिस ने गांजा की खेती करने वाले एक किसान के खिलाफ कार्रवाई की.

स्थानीय अपराध शाखा के पुलिस निरीक्षक राजू सुर्वे को सूचना मिली कि वडनेर भैरव क्षेत्र के दुधखेड़ शिवरा इलाके के तपनपाड़ा में कुछ लोग गांजा की खेती कर रहे हैं. तदनुसार, स्थानीय अपराध शाखा और वडनेर भैरव पुलिस ने तपनपाड़ा क्षेत्र में रवींद्र गांगुर्डे (40, निवासी तपनपाड़ा) के खेत पर छापा मारा। छापेमारी के दौरान 215 किलो वजन के 65 गांजे के पौधे मिले. इसकी कीमत 12 लाख 93 हजार 60 रुपये बताई जा रही है. गांगुर्डे ने अपने टमाटर के खेतों में अवैध रूप से भांग के पौधे लगाए थे। उनके खिलाफ वडनेर भैरव पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है.

इस बीच, रवींद्र के खिलाफ वडनेर भैरव पुलिस स्टेशन में पहले से ही जबरन चोरी का मामला दर्ज किया गया है। जांच टीम इस बात की गहन जांच कर रही है कि इस गांजे की खेती कहां और किसे की गई और इसे बेचा गया।

उपमुख्यमंत्री पद के लिए गुलाबराव पाटिल के नाम की चर्चा

जलगांव. बताया जा रहा है कि एकनाथ शिंदे उपमुख्यमंत्री बनने के लिए तैयार नहीं हैं जबकि राज्य का मुख्यमंत्री पद लगभग खत्म हो चुका है. कहा जा रहा है कि मुख्यमंत्री बनने के बाद उपमुख्यमंत्री बनना उनके लिए उपयुक्त नहीं है. इस पृष्ठभूमि में जलगांव जिले में भावी उपमुख्यमंत्री के रूप में पूर्व गुलाबराव पाटिल के बोर्ड लगे हैं.

पार्टी के कुछ विधायक मांग कर रहे हैं कि अगर एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री पद नहीं मिलता है तो कम से कम उन्हें उपमुख्यमंत्री बनना चाहिए. सभी की राय है कि शिंदे को उप मुख्यमंत्री का पद स्वीकार करना चाहिए. एकनाथ शिंदे उपमुख्यमंत्री नहीं होंगे तो विकल्प के तौर पर दीपक केसरकर, दादा भुसे, भरत गोगवले, शंभुराज देसाई, उदय सामंत के नाम सामने आए हैं.

उपमुख्यमंत्री पद के लिए गुलाबराव पाटिल के नाम की भी चर्चा है. अभी शिंदे गुट की ओर से इसकी पुष्टि नहीं की गई है और न ही गुलाबराव पाटिल की ओर से व्यक्तिगत तौर पर कोई प्रतिक्रिया दी गई है . हालाँकि, जलगाँव ग्रामीण निर्वाचन क्षेत्र में, यह देखा गया है कि विधानसभा चुनाव में जीत पर बधाई देने के लिए कार्यकर्ता जो तख्तियाँ लाए थे, उनमें स्पष्ट रूप से उन्हें भावी उपमुख्यमंत्री बताया गया है। गुलाबराव पाटिल एकनाथ शिंदे के मंत्रिमंडल में जल आपूर्ति और स्वच्छता मंत्री थे, इसके अलावा जलगांव के संरक्षक मंत्री का पद भी संभाला था। हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में उन्होंने जलगांव ग्रामीण में एनसीपी (शरद पवार) कांग्रेस उम्मीदवार पूर्व मंत्री गुलाबराव देवकर को हराया है। राज्य की नई कैबिनेट में उनका मंत्री पद भी तय माना जा रहा है.

नौकरी का लालच देकर 10 लाख की ठगी

पुणे. पुणे में एक करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है. इस मामले में बंडगार्डन पुलिस ने एक के खिलाफ मामला दर्ज किया है. आरोपी का नाम राजेश दिनकर राजगुरु (उम्र 50, निवासी हरि विश्व अपार्टमेंट, पाथर्डी शिवार, नासिक) है। एक ने बंडगार्डन थाने में शिकायत दर्ज करायी है. शिकायतकर्ता चिंचवड इलाके में रहता है। 2021 में उसकी मुलाकात आरोपी राजगुरु से हुई थी. उसने शिकायतकर्ता के परिचितों को रेलवे में नौकरी दिलाने का झांसा दिया था। उसने शिकायतकर्ता को यह दिखावा किया था कि वह रेलवे अधिकारियों से परिचित है। इसके बाद शिकायतकर्ता ने राजगुरु को समय-समय पर नकद और ऑनलाइन फॉर्म में 10 लाख रुपये का भुगतान किया।

चुनाव से मिली हार को कांग्रेस पचा नहीं पा रही

नाना पटोले ने मांगा निर्वाचन आयोग से सबूत

मुंबईः

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भारी मतदान और वोट प्रतिशत के आंकड़े को लेकर कांग्रेस ने एक बार फिर चुनाव आयोग पर हमला बोला है। महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख नाना पटोले ने आयोग के जवाब पर भी सवाल उठाए, जिसमें कहा गया था कि 20 नवंबर को शाम पांच बजे के बाद भी वोटरों की लंबी लाइन लगी थी। इस कारण वोट प्रतिशत बढ़ा। पटोले ने चुनाव आयोग से वोटिंग के वीडियो भी मांगे हैं।

चुनाव आयोग 20 नवंबर की शाम पांच बजे 58.2 प्रतिशत मतदान का आंकड़ा जारी किया था। देर शाम जारी डेटा में बताया गया कि महाराष्ट्र में कुल 65.2 फीसदी वोटिंग हुई। 21 नवंबर को जारी अंतिम आंकड़े में बताया गया कि राज्य में कुल 66.05 प्रतिशत मतदान हुआ। इसके बाद से ही चुनावी माहौल की सरगर्मी बढ़ गई। 23 नवंबर को रिजल्ट आने के बाद महाविकास अघाड़ी ने ईवीएम के साथ वोट प्रतिशत पर सवाल खड़े किए।

बाद में महाराष्ट्र के चीफ इलेक्टोरल ऑफिसर एस चोकलिंगम ने बयान जारी कर बढ़े हुए वोट प्रतिशत का रहस्य सुलझाया। उन्होंने बताया कि शहरी और अर्ध शहरी इलाकों में देर शाम तक वोटिंग होती रही। साथ ही, उन्होंने स्पष्ट किया कि शाम को जारी किया गया डेटा फोन से आधारित बातचीत के आधार पर दिया गया। देर शाम जब ईवीएम को सील किया गया, उस समय अंतिम आंकड़े लिए गए। महाराष्ट्र में एक लाख से अधिक पोलिंग बूथ थे, इस कारण मतदान प्रतिशत के आंकड़ों का ग्राफ बढ़ा। नाना पटोले ने मांगा निर्वाचन आयोग से सबूत अब आयोग के जवाब मिलने के बाद कांग्रेस नेता नाना पटोले ने फिर बयान दिया है।

आयोग के जवाब पर भी सवाल उठाए

नेता नाना पटोले ने कहा चुनाव आयोग ने शाम 5 बजे (20 नवंबर) जब मतदान प्रतिशत दिखाया तो यह 58 प्रतिशत था, रात 11:59 बजे यह संख्या 65.2 प्रतिशत थी। सवाल यह है कि लंबी कतारें होंगी, वे लंबी कतारें कहां थीं, हमने चुनाव आयोग से ऐसे वीडियो मांगे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अगले दिन तक आयोग ने मतदान प्रतिशत 1.3% बढ़ा दिया। हम चुनाव आयोग से पूछना चाहते हैं कि यह मतदान कहां हुआ?

आज का राशिफल

मेष - आज का दिन आपके लिए व्यस्तता से भरा रहने वाला है। आपको अपने कामों पर पूरा ध्यान देना होगा। आपको संतान के भविष्य को लेकर चिंता हो सकती है।

वृषभ -आज का दिन आपके लिए आनंदमय रहने वाला है। कोई मित्र आपके लिए निवेश संबंधी प्लान लेकर आ सकता है।

मिथुन - आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। कोई सरकारी मामला यदि लटका हुआ था, तो वह भी पूरा होगा।

कर्क- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आप किसी मनोरंजन के कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं।

सिंह -आज का दिन आपके लिए ऊर्जावान रहने वाला है। आपको कोई शुभ सूचना सुनने को मिले, तो आप उसे तुरंत आगे ना बढ़ाएं।

कन्या -आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। पारिवारिक जीवन में चल रही समस्याएं दूर होंगी।

तुला -आज का दिन आपके लिए कुछ खास रहने वाला है। आप अपनी मेहनत से अच्छा मुकाम हासिल करेंगे, जिसे देखकर परिवार के सदस्यों को भी खुशी होगी।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए मेहनत से काम करने के लिए रहेगा। आपके घर किसी मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा।

धनु - आज का दिन आपके लिए तरोताजा रहने वाला है। सामाजिक गतिविधियों में आप पूरा सहयोग देंगे। आपके अंदर ऊर्जा भी बनी रहेगी।

मकर -आज का दिन आपके लिए भाग्य के दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। सामाजिक और धार्मिक आयोजन में आपको सम्मिलित होने का मौका मिलेगा।

कुंभ -आज का दिन आपके लिए किसी प्रॉपर्टी में इन्वेस्टमेंट करने के लिए अच्छा रहेगा, लेकिन आप उसमें किसी को पार्टनर ना बनाएं।

मीन- आज का दिन आपके लिए समस्याओं से छुटकारा दिलाने वाला रहेगा।

इस वर्ष भी लौटे प्रवासी पक्षी

ठाणे. पक्षियों के प्राकृतिक आवास के आसपास बढ़ते प्रदूषण और निर्माण के कारण, मुख्य रूप से डोंबिवली में विभिन्न स्थानों पर आने वाले प्रवासी पक्षियों की संख्या इस वर्ष भी कम पाई गई है। हाल के पक्षी सप्ताह के दौरान जिले के कई पक्षी प्रेमी अवलोकन और फोटोग्राफी के लिए इस स्थान पर आते हैं। लेकिन इस साल यूरोप और देश के उत्तरी भाग से प्रवास करने वाले कई पक्षी अभी तक यहां दर्ज नहीं किए गए हैं। वसई में कुछ स्थानों पर, प्रवासी पक्षियों को कुछ हद तक दर्ज किया गया है और कुछ पक्षियों को पक्षी पर्यवेक्षकों द्वारा पहली बार वसई में रहने के रूप में दर्ज किया गया है।

NOTICE INQUIRY
(Form No.2) (नमुना क्र२)
सार्वजनिक विश्वस्तव्यवस्था नोंदणी कार्यालय, नागपूर विभाग, नागपूर.
चौकशीची नोटीस
(सार्वजनिक विश्वस्तव्यवस्था अधिनियम, सन १९५० यांचे कलम-२२) सन २०२४ चा अर्ज क्र. ६३/२०२२-कलम २२
सार्वजनिक विश्वस्तव्यवस्था संकेत खादीग्रामोद्योग बहुउद्देशिय संस्था, नागपुर एफ-१३५८८ (ना) यास
मंजुषा कांबळे ...... यांनी
कलम १८ अन्वये केलेला अर्ज
कलम २२/२८ अन्वये भरलेला नमुना यांच्या संबंधात
१. सौ. पद्मा पांडुरंग दियेवार, २. सौ. शोभा सितराम वर्मा, ३. सौ. रेखा दिलीप सहारे, ४. कु. निरु निलकंठ टोपे ... यांस
ज्याअर्थी खाली सही करणार यांजकडून वरील सार्वजनिक विश्वस्त व्यवस्थेसंबंधात कलम १८ अन्वये नोंदणीसाठी / कलम २२/२८ अन्वये नोंदी दाखल करण्यासाठी चौकशी करण्यात येणार आहे.
त्याअर्थी तुम्हास ही नोटीस देण्यात येत आहे आणि फर्माविण्यात येत आहे की, तुम्ही जातीने किंवा मान्यता दिलेल्या प्रतिनिधीमार्फत किंवा योग्य रीतीने सुचना दिलेल्या वकीलामार्फत खाली सही करणार यांचेसमोर वर दिलेल्या पत्यावर तारीख माहे ०७/०१/२०२५ रोजी सकाळी/दूपारी ११.०० वाजता वरील बाबींचा अखेरचा निकाल करण्यासाठी ठरविलेल्या सुनावणीस हजर रहावे आणि चौकशी संबंधीच्या सर्व महत्वाच्या प्रश्नांची उत्तरे द्यावीत आणि त्या संबंधीचा तोंडी व दस्तऐवजाच्या रूपातील सर्व पुरावा सादर करावा. वर निर्दिष्ट केलेल्या जागी व वेळी हजर राहण्यात तुम्ही कसुर केल्यास, तुमच्या गैरहजेरीत सदरहू चौकशी होईल, तिचे कामकाज चालविण्यात येईल आणि तिचा निकाल करण्यात येईल अशी तुम्हास नोटीस देण्यात येत आहे. आज दिनांक २७/११/२०२४ रोजी माझ्या सहीनिशी व सहाय्यक धर्मादाय आयुक्त नागपुर यांच्या शिक्क्यानिशी दिली.
शिक्का
अधीक्षक
सार्वजनिक न्यास नोंदणी कार्यालय, नागपूर विभाग,नागपूर.

कार्यालय नगरपंचायत बेसा पिपळा
ता.जि. नागपुर
स्वच्छ भारत
npbesapiplagmail.com
नप.बे.पि.//कावि/३८४७/२०२४
दिनांक : २९/११/२०२४
निविदा सूचना
प्रशासक, नगर पंचायत बेसा-पिपळा, ता. जि. नागपूर यांच्या वतीने विविध विभागांतर्गत आर्थिक वर्ष २०२४-२५ करिता कायदिश दिनांकापासुन ०१ वर्षाकरिता नगर पंचायत च्या विविध विभागाकरिता विविध कामे करण्यासाठी या कार्यालयाकडुन दर पत्रक दोन लिफाफा पध्दतीने त्या वर्गातील पंजीबध्द कंत्राटदाराकडुन निविदा मागविण्यात येत आहे. ऑफलाईन निविदा दाखल करण्याची दि. २८/११/२०२४ ते ०५/१२/२०२४ दुपारी ३.०० वा. पर्यंत राहील व निविदा उघडण्याचा दि. ०६/१२/२०२४ सायंकाळी ०५.०० वा. (शक्य झाल्यास) राहील. सदर सेवा / कामाच्या अटी व शर्ती तसेच निविदेसंबंधी माहिती निविदा प्रपत्र या कार्यालयात उपलब्ध राहील. सर्व माहिती काळजीपुर्वक वाचुनच निविदा भरण्यात यावी. परिपुर्ण नसलेली व अटीवरद नसलेली निविदा स्वीकृत केल्या जाणार नाही याची नोंद घ्यावी.
स्वा/-
प्रशासक/मुख्याधिकारी
नगर पंचायत बेसा-पिपळा

कार्यकारी दंडाधिकारी तथा नायब तहसिलदार, उपविभागीय कार्यालय नागपूर शहर यांचे कार्यालय, नागपूर शहर
Email : sdonagpur@gmail.com
Phone No. ०७११२-२५६००४८
क्र. अक्रा/प्रस्तुत/उविदं/नागश/कावि- 370/2024
दिनांक :- ११/१०/२०२४
वाचा :- १) जन्म मृत्यू नोंदणी अधिनियम-१९६९ चे कलम १३ (२) जन्म मृत्यू नोंदणी (सुधारणा) कायदा २०२३ चा २० (३) भारत सरकार विधी व न्याय विभाग यांचेकडील दिनांक ११९/०८/२०२३ रोजीचे राजपत्र (४) मा. जिल्हा दंडाधिकारी, नागपूर यांचेकडील आदेश क्रमांक अका / डी-१ / जन्म-मृत्यू आदेश / कावि ५३५/२०२३ ५) तहूर इसराईल शेख वय २५ वर्ष यांचा अर्ज दिनांक ३०/०८/२०२४
जाहिरनामा
ज्याअर्थी अर्जदार तहूर इसराईल शेख वय २५ वर्ष रा. ज्योतीबा फुले वार्ड, वरोरा जि. चंद्रपूर यांनी आईच्या जन्माची नोंद महानगर पालिका दप्तरी घेणेकरिता निर्देशित करणेकामी अर्ज दाखल केला आहे. सदरहू अर्जदार यांनी त्यांची आई नामे सईदा बेगम गुलाब खान यांचा जन्म दिनांक ०१/०५/१९७२ रोजी निराला सोसायटी उमरेड रोड बडा ताजबाग नागपूर येथे राहत्या घरी झाला असा अर्जदाराचा दावा आहे. त्याचप्रमाणे सदरहू अर्जदार यांना त्यांचे जन्म प्रमाणपत्र शासकीय तथा खाजगी कामाकरिता आवश्यक असल्याने त्याची नोंद घेणेकामी आदेश होणे आवश्यक असल्याबाबत त्यांनी अर्जात नमूद केले आहे. त्याअर्थी मी कार्यकारी दंडाधिकारी तथा नायब तहसिलदार, नागपूर (शहर) उपरोक्त वाचा क्र. १ आणि २ नुसार व ३ मध्ये नमूद केल्याप्रमाणे मला प्राप्त अधिकारान्वये असे कळविण्यात येते की, सदर व्यक्तीचा जन्म बाबत नोंद घेणेकामीचा आदेश देणेकरिता कार्यवाही प्रस्तावित आहे. याबाबत कोणास काही सांगावयाचे किंवा काही आक्षेप असल्यास त्यांनी योग्य ते पुरावे किंवा साक्षीदारांसह उपविभागीय दंडाधिकारी, नागपूर शहर यांचे न्यायालयात स्व:त जातीने / वकीलामार्फत अथवा अन्य मार्गाने या जाहीरनाम्याच्या दिनांकापासून पंधरा दिवसाच्या आत सादर करावे. उक्त मुदतीत कुठलाही आक्षेप / उजर / विपरित पुरावा प्राप्त न झाल्यास जन्मबाबतची नोंद घेणेकामीचा आदेश देणेबाबत कोणालाही काही सांगावयाचे नाही गृहीत धरुन प्रस्तावित जन्म नोंदीबाबतचा आदेश निर्गमित करण्यात येईल.
शिक्का
स्वा/-
कार्यकारी दंडाधिकारी, तथा नायब तहसिलदार

CMYK

सुविचार

दुनिया में हर इंसान अलग है।
इसलिए जो जैसा है, उसे वैसा ही स्वीकार करना सीखें!!

संपादकीय

बांग्लादेश में निशाने पर अल्पसंख्यक

> क्या नई सरकार वादों पर खरी उतरेगी?

करीब तीन महीने पहले बांग्लादेश में जब एक अप्रत्याशित घटनाक्रम के बीच तख्तापलट के बाद नई अंतरिम सरकार ने काम करना शुरू किया था, तब उम्मीद की गई थी कि वह अब सबके हित को मकसद बना कर नई राह पर चलेगी। मगर अब वहां से जैसी खबरें आ रही हैं, वे यही बताती हैं कि बांग्लादेश शायद फिर से एक नई समस्या के दौर में दाखिल हो रहा है। यह विडंबना ही है कि नई अंतरिम सरकार ने सबको साथ लेकर चलने का भरोसा दिया था, लेकिन अब वहां के अल्पसंख्यक समुदायों के सामने बेहद जटिल स्थिति खड़ी हो रही है और उनके साथ होने वाले बर्ताव से ऐसा लगता है कि उन्हें देश में दोयम दर्जे का नागरिक माना जाएगा।

अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि वहां सामुदायिक टकराव की स्थिति बन रही है और सरकार उसका कोई समाधान निकालने के बजाय अल्पसंख्यकों के खिलाफ नाहक आक्रोश को रोक नहीं पा रही है। गौरतलब है कि कुछ समय से लगातार ऐसी आवाजें उठ रही हैं कि बांग्लादेश की नई अंतरिम सरकार के जिम्मेदारी संभालने के बाद स्थानीय हिंदू समुदाय के साथ कई स्तर पर भेदभाव किए जा रहे हैं और सरकार उन्हें रोकने के बजाय अपनी आंखें मूंदे हुए है। जबकि बांग्लादेश में बगावत के बाद नए दौर की शुरुआत के साथ लोगों ने वहां सद्भाव और समावेशी राह की नई हवा बहने की उम्मीद की थी। फिलहाल स्थिति यह है कि वहां की पुलिस ने इस्कान समूह से जुड़े रहे चिन्मय कृष्ण दास को गिरफ्तार कर लिया।

हालांकि वहां उन पर राष्ट्रीय झंडे को अपमानित करने का हवाला देकर राष्ट्रद्रोह का आरोप लगाया गया है, मगर इस आरोप की हकीकत तो जांच से ही सामने आएगी। इसके बाद बांग्लादेश की नई सरकार के इस रुख पर सवाल उठने लगे हैं कि पिछली सरकार को तानाशाही बता कर सत्ता में आने के बाद क्या अब उसका रवैया धार्मिक अल्पसंख्यकों के प्रति पनप रहे विद्वेष को तुष्ट करने वाला होगा।

कहने को बांग्लादेश की सरकार इस तरह के आरोपों से इनकार करती है, लेकिन आखिर क्या वजह है कि वहां हिंदुओं सहित अन्य अल्पसंख्यक समुदायों की ओर से अपने खिलाफ माहौल पैदा करने के आरोप लगाए जा रहे हैं और सरकार अपने रवैये से इस समस्या का कोई सौहार्दपूर्ण हल निकालने के बजाय असंतोष को बढ़ावा दे रही है! सवाल है कि अगर बांग्लादेश में पूर्व की सरकार पर तानाशाही के आरोप थे और आम जनता ने उसके खिलाफ विद्रोह करके उसे सत्ता से हटाया, तो नए दौर के शुरुआती महीनों में ही वहां से ऐसी तस्वीरें क्यों सामने आने लगी हैं। फिलहाल जिस तरह के हालात पैदा हो रहे हैं, अगर सरकार ने उस पर तत्काल लगाम लगाने के ठोस उपाय नहीं किए तो सामुदायिक टकराव चिंताजनक रास्ता भी अख्तियार कर सकता है। हालांकि बांग्लादेश इसे अपना घरेलू मामला बता रहा है, लेकिन पड़ोसी देश में इस तरह की घटनाओं का व्यापक असर पड़ सकता है।

यही वजह है कि भारत ने इस मसले पर चिंता जताई है। बांग्लादेश में यह अफसोसनाक स्थिति तब है कि जब नई सरकार की कमान शांति के लिए नोबेल पुरस्कार से सम्मानित मोहम्मद यूनुस के हाथों में है। उनके इसी परिचय की वजह से उनसे उम्मीद की जा रही है कि वे वहां कानून-व्यवस्था का राज लाने के साथ-साथ सभी समुदायों के बीच सद्भाव कायम करेंगे, ताकि बांग्लादेश अपने नए सफर में मानवाधिकारों और शांति की राह पर आगे बढ़ने का संदेश दे।

जगमोहन सिंह

चुनाव बाद ओझल होने वाले मुद्दे

शिक्षा; सेहत, पर्यावरण पर देना होगा ध्यान

हाल में संपन्न महाराष्ट्र और झारखंड के चुनावों में पूरे देश ने रुचि ली। चुनाव लोकतंत्र का आधार स्तंभ हैं। उनकी प्रक्रिया, शुचिता और परिणाम पर विश्वास भी उतना ही आवश्यक है। चुनाव परिणामों पर चर्चा हर प्रजातांत्रिक देश के लोगों का ध्यान आकर्षित करे तो इसे लोकतंत्र व्यवस्था का अनिवार्य अंग मानते हुए सभी को संतुष्ट होना चाहिए। परिणाम के पश्चात जीतने वाले और न जीत पाने वाले के कार्यक्षेत्र और उत्तरदायित्व स्वतः ही निर्धारित हो जाते हैं। दोनों ही पक्षों को जनहित में अपने को समर्पित कर देना ही लोकतांत्रिक अपेक्षा है। इसमें पारस्परिक सहयोग की कोई मनाही नहीं है। विजेता को जन-अपेक्षाओं को पूरा कर सकने की क्षमता के उपयोग में लग जाना चाहिए और हारे हुए को जन-सेवा में अपने को समर्पित करने के अवसर का लाभ उठाना चाहिए। चुनाव-चर्चा अब देश और संचार माध्यमों का प्रिय शगल बन गया है। देश के संचार माध्यम दलगत राजनीति से जुड़े हुए नेताओं, उनके वक्तव्यों और उसके विश्लेषण पर बहुत समय और स्थान को दे रहे हैं। परिणामस्वरूप जिन समस्याओं और उनके त्वरित समाधान पर राष्ट्रव्यापी चर्चा होनी चाहिए, वह पीछे छूट जा रही है। महाराष्ट्र के चुनावों के समय वहां किसानों की आत्महत्याओं और सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता सुधारने के संबंध में कहीं कोई समाचार पढ़ने-सुनने को नहीं मिला। कोई प्रत्याशी या दल भी समयबद्ध सीमा में उनकी स्थिति सुधारने का संकल्प लेता नहीं दिखा। चुनावों के दौरान तो ऐसा लगा कि महाराष्ट्र में किसानों की आत्महत्या जैसी कोई समस्या है ही नहीं। किसानों और उनकी समस्याओं को लेकर केवल किसान आंदोलन के दौरान संचार माध्यम स्थान और समय दे रहे थे।

हालांकि उसमें भी उनकी समस्याओं का विश्लेषण कम और नेताओं के आरोप-प्रत्यारोप ही अधिक प्राथमिकता पाते रहे। ऐसे आंदोलन जब समाप्त हो जाते हैं, तब लगता है कि अब उस समस्या का समाधान हो गया है। इस पर जिस गहन विचार विमर्श की आवश्यकता है, लेकिन इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहा है। अनेक वर्षों से किसानों द्वारा की जा रही आत्महत्या को लेकर आंकड़े देश के सामने कभी-कभी आ जाते हैं, लेकिन वे राष्ट्रीय स्तर पर ऐसी चर्चा का विषय नहीं बनते, जो किसी समाधान तक पहुंच सके। इसका समाधान दलगत राजनीति से ऊपर उठकर करना उनका संवैधानिक ही नहीं, बल्कि

नैतिक और मानवीय उत्तरदायित्व है। कितने नव-निर्वाचित विधायक यह प्रण ले सकते हैं कि अगले तीन वर्षों में वे जीजान लगाकर किसानों की आत्माहत्याओं को जनित करने वाली स्थितियों को समाप्त कर देंगे? सामान्य नागरिक की यह सहज जिज्ञासा है कि क्या इस देश के किसानों की आत्महत्या को रोक सकने लायक नीतियां और योजनाएं बनाने के लिए देश का राजनीतिक नेतृत्व एवं वरिष्ठ अधिकारी अक्षम हैं? क्या देश में ऐसे अध्ययनशील विद्वानों की कमी है, जो इससे जुड़ी समस्याओं को गहराई से समझते हों और उनके व्याहारिक समाधान निकाल सकने की क्षमता रखते हों? देश में लगभग हर प्रांत में कृषि विश्वविद्यालय हैं। इंडियन काउंसिल आफ एग्रीकल्चर रिसर्च नाम की एक प्रतिष्ठित संस्था भी है, जिसकी अनेक शाखाएं हैं और जिसके योगदान की सराहना देश-विदेश में की जाती है। भारत के विज्ञानियों और इस संस्था ने अनाज की कमी से जूझ रहे देश को कुछ दशकों के प्रयास के पश्चात उसका निर्यातक बना दिया।

क्या इस संस्था को यह उत्तरदायित्व नहीं दिया जा सकता था कि वह ऐसी नीतियां बनाए, जिससे किसानों की समस्या सुलझ सके और बड़ी संख्या में हो रही आत्महत्याएं बंद हो सकें? देश में ऐसा कौन व्यक्ति है, जो किसानों के योगदान की प्राथमिकता को न जानता हो। शायद ही कोई हो, जो किसान की कठिनाइयों से पूरी तरह अपरिचित हो। देश में किसानों की आत्महत्या पर कष्ट हर उस व्यक्ति को होना चाहिए, जिसकी संवेदनाएं सजग हैं, जो यह आज भी याद करता है कि महात्मा गांधी चाहते थे कि हर व्यक्ति जो भी प्रकल्प हाथ में ले या नया रोजगार प्रारंभ करे या किसी परियोजना में हिस्सेदारी करे, उसे सबसे पहले यह विचार करना चाहिए कि इससे पंक्ति के अंतिम छोर पर खड़े हुए व्यक्ति के जीवन में क्या कोई सकारात्मक प्रभाव पड़ सकेगा या नहीं। इस स्तर की संवदेनशीलता हमारे चयनित जनप्रतिनिधियों और संवैधानिक पदों पर बैठ कर विभिन्न स्तरों पर निर्णय लेने वाले और योजनाएं बनाने वाले व्यक्तियों में जागृत होनी चाहिए। देश की समस्याओं के समाधान के प्रति अनेक जनप्रतिनिधियों में संवेदना और इच्छाशक्ति की कमी का दूसरा उदाहरण शिक्षा क्षेत्र की लगातार बढ़ रही उस अस्वीकार्य स्थिति का है, जिसके प्रति नीति निर्माताओं और इन्हें लागू करने वालों के अंदर एक उदासीनता की भावना निर्मित हो चुकी है। ऐसा कोई दल नहीं है, जो संविधान के प्रति संपूर्ण समर्पण की दुहाई दिन प्रतिदिन न देता हो। ऐसा भी कोई नहीं है, जो डा. आंबेडकर के योगदान की सराहना न करता हो। संविधान के आत्मा के प्रति प्रतिबद्धता में सबसे पहले तो वही वर्ग आता है, जो सदियों से शिक्षा की रोशनी से दूर है, जिसका सामाजिक और सांस्कृति आधार कमजोर है। क्या हर उस बच्चे को उचित शिक्षा नहीं मिलनी चाहिए, जो समाज के इस प्रकार के वर्गों से आता है? देश में सरकारी और निजी स्कूलों के मध्य एक ऐसा विभाजन लगातार बढ़ रहा है, जो राष्ट्रीय स्तर पर गहन चिंता का विषय होना चाहिए। इसको सुधारने के लिए एक राष्ट्रीय सहमति की त्वरित आवश्यकता है। यह ठीक नहीं कि चुनाव समाप्त होते ही चुनाव के दौरान उठे शिक्षा, सेहत, पर्यावरण आदि से जुड़े मुद्दे नेपथ्य में चले जाएं। यह तो और भी नहीं होना चाहिए कि यदि कोई राजनीतिक दल पराजित हो जाए तो यह मान लिया जाए कि उसकी ओर से उठाए गए मुद्दों का कोई महत्व ही नहीं।

कहानी

उदय केसरी

माहौल

अमन आज की सुबह जागा तो जरुर पर बिस्तर से उठा नहीं और न ही अपना दफ्तर गया, बस बीती रात के एक स्वप्न में वह घंटों बाद भी खोया रहा।अमन भारती राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, नई दिल्ली में कार्यरत एक अधिकारी है। वह अधिकारी जरूर है पर उसके दिलोदिमाग में मानवीयता का बेहद गहरा प्रभाव है। वह सांप्रदायिकता, जातीय भेदभाव व रूढ़िवादिता से बरबस ही दुखी हो जाता है। वह यह देखकर विचलित हो जाता है कि जिन लोगों की प्राकृतिक काया तक में ऊपरवाले ने भी कोई मूल फर्क नहीं किया, वे खुद आपस में इतने अलग अलग क्यों होते चले गए?

अमन कल दफ्तर में एक फाइल पढ़ने के बाद से ही खुद को विचलित महसूस कर रहा था। फाइल राजस्थान से आई थी और उसमें वहां के गांव वीरपुरा की एक मामले का विवरण था। मामला था कि वहां एक वृद्ध महमूद अली को भीड़ ने पीट पीट कर मार डाला। भीड़ का आरोप था कि वह अपने साथ एक गाय ले जा रहा था, जिसे वह कसाई को बेचने वाला था। भीड़ में शामिल लोग कथित तौर पर गौसेवा को धर्म मानने वाले थे, इसलिए उन लोगों ने महमूद के इस अपुष्ट दुस्साहस का दंड उसे सड़क पर बेरहमी से पीट कर दिया। वृद्ध यह दंड सह न सका, उसने सड़क पर ही दम तोड़ दिया। लेकिन जब इसकी खबर वृद्ध के घरवालों को लगी, वे दौड़े भागे घटना स्थल पर पहुंचे। वे उस वृद्ध की लाश को देख बिलख उठे. उस वृद्ध का बेटा करीम तो दहाड़मार कर रोने लगा। वह रोते रोते अपने अब्बू की लाश से कहता जा रहा था - " अब्बू. मैं आपको दो दिनों से रोक रहा था.

अभी माहौल खराब चल रहा है, मत ले जाओ इस बीमार गाय को इलाज कराने. मत जाओ जाओ. पर आपने मेरी नहीं मानी. मेरी गैरहाजिरी में घर से उस गाय को लेकर निकल गए. ओ अल्ला. वही हुआ, जिसका मुझे शक था. या अल्लाह, ये कैसा माहौल है? वहां सड़क पर खड़े दूसरे लोग उस वृद्ध के बेटे के विलास को सुनकर समझ तो गए कि सच क्या था और क्या समझ के गौसेवा दल की भीड़ ने उस वृद्ध की जान ले ली। लेकिन किसी को इस सच से जैसे फर्क नहीं पड़ा, वे सब तमाशबीन बने रहे और फिर चले गए. राजस्थान का यह मामला अमन को हिला कर रख दिया। वह दफ्तर में ही इसके अवसाद में ऐसा डूबा जा रहा था कि कैबिन में आकर चपरासी ने दोपहर की चाय कब रख गया, उसे पता भी नहीं चला। चाय दोपहर से शाम तक वैसी ही पड़ी रही। ... शाम में दफ्तर को बंद करने का समय हो गया। एक एक करके अन्य अधिकारी व कर्मचारी दफ्तर से चले गए। चपरासी अधिकारियों के कैबिन बंद करते हुए जब अमन के कैबिन में घुसा, तो उसने अपने अमन सर को अब भी किसी सोच में बेसुध बैठा हुआ पाया। सब जा चुके थे तो अब उससे रहा नहीं गया। उसने आवाज दी " सर जी. सरजी सभी बाबू निकल गए हैं!!!

"तब जाकर कहीं जाकर अमन अपने अवसाद से बाहर आया- " हां हां निकल रहे हैं।" यह कहकर अपना बैग समेटने लगा। तभी उसने केबिन से निकलते हुए चपरासी से अचानक पूछ बैठा " दशरथ, एक गाय की जान क्या इंसानों की जान से भी बड़ी होती है? दशरथ एक अधेड़ उम्र का बहुत ही धार्मिक आस्था रखने वाला व्यक्ति था। वह रोज पूजापाठ करके तिलक लगाकर ही दफ्तर आता। उसे हिन्दू धर्म ग्रंथों को पढ़ने में भी रुचि थी, सो कई बार वह बातों बातों में धर्म अधर्म के फर्क को धार्मिक कथाओं व प्रसंगों के माध्यम से समझाने की कोशिश करता सुनाई देता था। शायद इसीलिए अमन ने यह सवाल उससे पूछा था। लेकिन दशरथ इस सवाल से अचरज में था कि खुद इतने पढ़े लिखे अधिकारी हैं अमन सर और मुझसे ऐसा क्यों पूछ रहे हैं। दशरथ को चुपचाप सोचता देख अमन ने टोका "क्या हुआ दशरथ, कोई जवाब नहीं सूझ रहा क्या?"ओ नहीं सर... इसमें जवाब क्या देना... इंसान की जान से बढ़कर आखिर किसी की जान क्यों होगी।"

चपरासी दशरथ का जवाब सुन अमन ने उससे फिर कुछ नहीं कहा और अपनी सरकारी गाड़ी से क्वार्टर के लिए निकल गया। ड्राइवर गाड़ी चला रहा था और पिछली सीट चुपचाप बैठा अमन चपरासी की बात व राजस्थान की उस घटना में फिर खो गया। तभी उसके मोबाइल की घंटी बजी। किसी अनजान नंबर से कॉल था- " हैलो... हैलो... नो...नो ... इट्स रांग नंबर...!" रांग नंबर का कॉल काटते हुए अमन ने देखा मोबाइल में फेसबुक एप्प के कई नोटिफिकेशन पड़े हैं। उसने कुछ नोटिफिकेशन को तो बिना देखे पढ़े ही स्वाइप करके हटा दिया, पर इसी क्रम में एक नोटिफिकेशन को भूलवश हटाने की बजाय क्लिक कर दिया। फेसबुक खुल गया और सामने फ्रेंडलिस्ट के एक अपरिचित मित्र का पोस्ट था। पोस्ट में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी का एक विचार क्वोट करके लिखा हुआ था.

मैं खुद गाय को पूजता हूं यानी मान देता हूं। गाय हिन्दुस्तान की रक्षा करनेवाली है, क्योंकि उसकी संतान पर हिन्दुस्तान का, जो खेती प्रधान देश है, आधार है। गाय कई तरह से उपयोगी जानवर है।

अजय अमिताभ सुमन

बिछिया

अनिमेष आठवीं कक्षा का विद्यार्थी था। बचपन से ही अनिमेष के पिताजी ने ये उसे ये शिक्षा प्रदान कर रखी थी कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए एक आदमी का योग्य होना बहुत जरुरी है। अनिमेष अपने पिता की सिखाई हुई बात का बड़ा सम्मान करता था। उसकी दैनिक दिनचर्या किताबों से शुरू होकर किताबों पे ही बंद होती थी। हालांकि खेलने कूदने में भी अच्छा था। नवम्बर का महीना चल रहा था। आठवीं कक्षा की परीक्षा दिसम्बर में होने वाली थी। परीक्षा काफी नजदीक थी। अनिमेष अपनी किताबों में मशगूल था। ठण्ड पड़नी शुरू हो गयी थी। वो रजाई में दुबक कर अपनी होने वाली वार्षिक परीक्षा की तैयारी कर रहा था। इसी बीच उसकी माँ बाजार जा रही थी। अनिमेष की माँ ने उसको 2000 रूपये दिए और बाजार चली गयी। वो रूपये अनिमेष को अपने चाचाजी को देने थे। अनिमेष के चाचाजी गाँव में किसान थे। कड़ाके की ठण्ड पड़ने के कारण फसल खराब हो रही थी। फसल में खाद और कीटनाशक डालना बहुत जरुरी था। अनिमेष के बड़े चाचाजी दिल्ली में प्राइवेट नौकरी कर रहे थे। उन्होंने ही वो 2000 रूपये गाँव की खेती के लिए भेजवाए थे। अनिमेष की माँ ने वो 2000 रूपये अनिमेष को दिए ताकि वो अपने गाँव के चाचाजी को दे सके। अनिमेष पढ़ने में मशगूल था। उसने रुपयों को किताबों में रखा और फिर परीक्षा की तैयारी में मशगूल हो था। इसी बीच बिछिया आई और घर में झाड़ू पोंछा लगाकर चली गई। जब गाँव से चाचाजी पैसा लेने आये तो अनिमेष ने उन रुपयों को किताबों से निकालने की कोशिश की। पर वो गायब हो चुके थे। अनिमेष के मम्मी पापा ने भी लाख कोशिश की पर वो रूपये मिल नहीं पाए। या तो वो जमीं में चले गए थे या आसमां में गायब हो गये थे। खोजने की सारी कोशिशें बेकार गयीं। खैर अनिमेष के पापा ने 2000 रूपये खुद ही निकाल कर गाँव के चाचाजी को दे दिए। रुपयों के गायब होने पे सबको गुस्सा था। अनिमेष पे शक करने का सवाल ही नहीं था। काफी मेहनती, आज्ञाकारी और ईमानदार बच्चा था। स्कूल में दिए गए हर होम वर्क को पूरा करता। वो वैसे ही पढाई लिखाई में काफी गंभीर था, तिस पर से उसकी परीक्षा नजदीक थी। इस कारण अनिमेष के पिताजी ने अनिमेष ने ज्यादा पूछ ताछ नहीं ही। बिछिया लगभग 50 वर्ष की मुसलमान अधेड़ महिला थी। उसका रंग काला था। बिच्छू की तरह काला होने के कारण सारे लोग उसे बिछिया ही कह के पुकारते थे।

व्यंग्य

वीरेन्द्र जैन

1 क्या फेंकूं क्या जोड़ रखूं?

हरिवंशराय बच्चन, जिनकी कीर्ति पताका अब उनके काव्य संसार से अधिक एक स्टार कलाकार के पिता होने के कारण फड़फड़ा रही है, ने अपनी आत्म कथा का शीर्षक दिया है - क्या भूलूं क्या याद करूं। उनकी इस मन:स्थिति की कल्पना हम प्रतिवर्ष दीवाली पूर्व किये जाने वाले सफाई अभियान के दौरान करते हैं। नई आर्थिक नीति का सांप हमारे घर में ऐसा घुस गया है कि हम जीवन मरण के झूले में लगातार झूल रहे हैं। नई आर्थिक नीतियों के अनुसार हमने न केवल अपने दरवाजे खोले अपितु खिडकियों रोशनदानों सहित चौखटें भी निकाल कर फैंक दीं जिससे दुनिया का बाजार दनादन घुसा चला आया और हमें आदमी से ग्राहक बना डाला। अब हमारा केवल एक काम रह गया है कि कमाना और खरीदना। बाजार से गुजरने पर इतनी लुभावनी वस्तुएं नजर आती हैं कि मैं उन्हें खरीदने का लोभ संवरण नहीं कर पाता। उपयोग हो या ना हो पर खरीदने का आनन्द भी तो अपना महत्व रखता है- सोचो तो ऊंचा सोचो।

इन नयी नयी सामग्रियों की पैकिंग का तो क्या कहना। बहुरंगी ग्लेजी गत्ते का मजबूत डिब्बा उसके अन्दर थर्मोकाल के सांचे में सुरक्षित रूप से फिट किया गया सामान इतना सम्हाल के रखा गया होता है जैसे कोई मां गर्भ में अपने बच्चे को रखती है भले ही जन्म के बाद वह कुपुत्र निकले पर माता कुमाता नहीं होती है। कई बार तो मन करता है कि सामान फैंक दिया जाये पर डिब्बा सम्भाल कर रख लिया जाये ताकि सनद रहे और वक्त जरूरत पर काम आवे। दीवाली का आगमन ऐसे सामान के प्रति बड़ी कड़ी प्रतीक्षा की घड़ी होती है।

छोटे छोटे फ्लेट इन डिब्बों से पूरे भर जाते हैं। दीवाली पर इन्हें बाहर निकाला जाता है पोंछा जाता है और सोचा जाता है कि रखूं या फैकूं। क्या भूलूं क्या याद करूं की तरह असमंजस रहता है। वैसे आजकल यूज एण्ड थ्रो का जमाना है पर हम हिन्दुस्थानी मध्यम वर्गीय लोगों से फेंका कुछ नहीं जाता। हमारे यहाँ ऐसे डाटपैन सैकड़ों की संख्या में मिल जायेगे जिनकी रिफिल खत्म हो गयी है। और रिफिल बदलने वाली बनावट नहीं है, पर पड़े हैं तो पड़े हैं। न किसी काम के हैं और ना ही फेंके जाते है। ढेरों किताबें है जिनको पढ़ने का कभी समय नहीं मिला पर रद्दी में बेचने की हिम्मत नहीं होती। अंग्रेजों के समय में लोग जेल जाया करते थे, जहां उन्हें लिखने और पढ़ने का समय मिल जाता था पर आजकल के जेलों में जगह ही खाली नहीं रहती कि पढ़ने लिखने वालों को अवसर दिया जा सके। इसलिए किताब बिना पढ़ी रह जाती हैं। पुराना ब्लैक एण्ड व्हाइट टीवी क़ो कोई पांच सौ रूपये में भी नहीं खरीदना चाहता है जबकि इतना पैसा तो उसे शोरूम से घर लाने और पड़ोसियों को मिठाई खिलाने में ही लग गया था। अगर कुछ वर्ष और रह गया तो उल्टे पांच सौ रूपया देकर ही उठवाना पड़ेगा। पुराने जूते, खराब हो गयी टार्च, कपड़े के फटने से बेकार हो गये छाते, बच्चे की साइकिल गुमी हुई चाबियों वाले ताले, सेमिनारों में मिलें फोल्डर और स्मारिकाएं, बरातों में मिले गिफ्ट आइटम, जो न केवल दाम में कम है अपितु जिनके काम में भी दम नहीं है।

गुलमर्ग भारत के जम्मू और कश्मीर (केंद्र शासित प्रदेश) का एक हिल स्टेशन है। इसका मूल नाम गौरीमर्ग हुआ करता था, जिसे 16वीं शताब्दी में युसुफ शाह चक ने बदलकर गुलमर्ग कर दिया। इसकी सुंदरता के कारण इसे धरती का स्वर्ग भी कहा जाता है। यह देश के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक हैं। फूलों के प्रदेश के नाम से मशहूर यह स्थान बारामूला ज़िले में स्थित है। यहाँ के हरे भरे ढलान सैलानियों को अपनी ओर खींचते हैं। समुद्र तल से 2730 मी. की ऊँचाई पर बसे गुलमर्ग में सर्दी के मौसम के दौरान यहाँ बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं। गुलमर्ग की स्थापना अंग्रेजों ने 1927 में अपने शासनकाल के दौरान की थी। गुलमर्ग का असली नाम गौरीमर्ग था जो यहाँ के चरवाहों ने इसे दिया था। 16वीं शताब्दी में सुल्तान युसुफ शाह ने इसका नाम गुलमर्ग रखा। आज यह सिर्फ पहाड़ों का शहर नहीं है, बल्कि यहाँ विश्व का सबसे बड़ा गोल्फ कोर्स और देश का प्रमुख स्की रिज़ॉर्ट है। गोंडोला की सवारी गुलमर्ग का शीर्ष आकर्षण है। यह एशिया की सबसे ऊंची केबल कार परियोजना है और दुनिया में सबसे बड़ी और दूसरी सबसे ऊंची है। गोंडोला एक बार में छह लोगों और प्रति घंटे 600 लोगों को ले जा सकता है। केबल कार परियोजना जम्मू और कश्मीर सरकार और फ्रांसीसी फर्म पोमागल्स्की के बीच एक संयुक्त उद्यम है। गुलमर्ग से आठ किमी दूर स्थित निंगली नल्लाह एक धारा है जो अफरात चोटी से पिघली बर्फ और अलपाथर झील के पानी से बनी है। यह सफेद धारा घाटी में गिरती है और अंततः झेलम नदी में मिलती है। घाटी के साथ बहती यह धारा गुलमर्ग का एक प्रसिद्ध पिकनिक स्पॉट है। चीड़ और देवदार के पेड़ों से घिरी यह झील अफरवात चोटी के नीचे स्थित है। इस खूबसूरत झील का पानी मध्य जून तक बर्फ की बना रहता है। 8700 वर्ग फुट का महल 19वीं सदी की शुरुआत में महाराज हरि सिंह द्वारा बनाया गया था। फरवरी 2022 में, गुलमर्ग में दुनिया का सबसे बड़ा इग्लू कैफे खोला गया। इसे 37.5 फीट की ऊंचाई और 44.5 फीट के व्यास के साथ बनाया गया था। वहां एक बार में करीब 40 लोग खाना खा सकते हैं। 2023 में, गुलमर्ग के एक होटल कोलाहोई ग्रीन हाइट्स द्वारा एक ग्लास इग्लू रेस्तरां विकसित किया गया था।

क्या आप अस्थमा दमा सांस रोग से परेशान हैं

दमा सास या सास की बीमारी खासकर बारिश या ठंडी के मौसम में ज्यादा परेशान करती है कई लोगो को यह बीमारी कई सालो से लम्बे समय से होती है। ये लोग इसके लिए हमेशा आयुर्वेद में हिअ एलोपैथिक स्टेरॉइड, एंटीएलर्जिक मेडिसिन्स खाते रहते है परन्तु उनको केवल टेम्परारी रिलीफ हे मिलता है और तकलीफ नहीं छूटती। परन्तु आयुर्वेद एक ऐसा प्राचीन जीवनशास्त्र (लाइफ साइंस) एवं चिकित्सा शास्त्र (मेडिकल साइंस) है जिससे की सास जड़ से है की बीमारी में तुरंत आराम मिलता है एवं लम्बे समय तक कम दवाओं में बिना किसी साइड इफेक्ट्स के मरीज़ को आराम मिलता है बढ़ कुछ इलाज के बाद तो उनको दवाई भी लेने जड़ की जरुरत नहीं होती केवल कभी कभी ही तकलीफ होने पर होती है।

सास (अस्थमा) के रोगियों को चल रही रोगी आज कल चल रही कोरोना पान्डेमिक से भी ज्यादा सावधान रहने की ज़रूरत है क्यूंकि इन रोगियों को कोरोना आसानी से तकलीफ में डाल सकता है। आयुर्वेदिक उपचार में श्वास निवारण सिरप ,चित्रकहरीतकी, वासावलेह , स्पेशल श्वासाहर कैप्सूल ,तुलसी सृंग तुलसी प्लस स्ट्रांग सिरप, खोखो सिरप ,एलीनोज़ कैप्सूल इत्यादि से अस्थमा या सास की बीमारी में जल्दी आराम होते हुए देखा गया है। शिवशंकर आयुर्वेदिक चिकित्सालय सीताबर्डी टेम्पेल बाजार रोड। महाजन मार्किट में स्तिथ योग काम्प्लेक्स में एक ऐसा चिकित्सालय है जहा के अनुभवी डॉक्टर्स इस बीमारी अस्थमा ,श्वासरोग दमा का सटीक एकदम दुष्परिणाम विरहित इलाज करते है। जो रुग्ण पंप इन्हेलर्स का इस्तेमाल करते है उनके पंप लेने का प्रमाण धीरे धीरे काम होकर पूरी तरह से छूट भी जाता है। उनके अस्थमा अटैक्स कम होकर उनकी सेवेंटी भी कम हो जाती है। अस्थमा से पीड़ित इच्छुक रुग्ण 9112079000 / 8605245080 पर संपर्क स्थापित कर इस तकलीफ से आज भी छुटकारा पा सकते है।

सीताबर्डी स्तिथ शिवशंकर आयुर्वेदिक एजेंसी अथवा क्लिनिक में इन दूरध्वनि क्रमांकों पर संपर्क स्थापित करें. 9112079000 / 8605245080.

नागपुर मेट्रो समाचार : फैजान मिडिया सर्विसेस प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशकः फैजान सिराज शेख ने देश पब्लिकेशन, ई-30/2 हिंगणा एमआईडीसी, नागपुर-16 से मुद्रित कर 532, हनुमान नगर नागपुर.440009 से प्रकाशित किया.
संपादक: इमरान मुमताज शेख, मो. 9730005662 (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) ngpms2019@gmail.com RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 (सभी न्यायालयीन प्रक्रिया नागपुर न्यायालय में होगी.)

CMYK

फिर खुलेआम कोयला की कालाबाजारी शुरू

वणी, प्रतिनिधि.

> तापघर में सप्लाई होने वाले कोयले की खुले बाजार में अवैध बिक्री

> एकोना माइन्स का कोयला एमपी पावर के बजाय वणी कोयला बाजार में बिका

कोयला खदान से निकलनेवाले कोयले को देश के बिजली संयंत्रों में बिजली उत्पादन के लिए सप्लाई किया जाता है. तापघरों में पहुंचनेवाले कोयले में से कुछ हिस्सा वाहन चालक गायब कर खुले चोर बाजार में बेच देते है, यह गोरखधंधा काफी समय से चल रहा है. यहां तो एमपी पॉवर प्लान्ट को सप्लाई होनेवाला कोयला ट्रकों से खुलेआम वणी के कोयला बाजार में बेचने का गोरखधंधा बिना रोकटोक से शुरू है. इस हेराफेरी के खेल में नागपुर और चंद्रपुर के रसूख रखनेवाले कोयला माफिया भी शामिल है. इन बड़ी हस्तियों का जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन कुछ भी नहीं बिगाड़ सकता. क्योंकि पूरा मामला "ज्योत से ज्योत लगाते चलो, प्रेम की गंगा बहाते चलो" पर आधारित है. वेस्टर्न कोलफील्ड लिमिटेड के एकोना माइन्स का कोयला एमपी पॉवर तापघर में जाने के बजाय वणी के बाजार पहुंचने के बाद भी पुलिस इस मामले में हाथ पर हाथ धरे बैठी है. स्पष्ट है कि पूरी सेटिंग के साथ कोयले की काली कमाई और बिक्री शुरू है. कोयला राष्ट्रीय संपत्ति है और इसकी रक्षा करना जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन और वेस्टर्न कोलफील्ड की सुरक्षा विंग की है. लेकिन सरकार की इतनी तगड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद कोयला माफिया सेंध लगाने में कैसे कामयाब हो सकते?

सेटिंग के साथ काली कमाई

14 नवंबर 2024 को वणी पुलिस ने लालपुलिया परिसर में तीन ट्रक को पकडा था. इन ट्रकों मे पावर प्लांट का कोयला भरा हुआ था और खुफिया जानकारी से पता चलने पर पुलिस ने ट्रक को रात को 12 बजे से 3 बजे तक रोका और महज़ कुछ समय बाद सूत्रों सें मिली जानकारी अनुसार वणी पुलिस से कुछ सेटलमेन्ट होने पर वर्धमान कांटे के सटे प्लॉट पर कोयला भरा ट्रक खाली किया गया और कोल बाज़ार में चर्चा का बाज़ार तो कुछ इस तरह हैं कि भाजपा के किसी बड़े नेता द्वारा पुलिस स्टेशन में फ़ोन की घंटी बजाई गई और पकड़े गये ट्रक छोड दिये गए, जबकि मध्य प्रदेश पावर का कोयला ट्रक मे था और यह कोयला सिर्फ पावर प्लांट मे ही खाली किया जाता है.

❐ **नियमों को ठेंगा:** कोयला किसी भी जगाह खाली नही किया जा सकता और जो कि एकोना खदान माजरी एरीया मे आती है तो वणी नार्थ एरिया के लालपुलीया मे कोयला कैसा कोयला प्लॉट पर खाली हुआ? और यह कोयला ट्रान्सपोर्टिंग का ठेका कोई नागपुर के बड़ा रुतबा रखनेवाले ट्रान्सपोर्टर को मिला है और इस प्रकरण में कितने लोगो के हाथ काले हो रहे है यह भी देखने वाली बात है. सूत्रों से पता चला है कि एकोना कोयला खदान से पावर प्लांट का कोयला एक हजार टन अंदाजन कोई बडे कोयले के व्यापारी के प्लांट पर खाली हुआ ऐसा भी पता चला है, लेकिन इसके बारे मे वणी पुलिस को कानों-कान खबर तक न हो, यह आश्चर्य की बात है.

पकड़ना-छोड़ना तो बस दिखावा है?

कोयले की बड़े पैमाने पर हेरफेरी शुरू है लेकिन इसकी खबर 14/11/24/ पता लगने पर कोयले के तीन ट्रक को रोका गया तीन घंटे तक और बाद में छोड़ दिया गया. वणी के पुलिस ने ट्रक डिटेन्ड कर और तीन पोलिस कर्मचारी को ट्रक के पास खड़े कर दिया गया, लेकिन वणी पुलिस थाना मे नहीं लाया गया यह भी सोचने की बात है.

नौकर ने अपने ही मालिक के दुकान में चोरी की

कुरखेडा.

यहां एक जनरल स्टोर्स में काम करने वाले एक नाबालिग नौकर ने अपने दोस्तों की मदद से रात में शार्प माइंड चोरों की तरह दुकान का ताला तोड़ दिया और तीन लाख रुपये नकद उड़ा लिये. इस घटना के बाद अगले दिन से नौकर गायब था और उसी पर शक जताया गया. ऐसे में पुलिस ने जब उससे पूछताछ शुरू की तो उसने चोरी की बात कबूल कर ली.

प्राप्त जानकारी के अनुसार साहिल हीरालाल वरलानी की कुरखेडा शहर के मुख्य मार्ग पर जनरल स्टोर है. दो दिन पहले उसने कारोबार के लिए दुकान में तीन लाख की नकदी रखी थी। इसकी जानकारी दुकान में मौजूद नाबालिग नौकर को थी। इसलिए उसने अपने दोस्तों की मदद से उसी रात दुकान का ताला तोड़कर पैसे चुराने की योजना बनाई और सफल हो गया. इस काम में इब्राहिम इजराइल कुरेशी (20 वर्ष) के साथ उसके दो नाबालिग दोस्त भी मदद करते थे. लिहाजा पुलिस ने 48 घंटे के अंदर चारों आरोपियों को हिरासत में ले लिया.

इसके अलावा उनके पास से चोरी की रकम भी बरामद कर ली गई. इस कार्रवाई को उपविभागीय पुलिस अधिकारी रवींद्र भोसले के मार्गदर्शन में पुलिस निरीक्षक महेंद्र वाघ, उपनिरीक्षक वर्षा बोरसे, कांस्टेबल शेखलाल मडावी, संदेश भैसारे और अन्य ने अंजाम दिया.

कांक्रीट मिक्सर में फंसने से युवक की दर्दनाक मौत

कोरची.

गांव में सीमेंट कंक्रीट सड़क तैयार करते समय कांक्रीट मिक्सर में हाथ फंसने से एक युवा मजदूर की मौत हो गई। यह घटना आज दोपहर करीब 1.30 बजे कोरची तहसील के बडीमादे गांव में घटी. कैलास बृजलाल पुलो (25) मृत युवक का नाम है. बडीमादे गांव में महाराष्ट्र ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत पुणे की राजन एंड राज कंपनी द्वारा 112 मीटर लंबी सीमेंट कंक्रीट सड़क का निर्माण किया जा रहा है। इस निर्माण कार्य में आंधली के पेटी ठेकेदार महेश लाडे द्वारा कंपनी के माध्यम से काम किया जा रहा था। सड़क तैयार करने के लिए कंक्रीट इस दौरान मिक्सर मशीन का एक नट निकला था.

उस नट को फिर से लगाने की कोशिश करने पर अचानक कैलास पुलो का दाहिना हाथ मशीन में फंस गया। मशीन चालू स्थिति में रहने के कारण हाथ समेत पूरा शरीर मशीन में लिपट गया। परिणामस्वरूप, कैलास को सिर और पैर में गंभीर चोटें आईं। सीने की पसलियां भी टूट गईं। कैलास को तुरंत कोरची के एक ग्रामीण अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. कोरची पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है. ग्रामीणों की मांग है कि मृतक युवक के परिजनों को आर्थिक सहायता दी जाये.

11 दिसंबर तक निषेधाज्ञा, गढ़चिरोली में 27 हुई लागू से

गढ़चिरोली. 11 दिसंबर के बीच जमाबंदी आदेश लागू किया गया है. 2 से 8 दिसंबर की अवधि में नक्सलियों की पी. एल. जी. ए. सप्ताह का आयोजन एवं 6 दिसम्बर को डॉ. बाबासाहब अम्बेडकर महापरिनिर्वाण दिवस इसके अलावा, कुछ विभिन्न राजनीतिक दल, संगठन और अन्य नागरिक सरकार का ध्यान आकर्षित करने के लिए धरना, मार्च, आंदोलन बैठकें, जुलूस आयोजित नहीं करेंगे। कलेक्टर संजय दैने ने इस आदेश का पालन करने की अपील की है.

प्रतीबंधित सुगंधीत तंबाकू और पान मसाला जब्त

चंद्रपुर.

चंद्रपुर जिले में प्रतीबंधीत सुगंधीत तंबाकू और पान मसालों की तस्करी व बिक्री पर कारवाई के निर्देश जिला पुलिस अधिक्षक मुम्मका सुदर्शन ने जारी किए है। इस अनुषंग से जिला अपराध शाखा पुलिस निरीक्षक महेश कोंडावार ने दल बनाकर कारवाई मुहिम शुरु की है। जिले के भीसी पुलिस स्टेशन अंतर्गत अपराध शाखा दल 29 नवंबर 2024 को पेट्रोलिंग पर होने दरम्यान प्रतीबंधी सुगंधीत तंबाकू की अवैध रूप से बिक्री होने की गुप्त जानकारी मिली थी।

जानकारी के आधार पर अपराध शाखा दल ने 2 आरोपीयों को गिरफ्तार कर बडे प्रमाण में सुबंधीत तंबाकू जप्त किया है। जिस में 1 लाख 35 हजार 780 किमत का ईगल सुगंधीत तंबाकू के 438 पैकेट, 33,620 किमत का होला हुक्का शिशा तंबाखू (प्रत्येकी 200 ग्राम वजन के 41 पैकेट कुल 205 नग पाऊच, 3,360 किमत का हुक्का शिशा तंबाखू (प्रत्येकी 40 ग्राम वजन के 07 पॉकेट) कुल 84 नग, 21,120 किमत का इगल हुक्का शिशा तंबाखू (प्रत्येकी 400 ग्राम वजन के 33 पॉकेट) 330 पाऊच ऐसे कुल 1,93,880 रुपए का मुद्देमाल जप्त कर पुलिस स्टेशन भिसी में अपराध क्र. 219/24 कलम 223, 274, 275 भान्यासं सहकलम 30(2), 26(2)(अ), 3, 4, 59 (1) अन्नसुरक्षा और मानके 4, 59 (1) अन्नसुरक्षा और मानके अधिनियम 2006 तहत मामला दर्ज कर मुद्देमाल और आरोपीयों को भीसी पुलिस स्टेशन की हिरासत में दिया गया है। यह कारवाई जिला पुलिस अधिक्षक मुम्मका सुदर्शन, अप्पर पुलिस अधिक्षक रिना जनबंधू के मार्गदर्शन में अपराध शाखा पुलिस निरीक्षक महेश कोंडावार के नेतृत्व में हुई.

वोटिंग सेल्फी अपलोड प्रतियोगिता के विजेताओं की घोषणा

चंद्रपुर. लोकसभा चुनाव की तरह जिले में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए जिला प्रशासन ने स्वीप पहल के तहत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया. मतदान के बाद सेल्फी अपलोड करने की प्रतियोगिता में मुख्य रूप से 8080 प्रतियोगियों ने भाग लिया. इस प्रतियोगिता का परिणाम लकी ड्रा के माध्यम से जिलाधिकारी कार्यालय में जिलाधिकारी विनय गौड़ा जी.सी. यह घोषणा बुधवार को मुख्य कार्यकारी अधिकारी विवेक जॉनसन, रेजिडेंट डिप्टी कलेक्टर दगडू कुंभार, उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी गिरीश धायगुडे की उपस्थिति में की. जिले में मतदाताओं को जागरूक करने और मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए जिला प्रशासन ने स्वीप गतिविधियों के तहत साइकिल रैली, निबंध प्रतियोगिता, क्विज, टैगलाइन, रील बनाना, सेल्फी अपलोड करना आदि का आयोजन किया। प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं. तीन भाग्यशाली विजेताओं को लकी ड्रा के माध्यम से आकर्षक पुरस्कार मिले प्रथम पुरस्कार (बुलेट मोटरसाइकिल) ब्रम्हपुरी तालुका के शंकर धर्म भर्रे को, दूसरा पुरस्कार (15 ग्राम सोने का सिक्का) सिंदेवाही तालुका के सोनल श्यामराव गभाने को और तीसरा पुरस्कार (मोबाइल फोन) चिमूर तालुका के गितेश मदनकर को दिया गया.

करोडों के बस स्थानक में चोर-उचक्को का अड्डा

> वृध्दा के गले से उतार ली गयी दो तोला सोने का चेन

मुल.

तहसील के सुशी दाबगांव से एक 75 वर्षीय वृध्द महिला धान बिक्री के पैसे मुल की एक बैंक खाते में जमा कर गांव की ओर लौटने के लिए मूल के बसस्टैंपर पर बस की राह देख रही थी. तभी बस स्टैंड पर किसी अज्ञात चोर ने वृध्द महिला के गले का सोने की पुरातन चैन चोरी कर वहां से फरार हो गया. इस संदर्भ में मूल पुलिस में शिकायत दर्ज की गई. लेकिन करोडों की लागत से बनाए गए बसस्टैंड परिसर में सीसीटीवी कैमेरा का ना होना यह शहर में चर्चा का विषय बन गया है. मुल तहसील के सुशी दाबगांव निवासी एक वृध्द महीला तुलसाबाई सोमाजी दुधबले 75 धान बिक्री के 18 हज़ार रूपये बैंक खाते मे जमा कर अपने गांव लौटने के लिए मुल बस स्थानक पर लगभग दोपहर 1 बजे पहुंची थी. बस के ईंतेजार में बैठी रही. उस समय बस स्टैंड पर काफी भिड थी. बस के चक्कर मे वह हर आने वाली बस की तरफ जाती रही और आकर अपनी जगह बैठती रही. ईसी बिच उसके गले से पुरातन सोने की गोफ किसीने उडा लिया. इस बात से वह अज्ञात थी.

जब उसने गले पर हाथ फेरा तब उसे झटका लगा और वह रोने पिटने लग गयी. पुलिस मे वारदात की रिपोर्ट दर्ज कराई गयी है जांच चल रही है. ईस घटना के बाद यात्रियों के बिच चर्चा मे बस यही एक चर्चा होती रही के हर प्लैट फार्म तथा परिसर में सीसी टीवी कैमरे महामंडल द्वारा लगाए जाने चाहीए थे. लेकीन करोडो के बस्थानक में कैमरे लगाने की हैसियत भी महामंडल की नही है यह आश्चर्य की बात है. अगर कैमरे लगे होते तो दो तोले की गोफ उडाने वाले पुलिस के शिकंजे में होते. रात मे बसों से डिजल चोरी की घटनाए तथा कैंटीन परिसर में लगी स्टील बेंचो पर प्रेमि दस्तों की कलाबाज़ी, शराबीयो की सजने वाली महफिलें और देर रात होने वाली जिस्म फरोशी पर कैमरों से अंकुश लगाया जा सकता था. लेकीन यह सब सरकार ही को करना चाहीए तो फीर एस टी महामंडल की तिजोरी में रोजाना आने वाले करोडो रूपये जाते कहां हैं? यह सवाल जनता के बिच बार बार उठता रहता है जनता मांग कर रही है की यात्रीयों की हर तरह से सुरक्षा के लिए बस स्थानक परिसर में एसटी महामंडल द्वारा सिसी टिवी कैमरे अविलंब लगाए जाने चाहिए!

2 वाहनों की भिड़ंत में एक की मौत, दो घायल

वडधा.

दो बाइकों की आमने-सामने की टक्कर में एक व्यक्ति की मौत हो गयी, जबकि दो गंभीर रूप से घायल हो गये. घटना बुधवार, 27 नवंबर को रात करीब 8 बजे वडधा पोरला मार्ग पर बोडधा गांव के पास हुई। इस दुर्घटना में प्रशांत रामलाल डोंगरे (उम्र 33, निवासी तेली मोहल्ला गढ़चिरौली) की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए और एक मामूली रूप से घायल हो गया। उनका इलाज जिला सामान्य अस्पताल में चल रहा है. बुधवार रात करीब 8 बजे प्रशांत डोंगरे और एक अन्य व्यक्ति पोरला-वड्धा मार्ग से वडधा आ रहे थे। बोरीचक के 2 युवक वडधा से पोरला जा रहे थे. इसी बीच बोडधा गांव में तेज रफ्तार दोनों बाइक की आमने-सामने टक्कर हो गयी. इसमें तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए और एक मामूली रूप से घायल हो गया और उन्हें इलाज के लिए वडधा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। इसके बाद उन्हें आगे के इलाज के लिए गढ़चिरौली के जिला सामान्य अस्पताल में भर्ती कराया गया। इनमें से प्रशांत डोंगरे की इलाज के दौरान मौत हो गई. दो अन्य गंभीर रूप से घायल हैं. एक व्यक्ति मामूली रूप से घायल हुआ है. उनका इलाज चल रहा है.

धान किसानों को तत्काल मुआवजा दें: मुनगंटीवार

> कृषि विभाग के प्रधान सचिव और पुनर्वास संयुक्त सचिव को निर्देश

चंद्रपुर, सुनील तायडे.

चंद्रपुर जिले में धान की फसल पर बड़े पैमाने पर लश्करी इल्ली के प्रकोप के कारण कटाई के समय फसल को नुकसान हुआ है. तदनुसार, आगे का सर्वेक्षण करने और किसानों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए, इस संबंध में सुधीर मुनगंटीवार ने कृषि विभाग की प्रधान सचिव जयश्री भोज और राहत व पुनर्वास विभाग के संयुक्त सचिव कैलास गायकवाड़ के साथ बैठक कर तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश दिया. धान किसानों को तत्काल मुआवजा देने का आदेश मुनगंटीवार द्वारा दिया गया. जिले के धान उत्पादक किसान लश्करी इल्ली व अन्य कीटों से परेशान हैं. प्राकृतिक आपदा के कारण धान की फसल को काफी नुकसान हुआ है और जो निवाला बलिराजा के हाथ के पास थी उसे प्राकृतिक आपदा ने छीन लिया है. ऐसी स्थिति में किसानों को तत्काल आर्थिक सहायता की आवश्यकता है और उक्त नुकसान का पंचनामा बनाकर आर्थिक सहायता दी जानी चाहिए. किसानों की परेशानी को देखते हुए तत्काल आर्थिक सहायता के संबंध में उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है. मंत्रालय में हुई बैठक में सुधीर मुनगंटीवार ने संबंधित अधिकारियों को उक्त आदेश दिया. बल्लारपुर विधानसभा के लिए सुधीर मुनगंटीवार महागठबंधन के आधिकारिक उम्मीदवार थे. हालांकि वे चुनाव प्रचार, सार्वजनिक बैठकों और भौतिक दौरों में व्यस्त थे, फिर भी उन्होंने प्रमुख सचिव को पत्र लिखकर क्षतिग्रस्त धान किसानों की स्थिति से अवगत कराया था. अब इस संदर्भ में समीक्षा कर प्रभावित किसानों को तत्काल आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के संबंध में निर्देश दिये गये हैं.

किसानों के प्रति संवेदनशील

मुनगंटीवार की पहल पर जिले में किसानों के लिए विभिन्न योजनाएं लागू की जा रही हैं. मुनगंटीवार के अनुसरण के कारण ही जिले के किसानों को रिकॉर्ड 202 करोड़ की फसल बीमा राशि मिल सकी. उन्होंने धान उत्पादक किसानों को प्रति हेक्टेयर 20 हजार रुपये का बोनस देकर उनके धान को न्याय देने का काम किया. हमेशा किसानों के प्रति मुनगंटीवार संवेदनशील हैं, ये खास है.

बाइक- ट्रैक्टर को टकराने से तीन युवकों की मौत

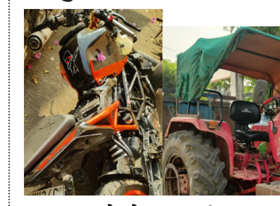

> हादसे में सावली, मूल, गोंडपिंपरी युवकों का समावेश

सावली. सावली तहसील के बोथली हिरापुर मार्ग पर मार्कंडेय विद्यालय के सामने हुए हादसे में दो की घटनास्थल पर ही मौत तो एक जण गंभीर जखमी होने की घटना बुधवार 27 नवम्बर की रात 9.30 बजे के दौरान घटी. मृतकों में हर्षद संदिप दंडावार 18, साहिल नंदु गणेशकर 20 की मौत हो गई. तो साहिल अशोक कोसमशिले 21 यह गंभीर जखमी हो गयी.

जखमी को गढ़चिरोली सरकारी अस्पताल ले जाते समय मार्ग में उसकी भी मौत हो गई. तीनों युवक मूल तहसील के बोरचांदली, गोंडपिपरी तहसील के भंगाराम तलोधी और सावली तहसील के बोथली के निवासी है. केटीएम कंपनी की एमएच 34 सीएल 3229 पर सवार हर्षद दंडावार, साहिल गणेशकर, साहिल कोसमशिले यह उसी सडक से रात के 9.30 बजे गुजर रहे थे. उस समय उनकी बाईक तेज रफ्तार से थी.

नल कनेक्शन धारक बिल का भुगतान करने में उदासीन

चंद्रपुर. चंद्रपुर महानगर पालिका के माध्यम से शहर के सभी नल कनेक्शनों पर जल मीटर लगाए गए हैं और उनका उपयोग जनवरी महीने से सीधे किया जा रहा है. हालाँकि, इस तथ्य के बावजूद कि घर पर पानी उपलब्ध है, इस तथ्य के कारण कि कई नागरिक अपने पानी के बिलों का भुगतान करने में चूक कर रहे हैं, ऐसी संभावना है कि बड़ी मात्रा में बकाया बढ जाएगा और जल आपूर्ति योजना भी प्रभावित होगी. चंद्रपुर शहर को 16 जलकुंभों के माध्यम से ईरई नदी और बांध से पानी उठाकर, इसे रामनगर और तुकुम में जल शुध्दिकरण संयंत्र में प्रक्रिया करके पानी की आपूर्ति की जाती है.

शहर की जरूरत को देखते हुए नगर पालिका द्वारा वर्तमान में प्रतिदिन 42 मिलियन लीटर पानी वितरित किया जाता है. अमृत योजना शुरू होने से पहले शहर में 35 हजार अधिकृत नल कनेक्शन थे, अमृत योजना के तहत इसे बढ़ाकर 62 हजार नल कनेक्शन कर दिया गया है. परंतु नलों से पानी नहीं आने, कम पानी आने या पानी का प्रेशर कम होने की शिकायतें धारकों की ओर से मिल रही थी. निरीक्षण करने पर पाया गया कि कई स्थानों पर बेवजह नल चालू रखने, वाहन धोने के लिए बड़ी मात्रा में पानी का उपयोग करने जैसी लापरवाही के कारण पानी की आपूर्ति प्रभावित हुई. यह सुनिश्चित करने के लिए कि सभी को आवश्यक मात्रा में पानी मिले, पानी की बर्बादी को रोकना आवश्यक था. मीटर लगाने से पहले, नल कनेक्शन धारकों से वार्षिक जल कर वसूला जाता था और इसे सभी पर समान रूप से लागू किया जाता था, जिससे प्रत्येक व्यक्ति द्वारा उपभोग किए गए पानी की मात्रा का अनुमान लगाना मुश्किल हो जाता था. नागरिकों के आग्रह पर 'जितना पानी खर्च उतना भुगतान' के फार्मूले के अनुसार महानगर पालिका ने अपने खर्चे पर घर-घर मीटर लगवाये गये. महानगर पालिका द्वारा अब तक 50,891 घरों में मीटर लगाया गया है और उनमें से केवल 14 प्रतिशत नल धारकों द्वारा भुगतान किया गया है.

तलवार की धोस दिखानेवाले 2 युवक गिरफ्तार

> रामनगर पुलिस की कार्रवाई

चंद्रपुर.

बंगाली कैम्प परिसर के मुक्ति कालनी के सार्वजनिक रोड पर 2 युवक हाथ में तलावार का धोस दिखाकर लोगों में भय निर्माण करने की जानकारी रामनगर पुलिस को मिली. पुलिस ने कार्रवाई में 2 युवको से 2 हजार रूपए की 2 तलवार, चाकु और छुरा जब्त किया. आरोपीयों में राजेश उर्फ पागड्या जानकीराम शिवनकर 40 और अनिल गोरखनाथ सिंग 32 का समावेश है. सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार, अष्टभूजा वार्ड के दोनों युवक राजेश उर्फ पागड्या जानकीराम शिवनकर 40 और अनिल गोरखनाथ सिंग 32 यह मुक्ति कालनी के सार्वजनिक रोड पर तलवार लेकर लोगों में दहशत निर्माण करने की जानकारी रामनगर पुलिस को मिली.

मामले की गंभीरता को ध्यान में लेकर जिला पुलिस अधिक्षक मुम्मका सुदर्शन, अपर पुलिस अधिक्षक रिना जनबंधु के मार्गदर्शन में एसडीपीओ सुधाकर यादव एवं रामनगर पुलिस स्टेशन के पुलिस निरिक्षक आसिफ राजा शेख ने अपराध विभाग के साथ घटनास्थल पहुचकर आरोपी राजेश उर्फ पागड्या जानकीराम शिवनकर 40 और अनिल गोरखनाथ सिंग 32 को हिरासत में लेकर राजेश शिवनकर से एक स्थिल की मुठवाली धारदार तलवार और चाकु ऐसा कुल 1500 रूपए का तो अनिल सिंग से धारदार तलवार और छुरा ऐसा 500 रूपए का माल जब्त किया. दोनों से पुलिस ने 2000 का माल जब्त किया. पुलिस ने दोनों आरोपीयों पर अपराध दर्ज किया है ओर पुलिस अधिक जांच कर रही है.

सिटाडेल हनी बनी' सक्सेस पार्टी में उमड़ा बॉलीवुड

बीती रात मुंबई में सिटाडेल हनी बनी सीरीज की सक्सेस पार्टी होस्ट की गई थी. विराट कोहली के रेस्टोरेंट वन 8 कम्यून में होस्ट की गई पार्टी में बी टाउन के कई सितारे पहुंचे थे.

वरुण धवन और सामंथा रुथ प्रभु ने अमेरिकी टेलीविजन सीरीज, सिटाडेल के हिंदी स्पिन-ऑफ में काम किया जब से प्राइम वीडियो पर सीरीज का प्रीमियर हुआ है, इसे फैंस से काफी पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिला है. शो के रिलीज होने के कुछ हफ्तों बाद, टीम ने सिटाडेल: हनी बन्नी की सक्सेस का जश्न मनाने के लिए मुंबई में सितारों से सजी एक पार्टी होस्ट की. इस पार्टी में वरुण, सामंथा, नताशा दलाल, वामिका गब्बी और कई अन्य बी-टाउन सितारे शामिल हुए.

एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु अपनी सीरीज की सक्सेस पार्टी में काफी स्टाइलिश अंदाज में पहुंची थीं. सामंथा ब्लैक कलर की पैंट के साथ ब्लिंगी बेज कलर के टॉप में काफी ग्लैमरस लग रही थीं. इस दौरान एक्ट्रेस ने अपने बालों को ओपन रखा था और मिनिमल मेकअप किया हुआ था. द फैमिली मैन: सीजन 2 की अभिनेत्री ने हाई हील्स और एक एक्सपेंसिव हैंडबैग के साथ अपने लुक को कंप्लीट किया था.

अपनी सीरीज की सक्सेस बैश में वरुण धवन एक शाइनी ब्लू शर्ट में स्टाइलिश दिखे, जिसे उन्होंने ब्लैक जैकेट और बेज पैंट के साथ पेयर किया था. वह इस इवेंट में अपनी पत्नी नताशा दलाल के साथ पहुंचे थे. इस दौरान वरुण धवन की पत्नी नताशा ब्लैक ड्रेस में काफी स्टनिंग लग रही थीं.

सामंथा और वरुण ने अपनी सीरीज के डायरेक्टर राज और डीके के संग भी पोज दिए. पार्टी में होस्ट और एक्टर मनीष पॉल भी ब्लू शर्ट और मैचिंग पैंट में स्टाइलिश अंदाज में पहुंचे थे. जयदीप अहलावत ने भी सिटाडेल हनी बनी की सक्सेस पार्टी में शिरकत की थी.जयदीप इस दौरान येलो टीशर्ट और व्हाइट पैंट के साथ मैचिंग शूज में डैशिंग लग रहे थे.

अवनीत कौर भी वनपीस ड्रेस में पार्टी में पहुंची थीं. स्त्री 2 एक्टर अभिषेक बनर्जी भी ब्लिंगी ब्लैक शर्ट और मैचिंग पैंट में काफी फैशनेबल लग रहे थे. अभिषेक बच्चन संग रिलेशनशिप के रूमर्स को लेकर सुर्खियां बटोर रहीं निमरत कौर भी ब्लैक कलर की ड्रेस पहन पार्टी में पहुंची थीं. निमरत काफी स्टाइलिश लग रही थीं.

रिया सेन को पिता की मौत का नहीं है अफसोस

बॉलीवुड इंडस्ट्री में पिछले कुछ महीनों ने कई स्टार्स ने अपने पिता को खो दिया है. मलाइका अरोड़ा, हिमेश रेशमिया के बाद 90's की एक एक्ट्रेस के पिता की भी मौत हो गई है. पिता को खोने के बाद से ही ये एक्ट्रेस गम में डूबी हुई है. वहीं, अब 10 दिन बाद एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर बताया है कि उन्हें इसका कोई अफसोस नहीं है कि उनके पिता इस दुनिया से चले गए है.

एक्ट्रेस रिया सेन ने 10 दिन पहले ही अपने पिता को खो दिया है. वहीं, एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम पर पिता भरत देव वर्मा के साथ फोटो शेयर की और एक इमोशनल नोट लिखा. एक्ट्रेस ने कहा- 'जब डैड हमें छोड़कर चले जाते हैं, तो उसका असर हमारे दिलों और यादों में रहता है. उन्होंने जो सबक सिखाए और जो प्यार दिया वो हमारा मार्गदर्शन करता रहेगा. मुझे हमेशा खुशी होगी कि मैं उनके अच्छे-बुरे समय में उनके साथ रह सकी. मैं जितना कर सकी उनकी देखभाल की. यहां तक कि जब मैं दुखी भी होती थी, तो उनके लिए स्माइल करती थी.'

रिया ने अपने पोस्ट में आगे कहा कि पिता के जाने से उन्हें अफसोस नहीं है. उन्होंने लिखा- 'अब मुझे इस बात का कोई अफसोस नहीं है कि वो चले गए. भगवान महान हैं, क्योंकि उनका जाना भी ग्रेसफुल, ब्यूटीफुल और स्मूथ था. सब कुछ किस्मत में लिखा होता है और ऐसा सच्चे लोगों के साथ होता है. मुझे सबसे ज्यादा इस बात ने छुआ कि उनके जाने के बाद कई-कई साल पहले के उनके स्टाफ एक-एक करके हमारे पास आए और मिले. वो दुनिया के सबसे दयालु, उदार, फन लविंग और खुशमिजाज डैड थे, उन्होंने किंग साइज जिंदगी जी है.

बेटी से अलग होने का सोच कर इमोशनल हुए अभिषेक

बॉलीवुड एक्टर अभिषेक बच्चन पिछले कुछ समय से ऐश्वर्या राय संग अपने तलाक को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं. रिपोर्ट्स की मानें तो दोनों के बीच कुछ भी ठीक नहीं चल रहा है और यह दोनों फिलहाल अलग रह रहे हैं. हालांकि तलाक के रूमर्स पर अभी तक ना तो अभिषेक और ना ही ऐश्वर्या राय का कोई रिएक्शन आया है.

अब इसी बीच एक्टर की नई मूवी 'आई वॉन्ट टू टॉक' रिलीज हुई है, जिसकी कहानी लोगों के दिलों को छू रही है. इस फिल्म को सुजीत सरकार ने डायरेक्ट किया है. अब हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान सूजीत ने बताया कि कैसे अभिषेक बच्चन इस फिल्म की शूटिंग के दौरान इमोशनल हो गए थे.

फिल्ममेकर सुजीत सरकार ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान 'आई वॉन्ट टू टॉक' का शूटिंग एक्सपीरियंस साझा किया. इस दौरान उन्होंने कहा, 'इस फिल्म में पिता और बेटा का बॉन्ड दिखाया गया है, जिसने कहीं ना कहीं उनके साथ व्यक्तिगत जुड़ाव पैदा किया. अभिषेक एक 13 साल की बेटी के पिता हैं. कई ऐसे सीन थे, जहां अभिषेक इमोशनल हो गए थे क्योंकि मेरी भी बेटियां हैं और उसकी भी बेटी हैं. कहीं ना कहीं वो रिफ्लेक्ट करने ना उसके काम में.' बता दें कि सुजीत सरकार ने यह इंटरव्यू सिद्धार्थ कानन के यूट्यूब चैनल को दिया है.

सुजीत सरकार ने आगे इंटरव्यू में बताया कि कई सीन्स के दौरान अभिषेक बच्चन अपनी असली बेटी आराध्या से अलग होने के बारे में सोचते थे. उन्होंने कहा, 'मुझे पता था कि कभी-कभी वह इमोशनल हो जाते हैं लेकिन उन्होंने मुझे नहीं बताया. लेकिन मुझे पता है कि इससे उन्हें फर्क पड़ा था.'

व्हाइट लहंगे में बला की खूबसूरत दिखी अवनीत

टीवी की फेमस एक्ट्रेस अवनीत कौर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. वह अक्सर अपने फोटोज और वीडियोज इंटरनेट पर साझा करती हैं, जो आते ही छा जाते हैं. बोल्डनेस के मामले में अवनीत उर्फी जावेद को भी मात देती हैं. अब हाल ही में एक्ट्रेस ने लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें अवनीत कौर ऑफ व्हाइट लहंगा पहनें दिख रही हैं. इन तस्वीरों में अवनीत का लुक देख फैंस लट्टू हो गए हैं.

इन तस्वीरों में अवनीत कौर ऑफ व्हाइट कलर का लहंगा पहनें दिख रही हैं, जिसमें वह बला की खूबसूरत लग रही हैं. इसके साथ ही एक्ट्रेस ने गले में हैवी नेकलेस भी पहना है. इस ऑफ व्हाइट लहंगे के साथ एक्ट्रेस अवनीत कौर ने गले में हैवी नेकलेस पहना है और इसी के साथ उन्होंने खूबसूरत मांग टीका भी लगाया हुआ है. इस आउटफिट में अवनीत कौर अपना क्लीवेज फ्लॉन्ट कर रही हैं. एक्ट्रेस की यह तस्वीरें आते ही सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल गई हैं. इस तस्वीर में अवनीत कौर मिरर सेल्फी ले रही हैं. इन तस्वीरों को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने 'यह एक झांसा है.' अवनीत के इन फोटोज पर लोग जमकर रिएक्ट कर रहे हैं.

दुआ लीपा कंसर्ट के लिए पहुंची मुंबई

ग्रैमी अवॉर्ड विनर सिंगर दुआ लिपा हाल ही में इंडिया पहुंची हैं. दरअसल उनका मुंबई में इस हफ्ते एक बहुत बड़ा कॉन्सर्ट होने वाला है. इसके लिए सिंगर वीरवार के सुबह यहां पहुंच चुकी हैं. दुआ लिपा इस हफ्ते मुंबई में अपने कॉन्सर्ट के जरिए धमाल मचाने वाली हैं. इसके लिए वो वीरवार की सुबह मुंबई पहुंची हैं.

दुआ लीपा की तस्वीरें मुंबई के प्राइवेट एयरपोर्ट की हैं. जहां वो काफी कूल लुक में नजर आई हैं. दुआ लीपा एयरपोर्ट पर येलो टी शर्ट में नजर आई. तस्वीरों में वो अपनी गाड़ी में बैठती हुई दिखाई दे रही हैं. बता दें कि दुआ ज़ोमैटो फीडिंग इंडिया कॉन्सर्ट 2024 के लिए मुंबई आए हैं. सिंगर दुआ का ये कॉन्सर्ट कल 30 नवंबर को मुंबई के बीकेसी में होने वाला है. दुआ लीपा इससे पहले भी इंडिया में परफॉर्म कर चुकी हैं. वहीं साल 2023 में वो राजस्थान में घूमने के लिए भी आई थी.

'दोमुंही'- कंट्रोवर्सी से भरपूर रूपाली गांगुली की कहानी

रूपाली गांगुली के किरदार 'अनुपमा' से करोड़ो लोग प्यार करते हैं. असल जिंदगी में भी जिस तरह से बेजुबान जानवरों से रुपाली प्यार करती हैं, उनकी मदद करती हैं, उसे देखकर कई लोग उनसे प्रेरणा लेते हैं. लेकिन जब इंसान लोक्रपियाता के शिखर पर पहुंच जाता है, तब उससे जुड़े विवाद भी तेजी से बढ़ जाते हैं. रूपाली गांगुली भी इन विवादों से बच नहीं पाई हैं. अनुपमा के हिट होने के बाद जब रूपाली लाइमलाइट में आईं तब प्रोफेशनल और पर्सनल दोनों तरफ से उन पर कई इल्जाम लगाए गए. तो आइए आपकी 'अनुपमा' से जुड़ी कंट्रोवर्सी पर एक नजर डालते हैं.

रूपाली गांगुली की सौतेली बेटी ईशा वर्मा का फेसबुक पर किया हुआ एक पोस्ट वायरल हो गया था. इस पोस्ट में ईशा ने रूपाली गांगुली पर कई गंभीर आरोप लगाए थे. उन्होंने दावा किया था कि रूपाली की असल कहानी उनके किरदार से पूरी तरह से अलग है. उनका ईशा के पिता अश्विन वर्मा (जो अभी रूपाली के पति हैं) तब अफेयर था, जब वो शादीशुदा थे. अश्विन की पिछली शादी से दो बेटियां हैं. ईशा ने रूपाली को एक दुष्ट और कंट्रोलिंग औरत कहते हुए उन पर इल्जाम लगाया था कि उन्होंने ईशा और उसकी बहन को अपने पिता से अलग करने की कोशिश की थी. हालांकि ईशा के इन इल्जामों को उनके पिता आश्विन ने पूरी तरह से गलत बता दिया था और रूपाली की तरफ से ईशा पर 50 करोड़ का मानहानि का मुकदमा दाखिल किया गया था. हाल ही में एक पॉडकास्ट में,रूपाली गांगुली के ऑनस्क्रीन बेटे 'समर' का किरदार निभाने वाले एक्टर पारस ने बिना नाम लिए अपनी को-स्टार पर ये इल्जाम लगाया था कि मेरे सीन काट दिए गए.

इस पॉडकास्ट में रुपाली गांगुली की ऑनस्क्रीन बहू का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस निधि भी शामिल थीं. उन्होंने भी पारस की बात को पूरा करते हुए कहा था, मैं भी इससे गुजर चुकी हूं; कपड़े और बालों को लेकर मुद्दे थे. बोला जाता था कि ऑडियंस सवाल करेगी कि मुझे इतने अच्छे कपड़े वगैरह क्यों मिल रहे हैं." भले ही निधि और पारस दोनों ही रुपाली का नाम लेने से बच रहे थे. लेकिन फैन्स का दावा था कि वे दोनों रूपाली के बारे में ही बात कर रहे हैं.

बॉलीवुड की एंजेलिना जोली कहलाती है ईशा गुप्ता

एक्ट्रेस ईशा गुप्ता जितनी बोल्ड अपने फिल्मी पर्दे पर नजर आती हैं उतनी ही वह अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर भी दिखा करती हैं. सोशल मीडिया पर उनकी फोटो काफी ज्यादा वायरल होती है. एक्ट्रेस को ग्लैमरस एक्ट्रेस का टैग भी मिला हुआ है. . एक्ट्रेस ने अपने कातिलाना अंदाज और ग्लैमरस फोटो से सबको अपनी तरफ आकर्षित किया हुआ है. एक्ट्रेस को एक्टिंग से ज्यादा बोल्डनेस और ग्लैमरस के लिए जाना जाता है.

2007 में ईशा ने फेमिना मिस इंडिया में हिस्सा लिया था और तीसरे नम्बर पर रही थीं. 2007 में ही ईशा ने मिस इंडिया इंटरनेशनल में भाग लिया और टाइटल जीता. इसके बाद वे मॉडलिंग की दुनिया में छा गईं और किंगफिशर कैलेंडर का भी हिस्सा बनीं.

2012 में महेश भट्ट की फिल्म 'जन्नत 2' से ईशा ने फिल्मी करियर की शुरुआत की. इमरान हाशमी के अपोजिट ईशा ने फिल्म में अपना बोल्ड अंदाज दिखाया था.2013 में वह फिल्म 'गोरी तेरे प्यार में' और 2014 में वे फिल्म 'हमशक्ल' में नजर आईं. इन फिल्मों में भी ईशा ग्लैम अंदाज दिखा और उन्हें बोल्ड एक्ट्रेस में शुमार किया जाने लगा.

ईशा का मानना है कि जिस

ईशा सिंह और अविनाश मिश्रा की दोस्ती में पड़ी फूट!

बिग बॉस 18 के घर में कई तरह के रिश्ते देखने को मिलते हैं. लेकिन इन रिश्तों में जिस पर दर्शकों की सबसे ज्यादा नजर रहती है, वो रिश्ते दोस्ती और दुश्मनी के ज्यादा होते हैं. इस सीजन की शुरुआत से ही अविनाश मिश्रा, एलिस और ईशा सिंह की दोस्ती सभी की नजरों में बनी हुई थी. इन तीनों ने एक साथ ही अपना खेल खेला है. हालांकि इनके ग्रुप का हिस्सा विवियन डीसेना भी हैं. लेकिन ईशा और अविनाश एक-दूसरे के ज्यादा क्लोज नजर आते हैं.

इस हफ्ते अपनी दोस्ती निभाते हुए अविनाश ने ईशा को सेफ करते हुए खुद को नॉमिनेट किया. वहीं ईशा के लिए टाइम गॉड के टास्क में आखिर तक लड़ते रहे और उन्हें घर की नई टाइम गॉड भी बनाया. अब लगता है कि ईशा चाहती हैं कि वो हर मामले में अविनाश की टॉप प्रायोरिटी में रहें.

लेकिन अविनाश साफ कह चुके हैं कि उनके लिए गेम पहले हैं और गेम में वो पहले हैं. वहीं, ईशा भी ये बात जानती हैं, लेकिन फिर भी वो पता नहीं क्या चाहती हैं.

बिग बॉस 18 के नए प्रोमो में देखा जा सकता है कि ईशा और अविनाश के प्रायोरिटी के लेकर झगड़ा होता है, जहां वो रोती हुई भी नजर आती हैं. ईशा प्रोमो में कहती हुई नजर आ रही हैं कि इस घर में हम एक यूनिट हैं.ये बात सुनकर अविनाश कहते हैं कि हम एक यूनिट नहीं हैं. ईशा आगे कहती हैं, तूने फेवर किया है आजतक. जवाब में अविनाश कहते हैं कि तूने मेरे लिए कुछ किया, मैं तुम्हारे लिए कुछ किया. ये सुनकर ईशा वहां से उठकर चली जाती हैं.

ईशा बाथरूम में जाकर रोने लगती हैं और वो रोते हुए अविनाश से कहती हैं कि तुम लोगों को बस गेम-गेम खेलना हैं. ईशा इरिटेड होने लगती हैं और अविनाश भी उनसे यही कहते हैं. अविनाश अंत में उनसे कहते हैं कि तुम बहुत गलत जा रही हो. वहीं ईशा सिर्फ रोती रहती हैं. दोनों दोस्तों के बीच पड़ी ये दरार अब कैसे ठीक होती है, ये देखना मजेदार होगा.

आज एडिलेड में डे-नाइट का दूसरा टेस्ट

भारतीय टीम वार्मअप मैच प्राइम मिनिस्टर 11 के खिलाफ खेलेगी

कैनबरा.

ऑस्ट्रेलिया प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ शनिवार से मानुका ओवल पर शुरू हो रहे दो दिवसीय अभ्यास मैच में भारतीय टीम एडिलेड में डे-नाइट के टेस्ट से पहले अपना बल्लेबाजी संयोजन तय करने के इरादे से उतरेगी। भारत ने अब तक दिन रात के चार टेस्ट खेले हैं और एकमात्र पराजय चार साल पहले एडिलेड में मिली जब टीम 36 रन पर आउट हो गई थी। इसके बाद हालांकि भारत ने वापसी करके चार टेस्ट मैचों की श्रृंखला जीती थी। यह मुकाबला भारतीय समयानुसार सुबह 9:10 बजे शुरू होगा।

रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल सलामी बल्लेबाज हैं लेकिन पर्थ टेस्ट में जायसवाल और केएल राहुल ने अच्छा प्रदर्शन किया। ऐसे में रोहित बल्लेबाजी क्रम में नीचे भी उतर सकते हैं। ऐसा होने पर गिल का क्रम भी बदलेगा। भारत को अभ्यास मैच में ही ये प्रयोग करने होंगे। यह दो दिवसीय मैच ही है जिसमें गेंदबाजों की बजाय बल्लेबाजों को अधिक अभ्यास की जरूरत है।

सरफराज खान जैसे बल्लेबाज भी हाथ आजमाना चाहेंगे हालांकि किसी के चोटिल होने की दशा में ही उन्हें मौका मिल सकता है। गिल ने नेट्स पर टीम के साथ अभ्यास किया। भारतीय टीम इस दौरे पर अभ्यास मैच नहीं खेल रही है क्योंकि अमूमन वे प्रतिस्पर्धी नहीं होते। प्रधानमंत्री एकादश टीम की कमान जैक एडवडर्स के हाथ में है। टीम में ऑस्ट्रेलिया के अंडर 19 स्टार चार्ली एंडरसन, माहली बीयर्डमेन, एडेन ओकोनोर और सैम कोंस्टास भी हैं।

गुलाबी गेंद सूर्यास्त के समय खेलना काफी चुनौतीपूर्ण होता है। चूंकि अभ्यास मैच को प्रथम श्रेणी मैच का दर्जा नहीं है लिहाजा भारत के अधिकांश बल्लेबाज अभ्यास करना चाहेंगे। पर्थ टेस्ट 295 रन से जीतने के बाद भारतीय टीम का मनोबल ऊंचा है। अपने दूसरे बच्चे के जन्म के कारण पहले टेस्ट से बाहर रहे कप्तान रोहित शर्मा और अंगूठे के फ्रेक्चर से उबरे शुभमन गिल टीम में लौटे हैं जिससे छह दिसंबर से शुरू हो रहे पहले टेस्ट के लिये बल्लेबाजी क्रम में बदलाव हो सकता है।

ईसीबी ने इंग्लिश खिलाड़ियों के पीएसएल खेलने पर लगाया बैन

नई दिल्ली.इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने पाकिस्तान क्रिकेट को तगड़ा झटका दिया है। दरअसल, ईसीबी ने अपने घरेलू सत्र के दौरान पाकिस्तान सुपर लीग, श्रीलंका प्रीमियर लीग और अन्य फ्रेंचाइजी लीग में अपने खिलाड़ियों के हिस्सा लेने पर प्रतिबंध लगा दिया है। इस फैसले की वजह काउंटी चैंपियनशिप, वाइटैलिटी ब्लास्ट और द हंड्रेड जैसी अपनी घरेलू प्रतियोगिताओं की गुणवत्ता और संपूर्णता को बनाए रखना है। हालांकि ईसीबी ने इंडियन प्रीमियर लीग के लिए अलग से नियम बनाए हैं। ईसीबी की यह नीति खिलाड़ियों को दो समानांतर लीग में हिस्सेदारी से रोकती है। उदाहरण के लिए, पहले खिलाड़ी अपनी टीमों के पहले इवेंट से बाहर होने के बाद दूसरे इवेंट में भाग ले सकते थे। हालांकि, अब यह संभव नहीं होगा। रिपोर्ट के मुताबिक, यह दिशा-निर्देश में केवल सफेद गेंद वाले अनुबंधों को अनुमति दी गई है, जैसे साकिब महमूद को पीएसएल और इस तरह की लीग में खेलने की अनुमति है। लेकिन बोर्ड के साथ अनुबंध वाले वे खिलाड़ी जिनके पास प्रथम श्रेणी क्रिकेट शामिल है। उन्हें ऐसी लीग में भाग लेने के लिए आवश्यक एनओसी नहीं दी जाएगी। ईसीबी ने विदेशी टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा करने के लिए.

पंजाब और मिजोरम के बीच मैच हुआ टाई

सुपर ओवर में पंजाब की टीम ने मारी बाजी

राजकोट.

सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी में पंजाब और मिजोरम के बीच हुए मैच में रोमांच की सारी हदें पार हुई है। दोनों टीमों के बीच खेला गया मुकाबला टाई पर समाप्त हुआ, जिसके बाद सुपर ओवर में नतीजा निकाला गया। हालांकि, सुपर ओवर के खेल में पंजाब की टीम ने बाजी मार ली, लेकिन मिजोरम ने अपने दमदार खेल से सितारों से सजी पंजाब की हालत खराब कर करके रख दी।

मुकाबले में मिजोरम की टीम को टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी का न्योता मिला था। मिजोरम ने शानदार फॉर्म में चल रहे अग्नी चोपड़ा और मोहित जांगड़ा के अर्धशतकीय पारी की मदद से निर्धारित 20 ओवर के खेल में 5 विकेट के नुकसान पर 176 रन का स्कोर खड़ा किया। इसके जवाब में पंजाब की टीम ने भी जैसे-तैसे 20 ओवर में 7 विकेट गंवाकर 176 रन बनाकर स्कोर को बराबर कर दिया।

स्कोर की बराबरी के बाद सुपर ओवर में पंजाब की टीम को पहले बल्लेबाजी का मौका था। पंजाब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 गेंद में 15 रन बनाए थे। ऐसे में मिजोरम के लिए सुपर ओवर के 6 गेंद में 16 रन बनाने थे। हालांकि, पंजाब सुपर ओवर को शानदार तरीके से डिफेंड किया और मिजोरम को सिर्फ 7 रन बनाने दिया। इस दौरान मिजोरम ने अपने 1 विकेट गंवाए। इस तरह सुपर ओवर के रोमांच में पंजाब ने मिजोरम को हरा दिया। मिजोरम के खिलाफ इस मुकाबले में विकेटकीपर बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह ने अपनी दमदार बैटिंग से पंजाब की इज्जत बचा ली। प्रभसिमरन सिंह अगर पंजाब के लिए क्रीज पर टिक कर बल्लेबाजी नहीं करते तो शायद पंजाब मैच को टाई नहीं करा पाती और सुपर में नतीजा उनके पक्ष में नहीं जाता था। पंजाब के लिए बल्लेबाजी में प्रभसिमरन सिंह ने 39 गेंद में 45 रन बनाए जबकि नमन धीर ने भी 41 रनों का अहम योगदान दिया।

तेलुगू टाइटंस ने यू मुंबा को 41-35 से दी मात

नई दिल्ली.

आशीष नरवाल और कप्तान विजय मलिक के शानदार प्रदर्शन के दम पर तेलुगू टाइटंस ने नोएडा इंडोर स्टेडियम में रिवेंज वीक के तहत गुरुवार को खेले गए प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के 11वें सीजन के 82वें मैच में यू मुंबा को 41-35 से हरा दिया। टाइटंस ने इस सीजन में मुंबा को दूसरी बार शिकस्त दी है।

तेलुगू टाइटंस की 14 मैचों में यह नौवीं जीत और टीम अब 48 अंकों के साथ दूसरे नंबर पर पहुंच गई है। यू मुंबा को 14 मैचों में पांचवीं हार झेलनी पड़ी है और टीम 46 अंकों के साथ तीसरे नंबर पर खिसक गई है। टाइटंस के लिए आशीष नरवाल और कप्तान विजय मलिक ने 10-10 अंक जुटाए जबकि सागर ने अपना हाई फाइव लगाया। वहीं, मुंबा के लिए मंजीत और अजित चौहान ने छह अंक अपने नाम किए।रिवेंज वीक पिछली हार का बदला लेने उतरी यू मुंबा ने तेलुगू टाइटंस को कड़ी चुनौती दी। पांच मिनट के खेल में स्कोर 5-5 से बराबर रहने के बाद आशीष नरवाल और विजय मलिक ने तेलुगू टाइटंस के लिए अंक बटोरने शुरू कर दिए। आशीष और मलिक के आगे मुंबा का डिफेंस चरमरा गया और आठवें मिनट तक टैकल में उसका खाता नहीं खुल पाया। पहले 10 मिनट के खेल में तेलुगू टाइटंस के खाते में कुल नौ अंक थे और इनमें से आठ अंक आशीष और विजय मलिक के थे। इन दोनों के दम पर टाइटंस 9-7 से आगे थी। इसके बाद ही तेलुगू टाइटंस ने यू मुंबा को ऑलआउट करके स्कोर को 13-7 तक पहुंचा दिया। मैच के 13वें मिनट में जाकर यू मुंबा ने डिफेंस में पहला अंक हासिल किया। लेकिन अगली ही मिनट में विजय मलिक ने सुपर रेड लगाकर टाइटंस की लीड को काफी मजबूत कर दिया। 15वें मिनट तक तेलुगू के पास 10 प्वाइंट की लीड थी और उसका स्कोर 18-8 का था। यू मुंबा 17वें मिनट में फिर से ऑलआउट हो गई.

शानदार प्रदर्शन के बावजूद केएल राहुल का पत्ता कटा

डे-नाइट टेस्ट में रोहित शर्मा करेंगे सलामी बल्लेबाजी

नई दिल्ली. ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ टेस्ट मैच में नहीं खेलने वाले भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के आगामी मुकाबलों के लिए अभ्यास करना शुरू कर दिया है। भारतीय टीम छह दिसंबर से एडिलेड टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया से डे-नाइट टेस्ट मैच खेलने के लिए उतरेगी। सूत्रों के मुताबिक, इस टेस्ट मैच में रोहित शर्मा बतौर सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के साथ उतरेंगे। भारतीय टीम शनिवार से प्राइम मिनिस्टर इलेवन के खिलाफ पिंक बॉल से दो दिवसीय अभ्यास

मैच खेलने के लिए उतरेगी। इस मैच में सभी की नजरें रोहित शर्मा पर रहेंगी जो लय में आने की कोशिश करेंगे। खराब फॉर्म से जूझ रहे रोहित फिलहाल पिंक बॉल से नेट्स पर जमकर अभ्यास कर रहे हैं।

एक रिपोर्ट के तहत, रोहित शर्मा की प्लेइंग 11 में वापसी करने के बाद केएल राहुल को नंबर तीन पर बल्लेबाजी के लिए उतारा जाएगा। पर्थ टेस्ट में रोहित की अनुपस्थिति में केएल राहुल और जायसवाल ने ओपनिंग की थी और दूसरी पारी में 200 रन से ज्यादा की साझेदारी की थी।

ऑस्ट्रेलिया ने तस्मानिया के ऑलराउंडर बो वेबस्टर को मिचेल मार्श के कवर के रूप में भारत के खिलाफ आगामी टेस्ट के लिए टीम में जगह दी है।

मार्श पहले टेस्ट मैच के दौरान चोटिल हो गए थे और उनकी फिटनेस पर संदेह बना हुआ है। वेबस्टर ने इंडिया-ए के खिलाफ दो अनौपचारिक टेस्ट सीरीज में 72.50 की औसत से 145 रन बनाए थे। उन्होंने सात विकेट भी चटकाए हैं। इसके अलावा उन्होंने हाल में शेफील्ड शील्ड मैच में न्यू साउथ वेल्स के खिलाफ 61 और 49 का स्कोर बनाने के साथ-साथ पांच विकेट भी लिए। वह ऑस्ट्रेलिया के सर्वश्रेष्ठ स्लिप क्षेत्ररक्षकों में से भी एक हैं।

चोटिल शुभमन गिल की वापसी मुश्किल

अंगूठे की चोट से जूझ रहे बल्लेबाज शुभमन गिल का दूसरे टेस्ट मैच में खेलना भी मुश्किल लग रहा है। गिल का अभ्यास मैच खेलने पर भी संशय है। सूत्रों के मुताबिक, गिल ने अभी तक नेट्स पर पूरी तरह से बल्लेबाजी शुरू नहीं की है। उन्हें मैदान पर उतरने में काफी वक्त लगेगा।

लिवरपूल ने आठ मैच बाद रियाल मैड्रिड को हराया

नई दिल्ली.

इंग्लैंड के शीर्ष फुटबॉल क्लब लिवरपूल ने युईएफए चैंपियंस लीग में अपना विजय अभियान जारी रखते हुए मौजूदा चैंपियन रियाल मैड्रिड को 2-0 से हरा दिया। लिवरपूल की इस सीजन चैंपियंस लीग में यह लगातार पांचवीं जीत है और वह 15 अंकों के साथ शीर्ष पर कायम है। इतना ही नहीं लिवरपूल ने लीग में आठ मैचों के बाद रियाल मैड्रिड पर जीत दर्ज की है। इससे पहले खेले गए आठ में से सात मुकाबलों में उसे हार मिली थी, जबकि एक मैच ड्रॉ रहा था। इस बीच दोनों टीमें 2017-18 सत्र के फाइनल में भी भिड़ी थीं, तब रियाल मैड्रिड ने लिवरपूल को 3-1 से शिकस्त दी

थी। लेकिन 15 साल बाद आखिरकार लिवरपूल ने रियाल मैड्रिड के खिलाफ अपनी पहली जीत दर्ज की।

मैच में दोनों ही टीमों को पेनल्टी पर बढ़त बनाने का मौका मिला था, लेकिन उन्होंने इसे गंवा दिया। पहला हाफ गोलरहित रहने के बाद लिवरपूल ने 52वें मिनट में कॉनर ब्रैडली के पास पर एलेक्सिस मैक एलिस्टर ने गोल कर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद काओमहिन केलेहर ने रियल मैड्रिड के स्टार खिलाड़ी किलियन म्बाप्पे द्वारा किए गए पेनल्टी शॉट को शानदार ढंग से बचा लिया। इस बीच लिवरपूल के मोहम्मद सलाह भी अपनी पेनल्टी चूक गए, लेकिन कोडी गाकपो ने 76वें मिनट में शानदार गोल कर टीम को 2-0 की बढ़त दिला दी जो अंत तक कायम रही। इसके बाद रियल मैड्रिड की ओर से कोई और गोल नहीं आया, और लिवरपूल ने अपनी बेहतरीन टीम खेल के दम पर मैच जीत लिया। एक अन्य मैच में बोरुसिया डॉर्टमंड ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए डिनामो जाग्रेब को 3-0 से हराकर चैंपियंस लीग के अंतिम-16 में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है।

गत चैंपियन भारत का विजयी आगाज

मस्कट.

गत चैंपियन भारत ने बुधवार को यहां जूनियर पुरुष एशिया कप में अपने अभियान की शानदार शुरुआत करते हुए पूल ए के एकतरफा मुकाबले में थाईलैंड को 11-0 से रौंद दिया। पूल ए में भारत और थाईलैंड के अलावा चीनी ताइपे, जापान और दक्षिण कोरिया शामिल हैं। पूल बी में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान, मलेशिया, बांग्लादेश, मेजबान ओमान और चीन शामिल हैं।

भारत के लिए अरिजीत सिंह हुंडाल (दूसरे मिनट, 24वें मिनट), अर्शदीप सिंह

(आठवें मिनट), गुरजोत सिंह (18वें, 45वें मिनट), सौरभ आनंद कुशवाहा (19वें, 52वें मिनट), दिलराज सिंह (21वें मिनट) और मुकेश टोप्पो (59वें मिनट) ने मैदानी गोल दागे। शारदा नंद तिवारी (10वें मिनट) ने पेनल्टी कॉर्नर से गोल दागा जबकि रोहित (29वें मिनट) ने पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में तब्दील किया।

नीलामी में नहीं बिका तो क्रिकेटर ने ले लिया संन्यास

नई दिल्ली.

भारत के लिए वर्ष 2018-19 में खेलने वाले तेज गेंदबाज सिद्धार्थ कौल ने भारतीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। कौल विदेश में खेलने का खुलासा करते हुए से कहा, “मुझे लगता है कि मेरे अंदर अभी भी 3-4 साल का क्रिकेट बचा है। मैं अपने करियर की ऊंचाई पर छोड़ना चाहता था, जब मेरी फिटनेस और प्रदर्शन शीर्ष पर थे, ऐसे नहीं कि जब फिटनेस के कारण या प्रदर्शन नहीं करने की वजह से मुझे जाना पड़े।”

सिद्धार्थ कौल ने कहा, “अगर आप मेरा 9-10 सालों का ग्राफ देखेंगे तो, मैंने सभी प्रारूपों में अच्छा किया है। तो मुझे लगता था कि यह छोड़ने का सही समय था। उम्मीद है मैं आगे बढ़ूंगा जो भी मौक़ा मिले चाहे काउंटी क्रिकेट (इन गर्मियों में वह नॉर्थैम्प्टनशायर के लिए तीन डिवीजन 2 चैंपियनशिप मैच खेले, जहां उन्होंने 29.84 की औसत से 13 विकेट लिए), हो या लीजेंड लीग

हो, एमएलसी हो या और कुछ भी। अगर मुझे अवसर मिलता है तो मैं यहां खेलना चाहता हूं।”

कौल ने भारत के लिए जून 2018 से फरवरी 2019 के बीच तीन टी-20 और तीन वनडे मैच खेले। उन्होंने वर्ष 2023-24 सत्र में पंजाब को पहली सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी जिताने में मदद की थी। उन्होंने 10 मैच में 16 विकेट लिए थे और वह टूर्नामेंट में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज थे। विजय हजारे ट्रॉफी में भी उन्होंने पंजाब के लिए सबसे अधिक छह मैचों में 19 विकेट लिए। हाल में कौल पंजाब के लिए रणजी ट्रॉफी 2024-25 सत्र के पहला चरण खेले थे, जहां वह दो मैचों में कोई विकेट नहीं ले पाए थे। 17 सालों के उनके करियर में उनके नाम 88 प्रथम श्रेणी मैचों में 26.77 की औसत से 297 विकेट हैं। इसके अलावा लिस्ट में उन्होंने 24.30 की औसत से 199 विकेट और टी-20 में 7.67 की इकॉनमी से 182 विकेट हैं। वह विजय हजारे (155 विकेट) और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (120) में पंजाब के लिए सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।कौल ने 17 साल की उम्र में पंजाब के लिए प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पदार्पण किया था और एक साल बाद वह तब सुर्खियों में आए जब वह विराट कोहली की अंडर-19 विश्व कप विजेता टीम का हिस्सा रहे। हालांकि कई कमर की चोट की वजह से वह पांच सालों तक उन्हें पीछे कर दिया। दिसंबर 2007 से फरवरी 2012 के बीच कौल सभी प्रारूपों में केवल छह घरेलू मैच खेल पाए। 2018 के इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए लगातार बेहतरीन प्रदर्शन करने के बाद उनको आयरलैंड दौरे पर टी-20 कैप मिली।

आईसीसी जरा संभलकर!

नई दिल्ली.

एक ओर जहां अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की शक्तिशाली बोर्ड आज अहम बैठक में अगले साल होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के लंबे समय से प्रतीक्षित कार्यक्रम को लेकर मुख्य चर्चा करने वाली है तो दूसरी ओर भारत सरकार की ओर से पहली बार पूरे मामले पर बयान आया है। चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी पाकिस्तान के पास है और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईसीसी को बता दिया है वह टीम को पाकिस्तान नहीं भेजेगा। पाकिस्तान दूसरी तरफ टूर्नामेंट को ‘हाइब्रिड’ मॉडल के तहत आयोजित नहीं करने पर अड़ा हुआ है।

आईसीसी बोर्ड की बैठक वर्चुअल तरीके से होगी और इसमें चैंपियंस ट्रॉफी के कार्यक्रम को लेकर कोई हल निकलने की संभावना है। आईसीसी के फैसले से ठीक पहले भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने एक लाइन में बड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ-साफ लहजे में कहा- भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने बयान जारी किया है। बोर्ड के अनुसार, पाकिस्तान में सुरक्षा संबंधित दिक्कते हैं, इसलिए टीम वहां (पाकिस्तान) नहीं जाएगी। हम इसी पर कायम हैं। इस बीच आईसीसी के सदस्य पीसीबी को यह समझाने की कोशिश कर रहे हैं कि भारत और पाकिस्तान के बीच मैच के बिना चैंपियंस ट्रॉफी की चमक फीकी पड़ जाएगी और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इससे बड़े पैमाने पर वित्तीय नुकसान होगा।इस मामले की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने कहा, ‘ इस समय ‘हाइब्रिड’ मॉडल सबसे अच्छा विकल्प है। हमें उम्मीद है कि टूर्नामेंट में शामिल सभी पक्ष टूर्नामेंट के हित में समझदारी भरा फैसला लेंगे। आईसीसी और प्रसारणकर्ता के बीच हुए अनुबंध के अनुसार संचालन संस्था से अपेक्षा की गई थी.

यूपी योद्धाज ने जयपुर पिंक पैंथर्स को हराया

नोएडा.

मेजबान यूपी योद्धाज ने नोएडा इंडोर स्टेडियम में रिवेंज वीक के तहत गुरुवार को खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के 81वें मैच में दो बार की चैंपियन जयपुर पिंक पैंथर्स 33-29 से हरा दिया। यूपी ने इसके साथ जीत के साथ घरेलू सीजन को अलविदा कहा यूपी योद्धाज की 14 मैचों में यह सातवीं जीत रही। इसके साथ ही टीम ने टॉप-6 में एंट्री कर ली है। वहीं, जयपुर पिंक पैंथर्स को 14 मैचों में छठी हार का स्वाद चखना पड़ा है।

मैच की बात करें तो इस सीजन में अपने घर में अपना आखिरी मुकाबला खेलने उतरी यूपी योद्धाज ने शुरुआती पांच मिनटों में जयपुर को बराबरी की कड़ी टक्कर दी। मुकाबले के दौरान स्कोर 5-5 से बराबर रहने के बाद दोनों टीमों ने अपने खेल को आक्रामक कर दिया। मुकाबले के नौवें मिनट में डू ऑर डाई में आए अर्जुन देशवाल ने बोनस प्वॉइंट ले लिए। इसके बाद यूपी ने लगातार अंक लेकर पहले 10 मिनट के खेल में अपनी बढ़त को तीन अंकों तक पहुंचा दिया। अगले ही मिनट में यूपी योद्धाज ने जयपुर पिंक पैंथर्स को ऑलआउट करके स्कोर को 15-8 का कर दिया।

ऑलआउट होने के बाद यूपी की बढ़त अब धीरे-धीरे कम हो रही थी कि तभी उसने 15वें मिनट में सुपर टैकल करके फिर से अपनी बढ़त

को पांच अंकों की कर दी। यूपी ने 18वें मिनट में सुरेंदर गिल को मैट पर उतारा, लेकिन वह भी बाहर चले गए और टीम ऑलआउट की कगार पर पहुंच गई। जयपुर ने अगली ही रेड में यूपी को ऑलआउट कर दिया। पिंक पैंथर्स ने इसके साथ ही हाफ टाइम तक स्कोर को 20-19 से अपने पक्ष में कर लिया।दूसरे हाफ में भी दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। 25वें मिनट तक जयपुर के पास एक अंक की ही लीड थी। मैच के 27वें मिनट में गगन गौड़ा ने सुपर रेड लगाकर योद्धाज को 25-23 से आगे कर दिया। 30वें मिनट तक यूपी योद्धाज की लीड केवल एक प्वाइंट की रह गई थी। दो बार की चैंपियन जयपुर पिंक पैंथर्स ने अंतिम 10 मिनटों के खेल में शानदार कमबैक की। टीम की डिफेंस ने डू ऑर डाई में गगन गौड़ा को बाहर करके अपने नाम एक प्वाइंट और अर्जित कर लिया।

सांप के काटने के लेकर सरकार चिंतित

> केंद्र सरकार ने इस मामले को घोषित किया 'सूचित करने योग्य रोग'

नई दिल्ली.

सांप के काटने से सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं तेजी से बढ़ रही है। इसको लेकर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू) ने भारत में सांप के काटने के मामलों और इससे होने वाली मौतों को 'सूचित करने योग्य बीमारी' घोषित किया है। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार भारत में हर साल 3-4 मिलियन लोगों को सांप काटता है। वहीं इनमें से लगभग 50,000 लोगों की मौत हो जाती है। यह वैश्विक स्तर पर सांप काटने वाली मौतों का आधा हिस्सा है। हालांकि, इन मामलों की रिपोर्टिंग बहुत कम की जाती है।

केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) के स्वास्थ्य सचिवों को लिखे पत्र में कहा, "सांप काटना सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता का विषय है और कुछ मामलों में, यह मृत्यु, बीमारी और विकलांगता का कारण बनता है। किसान, आदिवासी

आबादी आदि इसके अधिक जोखिम में हैं। आपसे अनुरोध है कि राज्य सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिनियम या अन्य लागू कानून के तहत प्रासंगिक प्रावधानों के तहत सर्पदंश के मामलों और मौतों को 'सूचित करने योग्य रोग' (नोटिफिएबल डिजीज) बनाया जाए।" पत्र में सभी सरकारी और निजी स्वास्थ्य सुविधाओं (मेडिकल कॉलेजों सहित) से आग्रह किया गया है कि वे सभी संदिग्ध संभावित सर्पदंश मामलों और मौतों की रिपोर्ट संलग्न प्रारूप में देना अनिवार्य करें।

देश में लगभग 90 प्रतिशत सांप काटने के मामलों के लिए कॉमन क्रेट, इंडियन कोबरा, रसेल वाइपर और सॉ-स्केल्ड वाइपर जिम्मेदार हैं। हालांकि इन चारों के प्रति 'पॉलीवैलेंट एंटी-स्नेक वेनम' 80 प्रतिशत मामलों में प्रभावी है, लेकिन सर्पदंश के रोगियों के उपचार के लिए प्रशिक्षित मानव संसाधन और स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी चिंता का विषय बनी हुई है। अन्य प्रमुख बाधाएं बीमारी, मृत्यु दर, सामाजिक-आर्थिक बोझ, उपचार पैटर्न आदि पर डेटा की कमी हैं।

एक मजबूत निगरानी प्रणाली विकसित का आह्वान

इस योजना में सर्पदंश प्रबंधन, नियंत्रण और रोकथाम में शामिल हितधारकों की परिभाषित रणनीति, भूमिकाएं और जिम्मेदारियां शामिल हैं। एनएपीएसई का एक प्रमुख उद्देश्य देश में सर्पदंश के मामलों और मौतों की निगरानी को बढ़ावा देना है। श्रीवास्तव ने सांप काटने की घटनाओं और मौतों पर सटीक नजर रखने के लिए एक मजबूत निगरानी प्रणाली विकसित करने का आह्वान किया।

मार्च में, परिवार कल्याण मंत्रालय ने सर्पदंश की समस्या से निपटने के लिए सर्पदंश के रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्य योजना शुरू की थी।

श्रीवास्तव ने कहा कि कार्य योजना का उद्देश्य "वर्ष 2030 तक सर्पदंश से संबंधित मौतों को आधा करना" है।

अमेरिका के नए राष्ट्रपति अभी भी नहीं हैं सुरक्षित

वाशिंगटन. रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तारीफ करते हुए उन्हें एक अनुभवी और बुद्धिमान नेता बताया। हालांकि उन्होंने ट्रंप की सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने ट्रंप को सावधान रहने के लिए कहा है। कजाकिस्तान में एक शिखर सम्मेलन के बाद पत्रकारों से बात करते हुए पुतिन ने कहा कि उन्हें यह जानकर हैरानी हुई कि अमेरिका में चुनाव के दौरान ट्रंप के खिलाफ गहरी साजिश रची गई। उनपर जानलेवा हमला किया गया।पुतिन ने कहा कि जुलाई में पेंसिल्वेनिया में हमले के बाद सितंबर में फ्लोरिडा के एक गोल्फ कोर्स में एक व्यक्ति को ट्रंप की हत्या का प्रयास करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने कहा, "इस तरह की घटनाएं अमेरिका के इतिहास में दुर्भाग्य से पहले भी हुई हैं। मेरी राय में ट्रंप अभी भी पूरी तरह से सुरक्षित नहीं हैं।"

पुतिन ने ट्रंप के परिवार और बच्चों के खिलाफ चुनाव प्रचार के दौरान किए गए हमलों की भी निंदा की।

सीडब्ल्यूसी की बैठक में खरगे का गुरुमंत्र

> बोले- पहले से करनी होगी चुनावों की तैयारी

नई दिल्ली.

महाराष्ट्र चुनाव की हार के बाद कांग्रेस वर्किंग कमेटी की पहली मीटिंग हुई। इस मीटिंग में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आगामी चुनावों को देखते हुए कांग्रेसी कार्यकर्ताओं और नेताओं को कई गुरुमंत्र दिए। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि लोकसभा चुनावों में हमारा प्रदर्शन ठीक रहा था, लेकिन विधानसभा में हमारा प्रदर्शन औसत से भी नीचे रहा। इंडिया गठबंधन की पार्टियों ने दो राज्यों में सरकार बनाई लेकिन वह काफी नहीं है। हमें अपने प्रदर्शन को सुधारना होगा और साथ मिलकर काम करना होगा।

सोशल मीडिया साइट एक्स किए पोस्ट में खरगे ने प्रियंका गांधी और रवींद्र चव्हाण को लोकसभा में जीत की बधाई देते हुए कहा कि हमें अभी बहुत काम करने की जरूरत है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि हमें इन चुनावी नतीजों से सबक लेना होगा और अपनी खामियों को जल्दी से जल्दी दूर करने पर काम करना होगा।

कांग्रेस अध्यक्ष ने आगामी चुनावों को लेकर कार्यकर्ताओं से हालिया नतीजों से सीख लेने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि हमें हालिया नतीजों से सीख लेते हुए संगठन स्तर पर अपनी सभी कमियों को दूर करने की जरूरत है। सबसे अहम बात यह है कि हमें आपसी एकता को बनाए रखना होगा। हमें एक दूसरे के खिलाफ होने वाली बयानबाजी को बंद करना होगा। बिना इसके हम अपने राजनीतिक प्रतिद्वंदी को शिकस्त नहीं दे पाएंगे।

खड़गे ने कहा कि चुनाव के पहले महौल पार्टी के पक्ष में होना जीत की गारंटी नहीं है। हमें महौल को नतीजों में बदलना होगा। हमें उन कारणों को ढूंढना होगा कि आखिर क्यों हम माहौल को जीत में नहीं बदल पाए। हमें आगामी चुनावों की तैयारी करीब एक साल पहले से करने की जरूरत है।

हमें लगातार मेहनत करनी होगी। चुनावों के लिए वोटर लिस्ट बनने से लेकर नतीजे के दिन तक हमें सजग रहना होगा। हमारे कार्यकर्ताओं को पूरी मुस्तैदी और सजगता के साथ काम करना होगा।

मशाल जुलूस के दौरान बड़ा हादसा

> 50 लोग झुलसे, 12 की हालत गंभीर

खंडवा.

मध्य प्रदेश के खंडवा में मशाल जुलूस के दौरान हादसा हुआ है. जलती मशाल से तेल गिरने से आग बुरी तरह फैल गई. आग लगने से 50 लोग झुलस गए, जिनमें 12 की हालत गंभीर है। 26/11 के शहीदों के लिए श्रद्धांजलि सभा के दौरान हादसा हुआ. खंडवा के घंटाघर चौक पर गुरुवार रात मशाल जुलूस के दौरान ये हादसा हुआ. मशाल में तेल गिरने से आग बुरी तरह फैली, घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

इस घटना का वीडियो भी सामने आया है. आग भड़कने से भगदड़ के हालात बन गए. वीडियो में दिख रहा है कि लोग तेजी से भाग रहे हैं. इस घटना में घायल लोगों को जिला अस्पताल लाया गया। इधर, जानकारी

मिलते ही पुलिस और प्रशासन के अधिकारी जिला अस्पताल पहुंच गए।

एसपी मनोज राय ने बताया कि ये एक श्रद्धांजलि कार्यक्रम था। कार्यक्रम घंटाघर पर जब समाप्त हो रहा था, तब मशाल रखते समय कुछ मशाल उल्टी हो गईं, जिसके कारण उसमें जो बुरादा और तेल था, उससे आसपास की मशालें भभक गईं। इससे वहां घेरा बनाकर खड़े लोग झुलस गए. इसमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं।अधिकतर लोगों के चेहरे और हाथ झुलसे हैं। 50 लोगों को जिला अस्पताल लाया गया। इनमें से 12 लोगों को भर्ती किया गया है. बाकी को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया है।

बता दें कि खंडवा में पूर्व में हुए तिहरे हत्याकांड एवं आतंकवाद के विरोध में राष्ट्र भक्त वीर युवा मंच द्वारा मशाल मार्च निकाला गया था। इस आयोजन के मंचीय कार्यक्रम में हैदराबाद की गोशामहाल विधानसभा से विधायक टी राजा और भाजपा की महिला नेत्री नाजिया इलाही खान भी शामिल हुई थीं।

यह देश ला रहा मरने के अधिकार पर बिल

लंदन.

इंग्लैंड और वेल्स में एक नया बिल काफी चर्चा में है। यह बिल मरने के अधिकार को लेकर है। यह बिल यहां की संसद सदस्य किम लीडबीटर लेकर लेकर आ रही हैं। प्रस्तावित बिल के मुताबिक ऐसे बुजुर्ग, जिनके छह महीने के अंदर मर जाने की संभावना है, वह इसका लाभ ले सकेंगे। हालांकि इसका इस्तेमाल करने के लिए उन्हें खुद फैसला लेना होगा और इसके लिए उनका मानसिक तौर पर स्वस्थ होना भी जरूरी होगा। हालांकि इस बिल को लेकर अब वहां पर बहस छिड़ गई है। तमाम लोगों का कहना है कि इसका दुरुपयोग होने की संभावना काफी ज्यादा है।

मरने के अधिकार पर कानून बनने के बाद इसके लिए खास प्रॉसेस होगा।

इसके तहत मरने के इच्छुक व्यक्ति को दो अलग घोषणापत्र बनाने होंगे। यह घोषणापत्र गवाहों की मौजूदगी में बनेंगे और इस पर उस व्यक्ति के हस्ताक्षर भी होंगे। इसके अलावा दो स्वतंत्र डॉक्टर इस बात की पुष्टि करेंगे कि मरने का इच्छुक व्यक्ति वास्तव में इस हालत में है कि उसे इसकी इजाजत दी जा सकती है। अगर जरूरत पड़ी तो यह डॉक्टर एक्सपर्ट की राय भी ले सकेंगे। इसके बाद एक हाई कोर्ट जज इनमें से कम से कम एक डॉक्टर से बात करेगा और अगर उसे लगता है तो मरने के इच्छुक व्यक्ति से भी सवाल करेगा। इस पूरी प्रक्रिया में 7 से 14 दिन लग सकते हैं। अगर किसी की मृत्यु नजदीक है उसके लिए यह समय 48 घंटे तय किया गया है।इस मामले में अगर कोई मरने वाले व्यक्ति पर दबाव बनाने का दोषी पाया गया तो उसके खिलाफ सख्त प्रावधान हैं। ऐसा होने पर उस व्यक्ति को 14 साल तक की जेल हो सकती है।

समंदर में खोज निकाली ड्रग्स से लदी बोट्स

> भारतीय नौसेना की बड़ी कार्रवाई

नई दिल्ली.

भारतीय नौसेना ने श्रीलंकाई नौसेना के सहयोग से आज अरब सागर में एक बड़ी कार्रवाई की जिसमें 500 किलो क्रिस्टल मेथ ड्रग्स जब्त की गई। यह ड्रग्स दो मछली पकड़ने वाली नौकाओं से मिली जिनका उपयोग नशीले पदार्थों की तस्करी के लिए किया जा रहा था।

यह संयुक्त ऑपरेशन श्रीलंकाई नौसेना से मिली खुफिया जानकारी के आधार पर किया गया था। श्रीलंकाई अधिकारियों ने बताया था कि दो मछली पकड़ने वाली नौकाओं से संभावित तस्करी की जा सकती है, जिनका ध्वज श्रीलंका का था।

वहीं भारतीय नौसेना ने तुरंत कार्रवाई करते हुए दोनों नौकाओं को रोकने के लिए एक अभियान शुरू किया। इस ऑपरेशन में भारतीय नौसेना की हवाई निगरानी और श्रीलंकाई नौसेना के साथ मिलकर की गई जानकारी के आदान-प्रदान का बड़ा योगदान रहा। इन प्रयासों से दोनों नौकाओं की पहचान की गई और उन्हें पकड़ लिया गया। इस समय नाव भारतीय जल में बैरन द्वीप से 8 समुद्र मील दूर थी। नाव पर सवार छह नाव चालक दल की पहचान म्यांमार के नागरिकों के रूप में की गई। नाव की तलाशी के दौरान, बोर्डिंग पार्टी ने एक पोर्टेबल इनमारसैट सैटेलाइट फोन के साथ लगभग 5500 किलोग्राम सफेद क्रिस्टलीय पदार्थ पकड़ा गया।

अंत में बता दें कि 24 और 25 नवंबर को ये दोनों जहाज समुद्र में रवाना हुए थे। जब्त किए गए नशीले पदार्थ और दोनों नौकाओं के चालक दल के सदस्यों को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए श्रीलंकाई अधिकारियों को सौंप दिया गया है।

पुंछ से आईईडी-विस्फोटक सामग्री बरामद

श्रीनगर.

म्मू-कश्मीर में पिछले कुछ महीनों से आतंकी गतिविधियों में इजाफा हुआ है। जिसे देखते हुए घाटी में सुरक्षा और बढ़ा दी गई है। इस बीच जम्मू कश्मीर में सुरक्षा बलों ने एक बड़ी आतंकी साजिश का पर्दाफाश किया है। दरअसल, सुरक्षा बलों को पुंछ जिले से भारी मात्रा में विस्फोटक पदार्थ और आईईडी मिला है।

ये विस्फोटक पदार्थ जांच एजेंसियों द्वारा पुंछ जिले में चलाए गए सर्च अभियान के दौरान मिला है। इसमें दो आईईडी और भारी मात्रा में अन्य विस्फोट सामग्री शामिल है। इसके बाद सुरक्षा बलों ने बम निरोधक दस्ता को बुलाया है. इस घटना के बाद सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके को घेर लिया और आतंकियों की तलाश शुरू कर दी है।जानकारी के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले के मेंढर में छजला पुल के नीचे एक संदिग्ध वस्तु दिखने के बाद स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। उसके बाद सुरक्षा बलों की टीम मौके पर पहुंच गई। सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके के घेर लिया. जिसके बाद बम निरोधक दस्ते ने संदिग्ध वस्तु की जांच की तो पता चला वह विस्फोटक सामग्री है। भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया।

सुरक्षा बलों को जांच के दौरान छजला पुल के नीचे से एक किलोग्राम से अधिक संदिग्ध आरडीएक्स, दो आईईडी, एक बैट्री, दो कंबल और खाने का कुछ सामान मिला है। फिलहाल सुरक्षा बल इस बात की जांच कर रहे हैं ये विस्फोटक सामान यहां कैसे और किसने पुहुंचाया।

क्या आतंकवादी इस विस्फोटक सामाग्री में घाटी में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने के लिए करने वाले थे, जिसे लेकर सुरक्षा बल स्थानीय लोगों से पूछताछ कर रहे हैं। साथ ही आतंकवादियों की तलाश की जा रही है।

सैंड आर्टिस्ट ने बनाई पीएम मोदी की आकृति

भुवनेश्वर.

सैंड आर्टिस्ट सुदर्शन पटनायक ने पीएम मोदी के सम्मान में विशाल आकृति बनाई है। पीएम मोदी के स्वागत के लिए सैंड आर्टिस्ट सुदर्शन पटनायक ने शुक्रवार को पुरी समुद्र तट पर एक खूबसूरत सैंड आर्ट बनाई है। यह पीएम मोदी के ओडिशा दौरे से पहले बनाई गई है। पटनायक ने अपनी कला के माध्यम से पीएम मोदी का स्वागत करने के लिए रेत पर एक शानदार चित्र उकेरा है। उनकी सैंड

आर्ट में पीएम के चित्र और संदेश के साथ ओडिशा की संस्कृति और धरोहर को भी दर्शाया गया।

कैपिटल हिल के पास दिखी अजीब चीज

वाशिंगटन. 'एलियंस' को लेकर अमेरिका को हमेशा से ही शक के दायरे में रहता है। अब वॉशिंगटन डीसी में कैपिटल हिल के ऊपर कुछ ऐसा दिखाई दिया है जिसके बाद पूरे शहर में खलबली मची है। अमेरिकी वायुसेना की तस्वीरों में देखा जा सकता है कि कैपिटल हिल के ऊपर यूएफ़ओ देखे गए हैं। सोशल मीडिया पर भी इन तस्वीरों की काफी चर्चा है। कुछ लोगों का कहना है कि ये एलियन्स थे तो वहीं बहुत सारे लोग इसे रिफ्लेक्शन बता रहे हैं।डिगिन्स द्वारा खींची गई तस्वीरों में स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी के ऊपर रहस्यमय रोशनी उड़ती हुई देखी गई। ये रौशनी कैबिटल गुंबद के पास ही दिखाई दे रही थीं। वहीं दूसरे एंगल से ली गई तस्वीर से लोग दहशत में आ गए। इसमें देखा जा सकता है कि अचानक ये रोशनी आसमान में दिखाई देने लगी।हाल ही में अमेरिकी सीनेट की प्रतिनिध सभा में एलियन्स और यूएफओ को लेककर चर्चा की गई थी। इसमें अमेरिका के सैन्यकर्मियों ने भी अपने अनुभवों को साझा किया था।

100 में से 13 स्मार्ट सिटी की परियोजनाएं पूरी

> 23 राज्यों ने नए शहर विकसित करने के दिए प्रस्ताव

नई दिल्ली.

देश के 100 में से 13 स्मार्ट सिटी ने अपनी सभी परियोजनाएं पूरी कर ली हैं। जबकि 48 स्मार्ट शहरों ने 90 प्रतिशत कार्य पूरा कर लिया है। वहीं, 23 अन्य शहरों का 75 प्रतिशत काम पूरा हो गया है। यह जानकारी केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू ने गुरुवार को लोकसभा में दी।

उन्होंने बताया कि इनकी 17,303 करोड़ रुपये की 714 परियोजनाओं का कार्य क्रियान्वयन के दौर में है। केंद्र सरकार ने स्मार्ट सिटी मिशन के अंतर्गत 100 शहरों को विकसित करने के लिए 48,000 करोड़ रुपये की रकम खर्च करने का लक्ष्य रखा है। 15 नवंबर तक सरकार 47,225 करोड़ रुपये जारी कर चुकी

है और इसमें से 44,626 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं।

उन्होंने बताया कि 23 प्रदेशों ने 28 नए शहर विकसित करने के लिए मंत्रालय को प्रस्ताव भेजे हैं और फिलहाल इनका निरीक्षण किया जा रहा है। फरवरी 2021 में मंत्रालय ने घोषणा की थी कि केंद्र सरकार शहरी इलाकों की बढ़ोतरी की मांग पूरा करने के लिए आठ नए शहर विकसित करेगी। आठ प्रदेशों में आठ शहर विकसित करने के लिए 8,000 करोड़ रुपये का प्रावधान रखा गया था। इस रकम में एक राज्य में केवल शहर ही विकसित किया जा सकता है।

बेहतर तकनीक के इस्तेमाल के साथ 66 से ज्यादा शहर सालिड वेस्ट मैनेजमेंट का प्रबंधन कर रहे हैं। इसके लिए 9,194 वाहनों को आरएफआइडी से लैस किया गया है, ताकि वाहन की लोकेशन स्वचालित रूप से मिलती रहे।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि इन 100 स्मार्ट शहरों में 1,704 किलोमीटर लंबी स्मार्ट सड़कें बनाई या बेहतर की गई हैं। इनमें 84,000 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं और 713 किलोमीटर लंबा साइकिल ट्रैक विकसित किया गया है। इनके 2,398 सरकारी स्कूलों में 9,433 स्मार्ट क्लासरूम विकसित की गई हैं। जबकि 4,809 लोगों की बैठक क्षमता वाली 41 लाइब्रेरी, 172 ई-हेल्थ सेंटर और क्लीनिक, 152 हेल्थ एटीएम भी स्थापित किए गए हैं।

भारत में हाइड्रोजन ट्रेन चलाने की तैयारी

> हरियाणा के 2 शहरों के बीच होगा ट्रायल रन

नई दिल्ली.

भारतीय रेलवे ने हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेन लॉन्च करने की तैयारी के साथ एक और बड़ी उपलब्धि हासिल करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। यह अत्याधुनिक ट्रेन हरियाणा के जींद और सोनीपत रेलवे स्टेशनों के बीच जल्द ही ट्रायल रन के लिए दौड़ेगी। इस हाइड्रोजन ट्रेन का डिजाइन रेलवे की शोध, डिजाइन और मानक संगठन (आरडीएसओ) द्वारा विकसित किया गया है। डिजाइन को दिसंबर 2021 में अंतिम रूप दिया गया था। इसके निर्माण पर काम तब से लगातार चल रहा है। इस ट्रेन का अंतिम ट्रायल अगले साल की पहली तिमाही में होने की संभावना है।

रिपोर्ट के मुताबिक, आरडीएसओ के महानिदेशक उदय बोरवंकर ने कहा,आरडीएसओ लगातार नए और अभिनव प्रोजेक्ट्स पर ध्यान केंद्रित करता है। हाइड्रोजन ईंधन का उपयोग सड़क परिवहन में सफल रहा है। रेलवे में अभी तक इसका व्यापक उपयोग नहीं हो सका है। भारत का यह प्रयास टिकाऊ ऊर्जा के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि होगी।इस ट्रेन में 8 यात्री डिब्बे होंगे, जिनमें एक बार में 2,638 यात्री यात्रा कर सकेंगे। ट्रेन की अधिकतम गति 110 किमी/घंटा होगी। इसमें तीन डिब्बे हाइड्रोजन सिलेंडरों, ईंधन सेल कन्वर्टर्स, बैटरियों और एयर रिज़र्व के लिए होंगे। यह ट्रेन विशेष रूप से कम दूरी के सफर के लिए उपयुक्त मानी जा रही है। वर्तमान में चेन्नई के इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (आईसीएफ) में ट्रेन का इंटीग्रेशन कार्य प्रगति पर है।

भारत में चलेंगी मेड इन इंडिया बुलेट ट्रेनें

भविष्य में भारत के प्रमुख शहरों के बीच जापान की बुलेट ट्रेन के बजाए स्वदेशी बुलेट ट्रेनें दौड़ती नजर आएंगी। जापान की सहायता से चल रही मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना अंतिम होगी। इसके बाद भारतीय रेल की स्वदेशी तकनीक से निर्मित बुलेट ट्रेनें चलेंगी। रेलवे मंत्रलाय के सूत्रों ने बताया कि मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड कॉरिडोर परियोजना से सबक लेते हुए सरकार ने यह फैसला किया है।